आज का मौसम
29.0°
अधिकतम तापमान
26.0°
न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.31
सूर्यास्त 07.06

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष पंचमी 12:46 तक उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 29 जुलाई 2025, वर्ष 5, अंक 158, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

डीएसपी समेत छह के खिलाफ मामला दर्ज

नई दिल्ली। सीबीआई ने दो साल पहले एक साथी पुलिस कांस्टेबल को हिरासत में लेकर क्रूर और अमानवीय यातना देने के मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस के छह अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर दर्ज प्राथमिकी में केंद्रीय एजेंसी ने पुलिस उपाधीक्षक एजाज अहमद नाइको और पांच अन्य को नामजद किया है, जो उस समय संयुक्त पूछताछ केंद्र, कुपवाड़ा में तैनात थे। अधिकारियों के मुताबिक प्राथमिकी में नामजद अधिकारियों में डीएसपी नाइको के अलावा उप निरीक्षक रियाज अहमद और चार अन्य जहांगीर अहमद, इम्तियाज अहमद, मोहम्मद यूनिस और शाकिर अहमद शामिल हैं।

मणिपुर के पांच जिलों से 155 शस्त्र बरामद

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने पिछले कुछ दिनों में पहाड़ी जिलों चुराचांदपुर, कांगपोकपी, फेरजावल, तेंगनौपाल और चंदेल में चलाए गए कई अभियानों के दौरान 155 आग्नेयास्त्र और 1,652 कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), असम राइफल्स और सेना की संयुक्त टीमों द्वारा खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में ये हथियार बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक, बरामद किए गए हथियारों में एके सीरीज की आठ राइफल, दो इंसास राइफल, चार कार्बाइन, एक एसएलआर, नौ एमएम की आठ पिस्तौल, 12 बोर की 14 बंदूक, सिंगल बोर की 21 बंदूक, 14 देशी पिस्तौल और अन्य राइफल हैं।

स्कूल गेट गिरने से बच्चे की मौत, दो घायल

जयपुर। जैसलमेर जिले में सोमवार को एक सरकारी स्कूल भवन का प्रवेशद्वार गिरने से सात साल के एक बच्चे की मौत हो गई जो अपनी बहन को स्कूल से लेने आया था। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में एक छात्रा व एक शिक्षक घायल हो गए। हादसा सोमवार को गांव पूनमनगर के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में छुट्टी होने के समय हुआ। प्रवेशद्वार गिर गया और अपनी बहन को लेने आए बच्चे की मौत हो गई जबकि शिक्षक अशोक कुमार सोनी (40) तथा एक अन्य छात्रा प्रिया (पांच) घायल हो गए। मृतक की पहचान अरबाज खान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि प्रवेशद्वार की स्थिति पिछले कुछ समय से जर्जर थी।

अंदर देखें... अंतस

सहकारी समितियों में पिछड़ा वर्ग को मिलेगा 27 % आरक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग की बैठक में हुआ फैसला

अमृत विचार : प्रदेश में सहकारी समितियों में संचालक पदों पर पिछड़े वर्ग के लोगों को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। आयोग की ओर से इसकी संस्तुति शासन को भेजी जाएगी। सोमवार को उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग की बैठक में आरक्षण लागू करने को लेकर निर्णय लिया गया।

आयोग की सुनवाई के दौरान संचालक पदों के लिए आरक्षण का मुद्दा उठाया गया। आयोग को बताया गया कि सहकारी समितियों में संचालक पदों पर अनुसूचित वर्ग को आरक्षण दिया जा रहा है, पर पिछड़े वर्ग को आरक्षण नहीं मिल रहा है। इस पर आयोग ने पिछड़े वर्ग के लोगों को भी आरक्षण दिलाने के लिए संस्तुति भेजने का फैसला लिया। समितियों में संचालक समिति प्रबंधन और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संचालक समिति के सदस्य समिति के निदेशक मंडल का हिस्सा होते हैं और समिति चलाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। प्रदेश में राज्य सरकार की कई सहकारी समितियां हैं। समितियां सहकारिता, दुग्ध, गन्ना, आवास और अन्य क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं।

पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड सुलेमान समेत 3 ढेर

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के बाहरी इलाके के जंगलों में सेना के शीर्ष पैरा कमांडो ने सोमवार को पहलगाम आतंकवादी हमले के कथित मास्टरमाइंड और उसके दो साथियों को मार गिराया, जिसे बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि 22 अप्रैल के पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड माना जा रहा सुलेमान उर्फ आसिफ सोमवार को उस समय मारा गया, जब सुरक्षा बलों ने एक तकनीकी संकेत मिलने के बाद ऑपरेशन महादेव अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि यह तकनीकी संकेत एक ऐसे सैटेलाइट फोन के इस्तेमाल का इशारा कर रहा था,

मौके पर मोर्चाबंदी किए हुए सेना के जवान।

जिसका उपयोग पहलगाम हमले के दोषियों ने भी किया था।

अधिकारियों के मुताबिक, सेना की कार्रवाई में मारे गए अन्य आतंकवादियों की पहचान

बड़ी उपलब्धि

- श्रीनगर के बाहरी इलाके में सेना ने चलाया आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन महादेव
- जिब्रान और हमजा अफगानी के रूप में हुई मारे गए दो अन्य आतंकियों की पहचान

जिब्रान (जो पिछले साल सोनमर्ग सुरंग हमले में कथित रूप से शामिल था) और हमजा अफगानी के रूप में हुई है। इस हमले में एक डॉक्टर समेत सात लोग मारे गए थे। इस अभियान का कोडनाम 'ऑपरेशन महादेव' था। पहलगाम के पर्यटक स्थल बैसरन में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतकों में अधिकतर पर्यटक थे। इसके बाद सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे के खिलाफ सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। मुठभेड़ स्थल से एक एम4 कार्बाइन राइफल, दो एके राइफल और अन्य हथियार बरामद किए गए।

एक अधिकारी ने बताया कि पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे 24वीं राष्ट्रीय राइफल और चौथे पैरा यूनिट के जवानों के एक दल को तीन आतंकवादियों का पता चला और उन पर अचानक हमला कर उन्हें मार गिराया। आईजी (कश्मीर क्षेत्र) वीके बिरदी ने कहा कि यह एक लंबा अभियान था, जो अंतिम रिपोर्ट मिलने तक जारी रहा। अन्य विवरणों पर टिप्पणी करना अभी जल्दबाजी होगी।

ऑपरेशन सिंदूर पर विपक्ष के सवालों पर बोले रक्षामंत्री

परीक्षा में केवल परिणाम अहम, बाकी सब बेमानी

लोकसभा में चर्चा

- किसी के दबाव में नहीं रोकी गई कार्रवाई, यह निराधार

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर को तीनों सेनाओं के समन्वय का बेमिसाल उदाहरण बताते हुए कहा कि यह कहना गलत और निराधार है कि इस अभियान को किसी दबाव में आकर रोका गया था। साथ ही पाकिस्तान को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि उसकी कुछ गलतफहमी बची रह गई है तो उसे भी दूर कर दिया जाएगा। सिंह ने लोकसभा में पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा की शुरुआत करते हुए यह भी कहा कि पाकिस्तान की तरफ से सैन्य अभियान महानिदेशक के स्तर पर संपर्क कर आग्रह किया गया था कि अब कार्रवाई रोक दी जाए।

उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधा और कहा कि उसे यह सवाल पूछने के बजाय कि इस अभियान में भारत के कितने विमान गिरे, ऑपरेशन की सफलता पर बात करनी चाहिए थी। कहा कि किसी भी परीक्षा के बाद परिणाम मायने रखता है, किसकी पेंसिल टूटी, किसका पेन खो गया, इसका विचार नहीं किया जाता। परिणाम यह है कि ऑपरेश्नन सिंदूर में निर्धारित लक्ष्यों को पूर्ण रूप से पाने में भारत को सफलता मिली।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत ने कार्रवाई इसलिए रोकी क्योंकि मिशन से पहले जो उद्देश्य तय किए गए थे, उन्हें पूरी तरह हासिल कर लिया गया। किसी दबाव में ऑपरेशन सिंदूर रोकने का आरोप बेबुनियाद है। सिंह ने कहा कि किसी क्षेत्र पर कब्जा करना इस ऑपरेशन का मकसद नहीं था। इसका उद्देश्य पाकिस्तान द्वारा वर्षों से पाले गए आतंकवाद की नर्सरी का अंत करना था। उन लोगों को न्याय दिलाना था जिन्होंने पाक प्रायोजित पहलगाम हमले में अपने प्रियजनों को खो दिया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सवाल उठाते हुए सुना गया कि संघर्ष क्यों रोका गया। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कह चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर रुका है, समाप्त नहीं हुआ है और पाकिस्तान फिर नापाक हरकत करता है तो और कठोर कार्रवाई होगी। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रतिपक्ष के लोग पूछते हैं कि कितने विमान गिरे। मुझे लगता है कि यह प्रश्न राष्ट्रीय भावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता। रक्षा मंत्री ने कहा कि विपक्ष को अभियान की सफलता पर, दुश्मन सेना को हुए नुकसान पर और आतंकी ढांचों को हुए नुकसान पर सवाल पूछना चाहिए था। सिंह ने कहा कि यह पूछिए कि क्या जांबाज सैनिकों को कोई क्षति हुई है तो उत्तर है 'नहीं'।

संसद के मानसून सत्र में लोकसभा में चर्चा के दौरान बोलते रक्षामंत्री राजनाथ सिंह।

सेना ने 22 मिनट में नष्ट किए 9 आतंकी ठिकाने

राजनाथ ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद छह-सात मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया जो केवल 22 मिनट चला और इसमें देश के सशस्त्र बलों ने नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक निशाना साधकर उन्हें नेस्तनाबूद कर दिया। सिंह ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद हमारे पास जवाब देने के लिए कई विकल्प थे। लेकिन उसे चुना जिसमें आतंकियों और उनके ठिकानों को अधिकतम नुकसान पहुंचे और पाकिस्तान के आम नागरिकों को कोई क्षति नहीं पहुंचे।

गृह मंत्री लें पहलगाम हमले की जिम्मेदारी : गोगोई

नई दिल्ली। कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान सोमवार को कहा कि कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह को लेनी होगी। गोगोई ने कहा कि पहलगाम हमले को लेकर सारा दोष टूर ऑपरेटर के सिर पर मढ़ दिया गया और कहा गया कि बगैर अनुमति के टूर ऑपरेटर पर्यटकों को पहलगाम ले गया और इसकी जानकारी सरकार को नहीं दी गई। कहा कि यह जिम्मेदारी से भागना हुआ।

एसआईआर पर फिलहाल रोक नहीं

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा-प्रक्रिया जारी रखे चुनाव आयोग

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के मसौदे के प्रकाशन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में कराए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ दायर याचिकाओं पर हमेशा के लिए अंतिम निर्णय लेगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि वह 29 जुलाई को इस मामले की अंतिम सुनवाई की समय-सारणी तय करेगी। एक गैर सरकारी संगठन की ओर से उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि मतदाता सूची को अस्थायी तौर पर अंतिम रूप नहीं दिया जाना चाहिए और मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन पर अंतरिम रोक लगनी चाहिए।

पीठ ने न्यायालय के पिछले आदेश पर गौर किया, जिसमें कहा गया था कि याचिकाकर्ता अंतरिम राहत के लिए अनुरोध नहीं कर रहे थे। पीठ ने कहा कि अब मामले का स्थायी निपटारा किया जाएगा।

उत्तराखंड में धार्मिक स्थलों पर बनेगी दर्शन की सुदृढ़ व्यवस्था

गढ़वाल व कुमाऊं मंडलायुक्तों की अध्यक्षता में बनेगी कमेटी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर भगदड़ प्रकरण के बाद उत्तराखंड राज्य के धार्मिक स्थलों पर दर्शन और अन्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की कवायद शुरू हो गई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में उच्चस्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों- हरिद्वार स्थित मनसा देवी, चंडी देवी मंदिर, टनकपुर स्थित पूर्णागिरि धाम, नैनीताल के कैंची धाम, अल्मोड़ा के जागेश्वर मंदिर, पौड़ी स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर सहित अन्य प्रसिद्ध मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि, इन मंदिरों में भीड़ प्रबंधन, श्रद्धालु पंजीकरण, पैदल मार्गों और सीढ़ियों का चौड़ीकरण, अतिक्रमण हटाने तथा अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि श्रद्धालुओं को सुगम एवं सुरक्षित दर्शन अनुभव प्राप्त हो।

- मनसादेवी मंदिर भगदड़ प्रकरण के बाद प्रशासनिक स्तर पर कवायद

सीएम ने निर्देश दिए कि गढ़वाल और कुमाऊं, दोनों मंडलों के आयुक्तों की अध्यक्षता में समिति का गठन किया जाए। इस समिति में संबंधित जिलों के जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्ष एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सदस्य के रूप में शामिल किया जाए। बैठक में शासन के सभी आला अधिकारी मौजूद रहे।

पंजीकरण अनिवार्य क्रमवार कराएं दर्शन

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से मनसा देवी मंदिर परिसर तथा अन्य प्रमुख मंदिर परिसरों के सुनियोजित विकास, धारण क्षमता में वृद्धि और व्यवस्थित दुकान प्रबंधन पर बल देते हुए निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था को सुदृढ़, सुव्यवस्थित और सुगम बनाया जाए। श्रद्धालुओं का पंजीकरण अनिवार्य रूप से किया जाए तथा दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या नियंत्रित करते हुए चरणबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भीड़ नियंत्रण में रहे और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उत्साह

पंचायत चुनाव में सोमवार को पिथौरागढ़ के बेरीनाग ब्लॉक में उडियारी बूथ पर महिलाओं ने बारिश के बीच भी मतदान किया।

पंचायत चुनाव खत्म 31 को होगी मतगणना

देहरादून। उत्तराखंड में अन्तिम और द्वितीय चरण का पंचायत चुनाव सोमवार को छिटपुट घटनाओं को छोड़कर शान्तिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। 70 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया।

दूसरे चरण के मतदान में पहले चरण की अपेक्षा मतदाताओं में काफी जोश देखा गया। 106 साल की दादी और 108 साल के दादा ने भी मतदान किया।

युवाओं ने विकास और रोजगार की सोच के साथ वोट किया। पहले चरण का मतदान 24 जुलाई को सम्पन्न हो चुका है, जो 68 फीसदी हुआ था। मतगणना 31 जुलाई को होगी।

(विस्तृत पेज-2)

जांच पूरी होने और रिपोर्ट का इंतजार क्यों किया

नकदी बरामदगी मामला

- कोर्ट ने न्यायमूर्ति वर्मा से उनकी याचिका को लेकर किए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा से उनकी उस याचिका को लेकर सवाल किए, जिसमें उन्होंने नकदी बरामदगी मामले में आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट को चुनौती दी है। उनसे पूछा कि इस प्रक्रिया में भाग लेने के बाद इस पर सवाल कैसे उठा सकते हैं।

आंतरिक जांच समिति ने न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित आवास से नकदी बरामदगी मामले में उन्हें कदाचार का दोषी पाया था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा से पूछा कि जांच पूरी होने और रिपोर्ट जारी होने का इंतजार क्यों किया। पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से पूछा कि वह जांच समिति के सामने क्यों पेश हुए? क्या आप कोर्ट इसलिए आए थे कि वीडियो हटा दिया जाए? आपने जांच पूरी होने और रिपोर्ट जारी होने का इंतज़ार क्यों किया? क्या समिति के पास यह सोचकर गए कि शायद पक्ष में फैसला आ जाए?

भगदड़ में घायल 20 लोग हुए डिस्चार्ज

देहरादून। हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह भगदड़ मचने पर 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी जबकि 30 लोग घायल हो गए थे। प्रशासन ने सोमवार को बताया कि सभी आठों शवों को पोस्टमार्टम कराकर उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। एम्स, ऋषिकेश में भर्ती 15 में 5 घायलों को डिस्चार्ज कर दिया गया है जबकि शेष 10 उपचाराधीन हैं। वहीं, हरिद्वार के जिला अस्पताल से भी घायल 15 व्यक्तियों को उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। सभी घायल उत्तर प्रदेश के कानपुर, बरेली, मुरादाबाद, रामपुर, बदायूं के अलावा हरियाणा और बिहार के हैं।

पहल — कॉरपोरेट समूह से जुड़कर आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित होंगे विद्यालय, मिलेगी नई पहचान

उत्तराखंड के 550 सरकारी स्कूलों को गोद लेंगे उद्योगपति

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- सबसे ज्यादा स्कूल पर्वतीय क्षेत्र के 30 को राजभवन में होंगे एमओयू

अमृत विचार : राज्य के 550 राजकीय विद्यालयों को कॉरपोरेट समूह गोद लेकर उन्हें साधन सम्पन्न बनाएंगे। इनमें अधिकांश विद्यालय पर्वतीय क्षेत्रों के हैं। सरकार ने ऐसे उद्योगपतियों से सम्पर्क कर इस संबंध में सैद्धांतिक सहमति बना ली है।

30 जुलाई को राजभवन में राज्यपाल और मुख्यमंत्री की मौजूदगी में कॉरपोरेट समूहों व शिक्षा विभाग के मध्य राज्य के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों को गोद लेने को लेकर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होंगे।

विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के अनुसार, राज्य सरकार शिक्षा के आधुनिकीकरण एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण देने के लिए उद्योग जगत के साथ मिलकर एक नई पहल शुरू करने जा रही है, जिसके तहत राज्य के करीब 550 राजकीय प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालयों को कॉरपोरेट समूह से जोड़ा जा रहा है। इनमें से अधिकतर विद्यालय पर्वतीय क्षेत्र के शामिल किए गए हैं, ताकि विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच अवस्थित इन विद्यालयों में कॉरपोरेट सोशल रिस्पान्सबिलिटी (सीएसआर) फंड से अवस्थापना सुविधाओं का विकास हो सके। डॉ. रावत ने बताया कि सूबे में करीब 559 विद्यालय ऐसे हैं जिनमें विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। ऐसे विद्यालयों को उद्योग समूहों से जोड़ने के उपरांत व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप और बेहतर ढंग से संचालित किया जा सकेगा।

आधारभूत व आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे स्कूल

प्रदेश भर के उद्योग समूहों के सीएसआर फंड से विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं के साथ नई पहचान दिलाना है। इसके तहत प्रत्येक उद्योग समूह एक प्राथमिक व एक माध्यमिक विद्यालय को गोद लेकर उनमें सभी आधारभूत एवं आधुनिक सुविधाएं (मॉडल क्लास रूम, कम्प्यूटर लैब, साइंस लैब, पुस्तकालय, फर्नीचर, शौचालय, खेल सामग्री, खेल मैदान व चाहरदीवारी आदि) मुहैया कराएंगे ताकि पर्वतीय क्षेत्रों के दुर्गम विद्यालयों में अध्ययनरत प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं को आज की आवश्यकताओं एवं नई शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों के अनुरूप बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

पंचायत चुनाव: 70 प्रतिशत मतदान, 31 को मतगणना

4709 मतदान स्थलों पर हुआ दूसरे व अंतिम चरण का मतदान, 21.57 लाख मतदाताओं ने किया अपने मताधिकार का प्रयोग

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2025 के द्वितीय और अन्तिम चरण का मतदान सोमवार को सफलतापूर्वक, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हो गया। निर्वाचन आयोग के संयुक्त सचिव कमलेश मेहता ने बताया कि द्वितीय चरण के लिए राज्य के 10 जनपदों के 40 विकास खंडों की संबंधित ग्राम पंचायतों में स्थापित मतदान स्थलों में प्रातः आठ बजे से मतदान की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई। प्रारंभिक आंकलनों के अनुसार द्वितीय चरण में समग्र रूप से कुल 70.00 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिसमें 65.50 प्रतिशत पुरुष और 74.50 प्रतिशत महिला मतदाता शामिल हैं। मतदान में जनता के भारी उत्साह ने लोकतंत्र में गहरे विश्वास को दर्शाया है।

चुनाव में 82 साल से लेकर 108 वर्ष के बुजुर्गों ने युवाओं की तरह जोश दिखाते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। प्रदेश के अधिकांश जिलों में मौसम सुहावना बना रहा। हालांकि गढ़वाल और कुमाऊं के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बारिश के बीच लोकतंत्र का उत्सव मनाया गया। बूंदाबांदी जैसे मौसम के बीच राज्य के दस जनपदों के कुल 40 विकासखंडों में 4709 मतदेय स्थलों पर मतदाताओं ने अपने ग्राम, विकासखंड और जिला पंचायत के सदस्यों और प्रधान का चयन किया।

सुबह दस बजे तक दो घंटों में 12.42 फीसदी लोगों ने अपना मत प्रयोग किया जबकि 12 बजे तक मतदान 29.22 प्रतिशत हो चुका था। अपराह्न 2 बजे तक 41.95 फीसदी मतदान व शाम 4 बजे तक 58.12 फीसदी हो चुका था।

10 जिलों में हुआ गांव की सरकार को मतदान

देहरादून : पंचायत चुनावों के अंतिम और द्वितीय चरण के चुनावों के लिए सोमवार को राज्य के तीन जनपदों को छोड़कर मतदान हुआ। द्वितीय चरण के 4709 मतदान स्थलों पर 21 लाख 57 हजार 199 मतदाताओं को अपना प्रतिनिधि चुनने के लिए मतदान करना था। इनमें 10 लाख 45 हजार 643 महिला तो 11 लाख 11 हजार 490 पुरुष तथा 66 अन्य मतदाता को अपने मताधिकार का प्रयोग करना था। गौरतलब है कि 24 जुलाई को पहले चरण में दो जिलों बागेश्वर व रुद्रप्रयाग के सभी विकासखंडों में मतदान संपन्न हो चुका है इसलिए 12 के बजाए 10 जिलों में दूसरे चरण का मतदान हो रहा है। जबकि हरिद्वार जनपद पहले से ही त्रिस्तरीय चुनाव की परिधि से बाहर है। पहले चरण में 68 प्रतिशत मतदान हुआ था।

शतकपार बुजुर्गों में दिखा युवाओं जैसा उत्साह

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: लोकतंत्र के महोत्सव में चमोली के गांव ऐरोली की दादी लोकतंत्र की मिसाल बनी हैं। इनकी उम्र करीब 106 वर्ष है लेकिन हौसला बेहिसाब है। सोमवार को पंचायत चुनाव के अंतिम चक्र में ऐरोली गांव के बूथ पर पहुंची 106 साल की दादी ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि जब इरादा मजबूत हो तो उम्र कभी बहाना नहीं होती। वहीं, पौड़ी जनपद के कलजीखाल ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पाली, ग्राम पंचायत गढ़कोट के 95 वर्ष के बुजुर्ग मतदाता सते सिंह नेगी (पूर्व प्रधानाचार्य) ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

108 साल के दादा का जोश देखते बना

देहरादून : चमोली के एरोली गांव की दादी ने जहां 106 साल की उम्र में वोट डालकर लोकतंत्र की मिसाल पेश की तो गांव गुढांई चौरास के निवासी 108 वर्षीय मंगल सिंह नेगी ने राजकीय इंटर कॉलेज किलकिलेश्वर में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। गांव से लेकर राज्य और देश की सरकार के लिए वोट करते आ रहे मंगल नेगी वोट डालने के दौरान काफी उत्साहित दिखे।

96 साल की बसंती देवी।

90 साल की प्रेम पंत।

बुजुर्ग दंपती ने भी किया मतदान।

भागीरथी देवी।

बेरीपड़ाव में वोट डलवाने के लिए गोदी में बुजुर्ग महिला को ले जाता परिजन।

मतदान करने जातीं बुजुर्ग महिलाएं। ● अमृत विचार

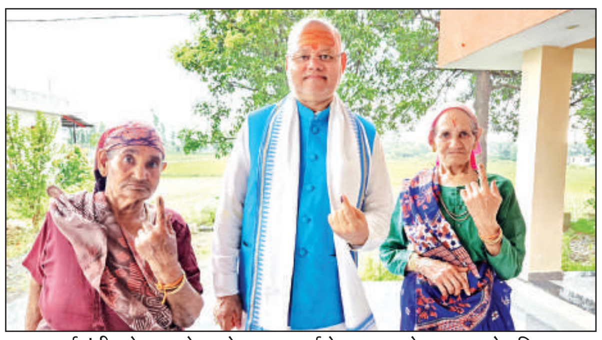

राज्य दर्जा मंत्री सुरेश भट्ट ने अपने माता व ताई के साथ अपने मत का प्रयोग किया।

कोटाबाग में कोमल, भावना, अनीता व उर्मिला ने भी पहली बार मताधिकार का प्रयोग किया। कहा कि गांव के विकास के लिए मताधिकार का प्रयोग कर वह उत्साहित हैं। क्षेत्र में बारिश के दौरान भी मतदाताओं में मतदान को लेकर उत्साह दिखाई दिया।

रामनगर में 75.13 प्रतिशत मतदान हुआ

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में 67 मतदान केंद्रों पर बने 134 बूथों पर मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया है। प्रत्याशियों का भाग्य मत पेटी में बंद हो चुका है। शाम सात बजे तक ढिकुली, थारी, कंदला, आमपोखरा आदि ग्रामीण अंचलों में मतदान जारी रहा।

सोमवार रामनगर विकासखंड में पंचायत चुनाव को लेकर खासा उत्साह देखा गया। हिम्मतपुर ब्लॉक, हिम्मतपुर डोटियाल, धर्मपुर ओलिया, भवानीपुर समेत सभी स्थानों पर सुबह से मतदाताओं की लाइन लगनी शुरू हो चुकी थीं। बता दे कि रामनगर में 30 क्षेत्र पंचायत सदस्य, 3 जिला पंचायत सदस्य व 49 ग्राम प्रधान व पदों के साथ-साथ ग्राम पंचायत वार्ड सदस्यों के लिए भी मतदान उत्साह के साथ संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी प्रिया सैनी ने बताया कि सुबह 10 बजे तक 9.5 प्रतिशत, दोपहर 12 बजे तक 30.50 प्रतिशत, दोपहर 2 बजे तक 46.34 प्रतिशत, सायं 4:00 बजे तक 65.4 प्रतिशत मतदान हो चुका था। रामनगर में कुल 76,848 मतदाता पंजीकृत थे। खासकर महिला मतदाताओं की भागीदारी अहम है। आपदा प्रभावित क्षेत्र चुकुम गांव और दुर्गम क्षेत्रों में मतदान प्रक्रिया व्यवस्थाएं अच्छी रही। चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारी और कर्मचारी पूरी तरह सतर्क रहे। कई स्थानों पर सुबह से ही लंबी कतारें देखने को मिलीं। सुरक्षा व निगरानी में संवेदनशील और अति संवेदनशील केंद्रों पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। प्रत्येक मतदान केंद्र पर पुलिस और पीएसी बल की तैनाती के साथ-साथ वीडियो रिकॉर्डिंग और निगरानी के इंतजाम किए गए थे।

नोडल अधिकारी एसडीएम प्रमोद कुमार, चुनाव अधिकारी प्रिया सैनी, पुलिस क्षेत्राधिकारी सुमित पांडे, कोतवाल अरुण कुमार सैनी, तथा तीन जोनल मजिस्ट्रेट, 8 सेक्टर मजिस्ट्रेट लगातार मतदान केंद्रों का लगातार निरीक्षण कर रहे थे। अधिकारियों ने मतदान केंद्रों से प्रचार सामग्री को हटवाया।

रामनगर के हिम्मतपुर डोटियाल में लगी मतदाताओं की लंबी कतार। ● अमृत विचार

97 वर्षीय आमा पार्वती रावत।

पनियाली में बुर्जुग महिला को सहारा।

जंगलिया गांव में प्रथम बार मतदान करने के बाद स्याही दिखाते उत्साही युवा।

शांतिपूर्वक संपन्न हुआ मतदान

भवाली : दो ग्राम सभाओं नगारीगांव व डोब ल्वेशाल में लोगों ने मतदान किया। तिरछाखेत बूथ नंबर 28 पर 4 बजे तक 488 मतदाताओं ने मत डाले। डोब ल्वेशाल बूथ पर 109 महिला मतदाताओं व 85 पुरुष मतदाताओं ने मतदान किया। दोनों मतदान केंद्र पर महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों के मुकाबले ज्यादा रही।

मतदान को लेकर युवाओं में दिखा उत्साह

भीमताल : जंगलिया गांव में 18 वर्षीय युवा प्रथम बार मतदान करने पहुंचे। इन युवाओं का कहना था कि उन्होंने गांव के विकास के लिए, मोटर मार्ग की समस्याओं के समाधान करने, स्वरोजगार के लिए, पंचायत को सशक्त बनाने के लिए व लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मतदान किया।

युवाओं ने कहा

पहली बार वोट दिया और बहुत अच्छा लगा। हमने वो प्रतिनिधि चुना जो सड़क, पानी और शिक्षा पर काम करने का वादा कर रहा है। अब हमें सिर्फ वादे नहीं, काम भी चाहिए। **-योगेश कुंवर**

मैंने ऐसे उम्मीदवार को वोट किया जो गांव का विकास करना चाहता है। मुझे उम्मीद है कि अब बदलाव होगा। हम चाहते हैं कि गांव में रहना आसान हो, और इसके लिए विकास जरूरी है। **-ममता**

हम युवा हैं और अब गांव के फैसलों में हमारी भागीदारी भी होनी चाहिए। हमने जाति-धर्म से ऊपर उठकर विकास को वोट दिया है। **-भानू राठौर**

मुझे लगता था कि एक वोट से क्या फर्क पड़ता है, लेकिन अब महसूस हुआ कि हर वोट की ताकत होती है। ये गांव हमारा है, तो चुनाव में हिस्सा लेना जरूरी था। **-रितिक कठायत**

गौलापार के मतदाता बोले

मतदान का माहौल बहुत शांतिपूर्ण रहा। क्षेत्र में वोट प्रतिशत भी इस बार अधिक रहा। सभी ने एक दूसरे को सहयोग प्रदान किया। महिलाओं की भागीदारी इस बार के मतदान में बढ़ी है। **– गीता रावत**, ग्राम पंचायत देवला मल्ला

ग्राम पंचायत देवला मल्ला के अंतर्गत शिमलार, किशननगरी और विजयपुर गांव आते हैं। ग्राम पंचायत के अंतर्गत करीब 1.5 हजार मतदाता सूची में शामिल हैं। यहां के सभी केंद्रों में शांतिपूर्वक मतदान हुआ। दोपहर 1 बजे तक करीब 40 प्रतिशत से अधिक मतदान हो चुकी था। **– डॉ. मुकेश पलड़िया**, देवला मल्ला

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में पहली बार मतदान कर रहा हूं। इस चुनाव में मतदान करने के साथ ही युवा प्रत्याशी के रूप में भी आगे आ रहे हैं और शिक्षा, रोजगार और विकास के नाम पर मतदान किया जा रहा है। हमारी ग्राम पंचायत में इस बार मतदान प्रतिशत बढ़ा है। – विनोद पलड़िया, देवला मल्ला

क्षेत्र में करीब 1.5 हजार मतदाता हैं। सुबह से ही विजयपुर, देवला मल्ला और शिमलार के ग्रामीणों का अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए बूथ में पहुंचने का सिलसिला शुरू हो चुका था। दोपहर तक 50 प्रतिशत से अधिक लोगों ने मतदान कर दिया था। **– पुष्पा पांडे**, ग्राम पंचायत देवला मल्ला नवाड़खेड़ा

चार दशक से प्रत्येक त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मतदान कर रही हूं। इस बार अन्य सालों की तुलना में लोगों में मतदान को लेकर ज्यादा जोश दिखाई दे रहा है। खासकर महिलाएं बढ़-चढ़कर मतदान कर रही हैं और योग्य उम्मीदवार चुनने में अपनी भागीदारी कर रही हैं। अन्य महिलाओं के साथ ही सभी वर्ग के मतदाताओं को इसी तरीके से जोश के साथ मतदान करना चाहिए। – **पार्वती देवी**, 60 साल, देवला तल्ला कुंवरपुर

कोटाबाग के 102 बूथों पर शांतिपूर्ण हुआ मतदान

कालाढूंगी: कोटाबाग ब्लॉक के अंतर्गत सोमवार को 102 बूथों पर लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हुआ। मतदान के लिए नए वोटर, महिलाओं व ग्रामीणों खासा उत्साह दिखा। अधिकतर वोटरों ने विकास के लिए अपना मत का प्रयोग किया। सुबह आठ बजे से ही पुलिस व प्रशासन की तैनाती में लोगों ने वोट डालना शुरू कर दिए थे। महराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली व अन्य राज्यों में रह रहे मतदाताओं ने भी क्षेत्र में पहुंचकर गांव के विकास के लिए अपने मतों का प्रयोग किया है। सुबह दस बजे 14 . 09, 12 बजे 33.89, दो बजे 52.57 तो शाम चार बजे तक 59.11 प्रतिशत मतदान हुआ। देवलचौड़, गुलजापुर व तलिया बूथों पर प्रत्याशियों में हल्की झड़प भी हुई। निवार्चन अधिकारी मनोज गंगवार ने बताया कि 102 बूथों में शांतिपूण तरीके से मतदान संपन्न हुआ है।

लोकतंत्र का उत्सव नैनीताल जनपद के भीमताल, हल्द्वानी, कोटाबाग और रामनगर के केंद्र और बूथों पर हुआ मतदान

उत्साह और जोश के साथ निभायी जिम्मेदारी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: पंचायत चुनाव के दूसरे चरण के तहत नैनीताल जनपद के चार विकासखंडों भीमताल, हल्द्वानी, कोटाबाग और रामनगर के 522 मतदान केंद्रों पर सोमवार को सुबह 8 बजे से मतदान शुरू हुआ। मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं का उत्साह देखने लायक रहा। प्रशासन द्वारा निर्वाचन की पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किए गए। नैनीताल के ज्योलोकोट, बाल्दियाखान, गेठिया मतदान केदों में सुबह से दोपहर बाद तक मतदाताओं की लंबी-लंबी लाइन लगी रही। मतदाताओं ने उत्साह पूर्वक मतदान किया।

मतदाताओं की लंबी कतारें, युवाओं में उत्साह : नैनीताल के बल्दियाखान क्षेत्र में सुबह से ही मतदान को लेकर उत्साह चरम पर रहा। बूथों पर लंबी कतारें नजर आईं। ग्रामीणों ने लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बल्दियाखान निवासी पलक बिष्ट ने पहली बार मतदान किया। उन्होंने कहा कि यह मेरा पहला अनुभव है और मैं इसे लेकर बेहद उत्साहित हूं। मेरे गांव में सड़क, पानी और सौर ऊर्जा जैसी बुनियादी सुविधाओं की जरूरत है। उम्मीद है कि हमारा वोट विकास की दिशा तय करेगा।

विकास की उम्मीद लेकर मतदान करने पहुंचे ग्रामीण: ताकुला बेलुआखान ग्रामसभा की निवासी निर्मला जोशी ने कहा कि वह अपने गांव में सड़क, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बुजुर्गों के लिए परिवहन सुविधा और रसोई गैस जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को लेकर वोट देने पहुंची हैं। उन्होंने कहा, गांव में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। मुझे उम्मीद है कि नई पंचायत इन मांगों को प्राथमिकता देगी। स्थानीय ग्रामीण सलोनी ने बताया कि वह ऐसे उम्मीदवार को चुनना चाहती हैं, जो ग्रामीणों की समस्याओं को समझे और उनके साथ हर परिस्थिति में खड़ा रहे। बताया कि गांव में अभी भी कई स्थान ऐसे हैं, जहां सड़क की जरूरत है। फिलहाल केवल सीसी मार्ग हैं, लेकिन हमें पक्की सड़कें चाहिए।

मतदान केंद्र के बाहर लगी लाइन। ● अमृत विचार

90 साल की बुजुर्ग महिला।

निर्मला जोशी।

पलक बिष्ट।

प्रशासन सतर्क, मतदान शांतिपूर्ण

जिला प्रशासन की ओर से मतदान के सुचारू संचालन के लिए सभी बूथों पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। दूसरे चरण के मतदान में नैनीताल जिले के ग्रामीणों ने जागरुकता और उत्साह के साथ भागीदारी कर यह स्पष्ट कर दिया है कि अब गांव भी विकास की दौड़ में पीछे नहीं रहना चाहते। युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक, हर वर्ग अपने मत का प्रयोग कर बेहतर पंचायत की उम्मीद कर रहा है।

हल्द्वानी समेत चार ब्लॉकों में 76.08 प्रतिशत मतदान

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के द्वितीय चक्र में रामनगर, कोटाबाग, भीमताल में छिटपुट घटनाओं व हंगामे के साथ मतदान संपन्न

पंचायत चुनाव

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

राजकीय प्राथमिक विद्यालय फूलचौड़ में मतदान करने के लिए लगी महिलाओं की लाइन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का द्वितीय चक्र छिटपुट घटनाओं व हंगामे के साथ संपन्न हो गया। हल्द्वानी में फर्जी मतदान को लेकर हंगामा हुआ तो रामनगर में विधायक व दरोगा में भिड़ंत हो गई। पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश से मतदान पर असर पड़ा हालांकि देर सायं तक वोटिंग जारी रही। चार ब्लॉकों में 76.08 प्रतिशत मतदान हुआ और 222437 ग्रामीणों ने गांवों की सरकार चुनने के लिए मतदान किया। इसी के साथ प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटियों में बंद हो गया है।

पंचायत चुनाव के द्वितीय चक्र में हल्द्वानी, कोटाबाग, रामनगर और भीमताल ब्लॉकों में मतदान हुआ। चारों ब्लॉकों में 142146 महिला और 150192 पुरुष व 4 ट्रांसजेंडर समेत 292382 मतदाता पंजीकृत थे। द्वितीय चक्र का मतदान सोमवार की सुबह आठ बजे से शुरू हुआ। शुरुआती दो घंटे में बूथों पर मतदाताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह 10 बजे भीमताल में 13.83, हल्द्वानी में 15.66, कोटाबाग में 14 और रामनगर में 9.54 प्रतिशत वोटिंग हुई। शुरुआती दो घंटे में 13.82 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद अगले दो घंटों में मतदान में तेजी से उछाल आया। दोपहर 12 बजे तक चारों ब्लॉकों में 31.98 प्रतिशत मतदान हुआ। हालांकि दोपहर में अचानक आसमान में काले बादल छा गए और हवा नहीं चलने से उमस व गर्मी बढ़ गई। भारी उमस के बीच मतदाताओं का हौसला नहीं डिगा उन्होंने गांव की सरकार चुनने के लिए मतदान किया। दो बजे तक 49.61 प्रतिशत मतदान हुआ। हालांकि इस बीच प्रत्याशियों व समर्थकों ने वोटर लिस्ट से मिलान करते रहे घरों से नहीं निकलने वाले मतदाताओं को फोन या व्यक्तिगत बुलावा दे वोटिंग के लिए बुलाया। इस तरह मतदान में उछाल आया और आंकड़ा बढ़कर 65.94 प्रतिशत तक पहुंच गया। अंतिम घंटे में 10.14 प्रतिशत मतदान हुआ। इस तरह कुल 76.08 प्रतिशत मतदान हुआ। हल्द्वानी ब्लॉक से प्रधान पद की 176, बीडीसी के सापेक्ष 134 और जिपं 15 उम्मीदवार मैदान में हैं।

ब्लॉक वार मतदान की सूची

ब्लॉक का नाम	कुल मतदाता	मतदान दिया	मतदान प्रतिशत
भीमताल	39583	32105	81.11
हल्द्वानी	122509	90189	73.62
कोटाबाग	53442	42407	79.35
रामनगर	76848	57736	75.13

चुनाव में प्रचार किया, वोट देने पहुंचे तो चुनाव चिह्न भूल गए

हल्द्वानी : चुनाव में पर्ची पर सिर्फ चुनाव चिह्न ही अंकित थे प्रत्याशियों के नाम अंकित नहीं थे। ऐसे में कई मतदाता नाम से तो प्रत्याशी के समर्थन में थे लेकिन जब मतदान करने पहुंचे तो चुनाव चिह्न ही याद नहीं रहा। ऐसे में मतदाता भ्रमित हुए और पसंदीदा उम्मीदवार को मतदान नहीं कर सके। जो चिन्ह समझ आया उसी पर मुहर ठोक दी।

कुल्हाड़ी चली या कप प्लेट पल-पल की लेते रहे अपडेट

हल्द्वानी : चुनाव को लेकर लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। मतदान कर लौटे लोग फोन पर मतदान की पल-पल की अपडेट लेते रहे। कोई पूछता कि कुल्हाड़ी चली तो किसी को कप प्लेट की चिंता थी। सभी चुनाव चिह्न के आधार पर अपडेट लेते दिखे।

04 ब्लॉकों हल्द्वानी, भीमताल, रामनगर और कोटाबाग के

522 बूथों पर हुआ 222437 ग्रामीणों ने किया मतदान

पति ने बाइक दौड़ाई तो भाई ने कार

हल्द्वानी : पंचायत चुनाव में प्रत्याशियों के साथ-साथ परिजनों ने भी एक-एक वोट के लिए पूरी ताकत झोंक दी। सोमवार को बूथों पर देखने को मिला कि प्रत्याशी जहां अपने पक्ष में मतदान की अपील कर रहे थे तो महिला प्रत्याशियों के पति और ससुर जबकि पुरुष उम्मीदवारों के भाई और दोस्त कार व बाइकों से मतदाताओं को घर से बूथ तक लाने ले जाने का काम कर रहे थे। आलम यह था कि धूप में लोगों को बूथों तक लाने के लिए एसी कार का इंतजाम किया गया था।

कक्ष संख्या अंकित नहीं होने से परेशान हुए मतदाता

हल्द्वानी : पंचायत चुनाव में अव्यवस्थाएं भी देखने को मिलीं। जैसे देवलचौड़ प्राथमिक विद्यालय में मतदाताओं की दी गई पर्ची में कक्ष संख्या -4 अंकित था लेकिन स्कूल में कहीं पर भी कक्ष संख्या-4 अंकित नहीं था। जिससे मतदाताओं को अपना कक्ष ढूंढने में परेशानी हुई। इसी तरह फूलचौड़ में भी स्कूल कक्षों पर संख्या अंकित नहीं होने से मतदाता भ्रमित हुए। हालांकि वहां मौजूद पुलिस फोर्स ने उन्हें कक्ष बताया तब जाकर लाइन में लगे।

दरोगा राजवीर नेगी और विधायक के बीच होती बहस। ● अमृत विचार

रामनगर में दारोगा व विधायक के बीच हुई तीखी नोकझोंक

● दारोगा पर मतदाताओं से अभद्र व्यवहार का आरोप, पहुंचे अफसर

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मतदान प्रक्रिया के दौरान शंकरपुर बूथ पर उस वक्त हंगामा हो गया जब भाजपा विधायक दीवान सिंह बिष्ट और चुनाव ड्यूटी में तैनात दरोगा राजवीर नेगी के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। विवाद मतदाताओं से कथित अभद्र व्यवहार को लेकर शुरू हुआ। विधायक ने दरोगा पर गंभीर आरोप लगाते हुए दरोगा को मतदान स्थल से तत्काल हटाने की मांग की। मतदान के दौरान बूथ पर पहुंचे विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने दरोगा पर आरोप लगाया कि वह सुबह से मतदाताओं को धमका रहे हैं और उन्हें मतदान केंद्र से भगा रहे हैं।

दरोगा पर बुजुर्गों से भी अभद्रता का आरोप है। विधायक ने कहा कि यह आचरण पूरी तरह से अलोकतांत्रिक है और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की साजिश प्रतीत होती है। कहा कि यह सुनियोजित योजना के तहत किया जा रहा है। जब उन्होंने दरोगा से मतदाताओं के साथ किए जा रहे व्यवहार पर बात की तो दोनों के बीच बहस तेज हो गई और मामला गर्मा गया। विधायक का कहना है कि मतदाता बिना डर के वोट डालें, यह सुनिश्चित करना प्रशासन और पुलिस की जिम्मेदारी है। विधायक ने मामले की शिकायत चुनाव के नोडल अधिकारी एवं एसडीएम प्रमोद कुमार से की। उन्होंने पुलिस के उच्चाधिकारियों को फोन कर दरोगा को बूथ से तत्काल हटाने की मांग की। सूचना मिलते ही नोडल अधिकारी प्रमोद कुमार, सीओ सुमित पांडे और कोतवाल अरुण कुमार सैनी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने विधायक से घटना की जानकारी ली और मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए। एसडीएम प्रमोद कुमार ने बताया कि सुबह के समय बूथ पर भीड़ अधिक हो गई थी, जिसके चलते दरोगा द्वारा मतदाताओं से कुछ निर्देश दिए गए थे। यदि दरोगा द्वारा विधायक या मतदाताओं से अभद्र व्यवहार किया गया है, तो इसकी जांच कराई जाएगी। आरोप सही पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। विधायक बिष्ट ने कहा कि मतदान केंद्र पर तैनात पुलिसकर्मी मतदाताओं को धमका रहे थे और वापस भेज रहे थे। जब दरोगा से सवाल किया तो उसने मेरे साथ भी अभद्रता की।

शांतिपूर्ण मतदान के बाद वापस सोमवार शाम सील मतपेटियों के साथ लौटीं मतदान पार्टियां ● अमृत विचार

पोलिंग पार्टियों का पहुंचना शुरू, 26 पार्टियां आज पहुंचेंगी

हल्द्वानी : देर शाम तक पोलिंग पार्टियों का मतगणना स्थल पर पहुंचना शुरू हो गया। हल्द्वानी ब्लॉक के लिए रामपुर रोड स्थित एचएन इंटर कॉलेज में स्ट्रॉन्ग रूम बनाया गया है। जहां देर सायं पोलिंग पार्टियों का मतपेटियों के पास पहुंचना शुरू हो गया था। एसडीएम राहुल शाह की देखरेख में पोलिंग पार्टियों ने मतपेटियां जमा कराईं। इसके बाद उन्होंने सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। इसी तरह कोटाबाग, भीमताल, रामनगर में भी पोलिंग पार्टियों का देर रात तक पहुंचने का सिलसिला जारी था। हालांकि 26 दूरस्थ बूथों की पोलिंग पार्टियां मंगलवार को पहुंचेंगी। इनमें रामनगर की 1, भीमताल की 4 और कोटाबाग की 21 पार्टियां शामिल हैं।

बिना आधार कार्ड के मतदान का आरोप, धौलाखेड़ा बूथ पर हंगामा

हल्द्वानी : पंचायत चुनाव में कई जगह आरोप-प्रत्यारोप के दौर भी चले। धौलाखेड़ा स्थित एक बूथ पर महिला प्रत्याशी ने आरोप लगाया कि बिना आधार कार्ड जांच किए मतदान किया जा रहा है। उन्होंने और समर्थकों ने फर्जी मतदान का आरोप लगाते हुए हंगामा काटना शुरू कर दिया। इससे मतदान प्रक्रिया प्रभावित हुई। हंगामे पर पुलिस टीम और मतदान अधिकारियों ने प्रत्याशी को समझाने की कोशिश की। बाद में अधिकारियों ने किसी तरह से समझा कर मामला शांत किया। वहीं एसडीएम राहुल शाह का कहना है कि धौलाखेड़ा में फर्जी मतदान के आरोप निराधार हैं, आईडी देखने के बाद ही बूथ में एंट्री दी जाती है।

प्रत्याशियों ने मोबाइल पर कॉल की

हल्द्वानी : बेशक, शनिवार की शाम को प्रचार थम गया था लेकिन प्रत्याशी व समर्थक पूरी तरह प्रचार में जुटे हुए थे। प्रत्याशियों ने फोन कर के मतदाताओं से सीधे बात की तो समर्थकों ने सोशल मीडिया पोस्ट, स्टेटस और बल्क मैसेज के जरिए समर्थन मांगा।

मतदान के दौरान नशे में धुत युवक का चालान

हल्द्वानी, अमृत विचार : जिले में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर रही। थाना तल्लीताल क्षेत्र में एसओ रमेश बोरा ने मतदान स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायज़ा लिया। एसओ बोरा ने बताया कि पुलिस की टीम ने मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए क्षेत्र में नियमित गश्त की और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी। इसी दौरान एक युवक बिना लाइसेंस के स्कूटी से रश ड्राइविंग कर रहा था, जिसे तुरंत रोककर उसकी स्कूटी सीज कर दी गई। वहीं मतदान स्थल के पास एक व्यक्ति शराब के नशे में घूमता पाया गया। मौके पर कार्रवाई करते हुए उसका चालान काटा। पुलिस की सक्रियता से मतदान शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और मतदाताओं ने बिना किसी भय के अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

सरियाताल में मोमबत्ती की रोशनी में वोटिंग

संवाददाता, हल्द्वानी

सरियाताल में मोमबत्ती व टॉर्च की रोशनी के बीच मतदान कराते कर्मचारी।

अमृत विचार: पंचायत चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग सोमवार को शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हुई, लेकिन ग्राम सभा सरियाताल ब्लॉक भीमताल में अव्यवस्था का नजारा भी देखने को मिला। यहां बिजली की आंख मिचौली के चलते मतदान अधिकारियों को मोमबत्ती और टॉर्च की रोशनी में मतदान कराना पड़ा। जिससे न सिर्फ मतदान की गति धीमी हुई बल्कि मतदाताओं को काफी इंतजार भी करना पड़ा।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि गांव में पेड़ों की टहनियों के बिजली तारों से टकराने के कारण आए दिन बिजली बाधित होती है। इसको लेकर कई बार विद्युत विभाग को मौखिक शिकायत भी की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। नतीजतन, पंचायत चुनाव जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर भी व्यवस्थाएं चरमराती रहीं। अमृत विचार की टीम से बात करते हुए ग्रामीणों ने बताया कि बार-बार बिजली जाने से जहां मतदान कर्मियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा, वहीं बुजुर्गों और महिलाओं को भी परेशानी हुई।

"कई महीनों से यही हाल है। पेड़ की डालियां तारों से टकराती हैं, फाल्ट हो जाता है। हमने बिजली विभाग से कई बार कहा लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। चुनाव में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। प्रशासन को इस लोकतंत्र में लोगों की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देना चाहिए। -संजय सिंह भंडारी

"यहां कोई देखने वाला नहीं है। चुनाव जैसे महापर्व में ये हाल है तो आम दिनों का अंदाजा लगाया जा सकता है। बारिश शुरू हुई नहीं कि बिजली गायब। आज के समय में भी अगर मोमबत्ती जलाकर मतदान का काम हो रहा है तो इससे बड़ी शर्म की बात क्या हो सकती है। -मोहन सिह बिष्ट

नौ बागियों की सक्रिय सदस्यता निलंबित

हल्द्वानीः भाजपा में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ाने वाले कार्यकर्ताओं पर गाज गिर ही गई। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट ने नोटिस जारी कर कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में कार्यकर्ता अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव लड़ या लड़ा रहे हैं। जो कि पूरी तरह संगठन के अनुशासन और नीतियों के विपरीत है।

इसे देखते हुए नौ कार्यकर्ताओं की सक्रिय सदस्यता निलंबित की गई है। इनमें गंगा सिंह सामंत निवासी नया गांव, शोभा टम्टा निवासी बजूनिया हल्दू, कुलदीप कुल्याल निवासी पंचायत घर, विशाल नेगी निवासी तिकोनिया, धीरेंद्र रावत निवासी तिरछाखेत भवाली, यशपाल आर्य निवासी गरमपानी, भगवत सिंह बिष्ट निवासी गरमपानी, सोबन सिंह करायत निवासी सिल्टोना शामिल हैं।

परिवार के पहुंचने से पहले डाल दिए वोट, हंगामा

संवाददाता, लालकुआं

मतदान केंद्र के मुख्य द्वार के बाहर दोबारा वोट कराने की मांग को लेकर हंगामा करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

अमृत विचारः त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सोमवार को चल रहे मतदान के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र जयपुर खीमा में एक परिवार शाम को जैसे ही वोट डालने आए, तो पता चला कि उक्त परिवार के पांच सदस्यों का वोट पहले से ही डल चुके हैं। सूचना के बाद एकत्र हुए ग्रामीणों ने मतदान केंद्र के बाहर जबरदस्त हंगामा करते हुए उक्त बूथ में हुए मतदान को निरस्त कर पुनः मतदान कराने की मांग की।

मोटाहल्दू क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्र जयपुर खीमा में स्थित मतदान केंद्र में गांव के एक ही परिवार के पांच लोग वोट डालने पहुंचे, तो मतदान अधिकारी ने बताया कि उनका वोट पहले ही डल चुका है। यह सुन परिवार हक्का-बक्का रह गया। यह जानकारी बाहर बैठे राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को दी तो ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया। देखते ही देखते मुख्य द्वार के पास भारी संख्या में भीड़ एकत्र हो गई और मतदान निरस्त करने की मांग करने लगे। सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं लालकुआं कोतवाल तथा पीठासीन अधिकारी ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, परंतु वह टस से मस नहीं हुए। पुलिस प्रशासन पर भी कई गंभीर आरोप लगाए। खबर लिखे जाने तक पोलिंग पार्टी केंद्र के अंदर थी और बाहर हंगामा जारी था। उधर, एसडीएम राहुल शाह ने बताया कि जिनके लोगों का कहना है कि उनके वोट पहले पड़ चुके हैं, वे टेंडर वोट दे सकते हैं। उन्हें आईडी चेक करानी होगी। एक व्यक्ति ने आईडी चेक कराई, लेकिन उसका नाम वोटर लिस्ट में नहीं था और बाकियों ने आईडी चेक नहीं कराई और हंगामा करना शुरू कर दिया। हंगामा कर रहे ग्रामीणों का नेतृत्व प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल मोटाहल्दू के अध्यक्ष संदीप पांडे, राकेश कविदयाल, निवर्तमान क्षेत्र पंचायत सदस्य गरिमा पांडे, हेमा कविदयाल और महेश कबड़ाल शामिल थे।

प्राथमिक विद्यालय स्यूड़ा में बारिश के बीच मतदान को खड़े लोग। ● अमृत विचार

बारिश भी नहीं रोक सकी लोकतंत्र का उत्साह

हल्द्वानी, अमृत विचार : सोमवार को नैनीताल जिले की ग्राम सभा चोपड़ा में पंचायत चुनाव के दौरान बारिश की दस्तक के बावजूद मतदाताओं का उत्साह कम नहीं हुआ। बारिश की परवाह किए बिना मतदाताओं की भारी भीड़ मतदान केंद्रों पर उमड़ पड़ी और लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर लोगों की कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। बारिश के कारण कुछ समय के लिए व्यवधान जरूर आया, लेकिन मतदाताओं का जोश कम नहीं हुआ। महिलाएं, बुजुर्ग और युवा सभी वर्गों के लोग वोट देने के लिए उमंग और उत्साह के साथ पहुंचे। ग्रामवासियों ने यह साबित कर दिया कि लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने के लिए वे हर परिस्थिति में अपना कर्तव्य निभाने को तैयार हैं। प्रशासन ने भी मतदान के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की थीं और बारिश के बावजूद व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रही। चोपड़ा गांव में इस बार मतदान प्रतिशत उल्लेखनीय रहा और यह इस बात का संकेत है कि ग्रामीण जनता अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक हो रही है।

लोकतंत्र का पर्व

बुजुर्गों में दिखा गांव में सरकार चुनने का युवा जोश, 105 वर्षीय बुजुर्ग ने ज्योलिकोट में किया मतदान

युवाओं-बुजुर्गों ने स्वास्थ्य, सड़क व रोजगार के लिए किया वोट

बबलू चंद्रा, नैनीताल

अमृत विचारः पंचायत चुनाव के द्वितीय व अंतिम चरण के मतदान में प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटियों में कैद हो गया है। नैनीताल से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार सुबह से ही पोलिंग बूथों पर जनता वोट करने पहुंची। ज्योलिकोट, बेलुवाखान, गेठिया, भूमियाधार, आलूखेत, बल्दियाखान, चोपड़ा, गांजा ब्ल्यूटी में गांव की सरकार चुनने के लिए युवाओं से ज्यादा जोश बुजुर्गों में नजर आया।

इस दौरान, अधिकतर बुजुर्गों का कहना था कि तमाम प्रयासों के बावजूद ग्रामीण अंचलों से लगे आबादी क्षेत्रों में स्वास्थ्य समस्याएं जस की तस हैं। गांव के उम्रदराज व्यक्ति से लेकर हर वर्ग को सड़क न होने और आबादी वाले क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओ की कमी से आए दिन परेशानी का सामना करना पड़ता है। अधिकतर बुजुर्गों ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य और सड़क के मुद्दे के लिए वोट किया। वहीं, पर्वतीय क्षेत्रों में रोजगार युवाओं का सबसे बड़ा मुद्दा रहा है। युवाओं का कहना रहा कि, लिखने-पढ़ने के बावजूद वह बेरोजगार हैं। उनके अपने क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं तो नजर आती हैं, जो सरकार के सहयोग के बिना संभव नहीं है और इसी मुद्दे को लेकर युवाओं ने पंचायत चुनावों में वोट डाला है।

ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, स्वास्थ्य व उच्च शिक्षण संस्थानों का अभाव आज भी बरकरार है, लेकिन इससे इतर, वह रोजगार के लिए अधिक चिंतित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में युवा शिक्षित हैं जिन्होंने महानगरों या समीपवर्ती शहरों से उच्च शिक्षा हासिल कर ली, लेकिन उसके बाद करने को कुछ नहीं है। सिर्फ खेतीबाड़ी ही एकमात्र जरिया है मगर कृषि कार्य से उनका सपना साकार नहीं हो सकता। युवाओं का कहना है कि रोजगार के अभाव में युवा अपना गांव छोड़ने को मजबूर हैं। उनका यह भी कहना है कि, सरकार को ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर उद्योगों समेत अन्य व्यवसाय के साधन जुटाने होंगे, तभी पलायन रुक पाएगा और ग्रामीण क्षेत्रों का समुचित विकास हो पाएगा।

105 वर्षीय चन्द्रमणि पाठक।

84 वर्षीय दिलजीत कौर।

ज्योलिकोट के गांजा गांव मे वोट देने पहुंचीं 84 वर्षीय दिलजीत कौर ने कहा कि चिकित्सा सुविधाओं के क्षेत्र में विशेष काम करना चाहिए। ज्योलिकोट चिकित्सालय में एक भी एंबुलेंस न होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। गंभीर मरीजों को रेफर के दौरान खासी मशक्कतों का सामना कर शहर जाना पड़ता है।

पंचायत चुनाव में पहली बार वोट डाल रहीं गेठिया पड़ाव की मानसी बिष्ट ने कहा कि युवा होने के नाते रोजगार पहली मांग है, जिसे लेकर वोट डाला है।

भूमियाधर निवासी पंकज आर्या ने कहा कि वह पढ़ाई के साथ छोटी सी दुकान चलाते थे, जिसे बंद करवा दिया गया है। उन्होंने रोजगार के मुद्दे को लेकर वोट डाला है।

बाल्दियाखान निवासी पायल फुलारा ने कहा कि रोजगार होगा तो विकास स्वतः हो जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सरकार को तलाशने होंगे, तभी युवाओं पलायन रुक सकेगा।

गेठिया निवासी दीपक चंद्र आर्या ने कहा कि रोजगार के अभाव में दिल्ली में रोजगार कर रहे हैं और इस उम्मीद के साथ वोट डालने आए हैं कि आने वाली सरकार युवाओं के लिए बेहतर कर सके।

सिटी ब्रीफ

सड़क हादसे के जिम्मेदारों के खिलाफ केस दर्ज

हल्द्वानी, अमृत विचार : हल्द्वानी और टांडा जंगल में हुए सड़क हादसे को लेकर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। हल्द्वानी में हुई सड़क दुर्घटना में एक शिक्षिका तो वहीं टांडा जंगल में दिल्ली से अल्मोड़ा आ रहे युवक की मौत हो गई थी। हेमा पंत (46) मूल रूप से अल्मोड़ा के खुंट धामस व हाल प्रेम कॉलोनी, गोल्डी विहार बरेली रोड की निवासी थीं। गौजाजाली में एक निजी स्कूल में वह पढ़ाती थीं। गुरुवार को वह साथी शिक्षिका के साथ स्कूटी से स्कूल जा रही थीं। तीनपानी के पास पेट्रोल पंप के सामने पीछे से आ रहे तेज रफ्तार एक डंपर ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। सड़क दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल लाया गया जहां उनकी मौत हो गई। मृतक के दामाद जितेंद्र पांडे ने इस मामले में पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इसके अलावा शनिवार रात वोट देने के लिए दिल्ली से अल्मोड़ा जनपद जा रहे 35 वर्षीय विजय सिंह की टांडा जंगल में पिकअप वाहन से टकराने के बाद मौत हो गई। वह मूल रूप से अल्मोड़ा के सोमेश्वर स्थित पाखुड़ा के रहने वाले थे। कोतवाल राजेश यादव ने बताया कि मृतक के भाई मुकेश सिंह की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

रंगदारी मांगने के आरोप में यूट्यूबर बिरजू गिरफ्तार

रामनगर थाने में चार व कालाढूंगी थाने में दर्ज हैं दो मुकदमे

संवाददाता, रामनगर

पुलिस की गिरफ्त में यूट्यूबर बिरजू मयाल। ● अमृत विचार

अमृत विचार : भाजपा नेताओं से सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट और रंगदारी मांगने के आरोप में में यूट्यूबर बिरजू मयाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि बिरजू पर रामनगर थाने में चार व कालाढूंगी थाने में दो मुकदमे दर्ज हैं।

मोहल्ला भरतपुरी रामनगर निवासी एक महिला ने में पुलिस को तहरीर देकर छेड़खानी, मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी जैसे कई गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि बीते दिनों उनका पड़ोसी बिरजू मयाल अपनी पत्नी के साथ शोर कर रहा था। जब उन्होंने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो बिरजू ने उनके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए गाली-गलौज, मारपीट और छेड़खानी की। महिला का आरोप है कि बिरजू मयाल ने उनका हाथ पकड़कर जबरन गलत तरीके से छूने की कोशिश की। महिला ने चार मोबाइल नंबरों का भी उल्लेख किया है, जिनसे लगातार वीडियो कॉल और अश्लील बातें की गईं। इसके साथ ही फेसबुक पर महिला को बदनाम करने वाली पोस्ट डालने का भी आरोप लगाया गया है। रविवार को भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बिरजू मयाल के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और उसे गिरफ्तार करने की मांग को लेकर कोतवाली परिसर में धरना प्रदर्शन किया था। भाजपा नेता व पूर्व दर्जा मंत्री दिनेश मेहरा ने भी बिरजू मयाल के खिलाफ दस हजार रुपये की रंगदारी मांगने और सोशल मीडिया पर भाजपा नेताओं व महिला कार्यकर्ताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने का आरोप लगाया था। उस मामले में भी कोतवाली में केस दर्ज किया गया है। भाजपा के प्रदेश मंत्री राकेश नैनवाल ने भी बिरजू मयाल पर गाली-गलौज और अभद्र भाषा करने का आरोप लगाया है। कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने बताया आरोपी बिरजू मयाल पर मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी को मंडी गेट के पास रामपुर रोड हाईवे हल्द्वानी से गिरफ्तार किया गया है।

मारपीट के मामले में दोनों पक्षों ने दर्ज कराए मुकदमे

हल्द्वानी : कुल्यालपुरा क्षेत्र में मारपीट के मामले में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के ऊपर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने दोनों ही पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। नवाबी रोड कुल्यालपुरा निवासी रुपा देवी ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि बीती 22 जुलाई की शाम 8 बजे उनका 15 वर्षीय बेटा घर के सामने खड़ा था। इसी बीच अशीष कुमार रुद्र के साथ गाली गलौज करने लगा। आशीष का मामा सूरज टम्टा व भाभी पूनम टम्टा व बहन वर्षा भी मौके पर आ गई। जब काफी हल्ला होने लगा तो रुपा और उनका पति उमेश चौहान भी वहां गए। इतने में इन लोगों ने उसके बेटे और बेटी को लाठी डंडों से मारना शुरू कर दिया। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं दूसरे पक्ष की पूनम देवी निवासी कुल्यालपुरा ने पुलिस को बताया कि वह परचून की दुकान चलाती हैं। आरोप है कि उमेश चौहान का बेटा उनकी भांजी के लिए गलत शब्द बोल रहा था, मेरे भांजे ने इसका विरोध किया तो उमेश चौहान, उसकी पत्नी व अन्य ने हमला कर दिया। पुलिस ने तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दर्जनों लोगों ने थामा भीम आर्मी का हाथ

सदस्यता अभियान के दौरान जिम्मेदारी सौंपते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भीम आर्मी ने सोमवार को दमुवाढूंगा में सदस्यता अभियान के अंतर्गत सशक्त जनसभा की। जिलाध्यक्ष नफीस अहमद खान ने नगर निगम पर निशाना साधते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार के द्वारा उन मकानों को चिन्हित कर उन्हें उजाड़ने की तैयारी चल रही है।

नगर निगम ने बड़ी संख्या में ऐसे मकानों की सूची बना रखी है जिन पर बुलडोजर चलाने की योजना है। यह केवल एक क्षेत्र की समस्या नहीं बल्कि समूचे भारत में एक-एक कर सभी को निशाना बनाया जाएगा। कहा कि बुलडोजर चाहे बनभूलपुरा, राजपुरा, आवास विकास या दमुवाढूंगा में एकजुट होकर सरकार की विभाजनकारी नीतियों का विरोध करना होगा। अध्यक्षता जिला सचिव जीतराम ने की, जबकि संचालन नफीस अहमद खान ने किया। मनोज कुमार के नेतृत्व में चंद्रशेखर आर्य, मनोज कुमार विश्वकर्मा, भगत राम, तेजराम आर्य, चंद्रकांत, प्रेमराम, मुकेश चंद्र, जीवन चंद्र, राज, प्रेम प्रकाश, जगदीश आर्य, राजेंद्र प्रसाद ने भीम आर्मी की सदस्यता ली। मनोज को नगर सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस मौके पर सिराज अहमद, सुंदर लाल बौद्ध, महेश चंद्र, हरीश लोधी, फिरोज खान, संजय टम्टा, हयात राम टम्टा आदि मौजूद रहे।

भूमि का मुआयना करने गए लोगों पर हमला

हल्द्वानी : डीआरटी कमिश्नर के बुलाने पर जमीन का मुआयना करने गए लोगों पर कुछ लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ितों ने पिस्टल तान धमकी देने का आरोप भी लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। देवलचौड़ खाम निवासी मनोहर सिंह सांगुड़ी ने टीपीनगर पुलिस चौकी में तहरीर सौंप बताया कि बीती 25 जुलाई को डीआरटी कमिश्नर ने उन्हें जमीन का मुआयना करने के लिए बुलाया था। वह अपने साथियों अंकुर सुयाल, प्रबल प्रताप, और प्रवीण पाल के साथ रामपुर रोड बिलरी पंप के सामने जमीन पर पहुंचे। वह जमीन का मुआयना कर ही रहे थे कि उसी समय अमरजीत सिंह, गुरलाल संधु, मुख्तयार सिंह के साथ करीब तीन और लोग लाठी-डंडों के साथ वहां पहुंचे। इन लोगों ने उन पर हमला कर दिया। गुरलाल संधु व उसके साथी ने पिस्टल निकाल उन पर तान दी। प्रभात पाल ने 112 नंबर पर फोन किया तो पुलिस आई। पुलिस आरोपियों को चौकी लेकर आई और साथ ही पिस्टल को जब्त कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

हाईकोर्ट के वर्ष 2018 के आदेश को लागू करें

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- कार्मिक एकता मंच ने उठाई मांग सेवा संबंधी मामलों की कोर्ट में बढ़ती संख्या पर भी जताई चिंता

अमृत विचार : कार्मिक एकता मंच की ओर से आयोजित बेविनार में न्यायालय सेवा संबंधी वादों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई गई। वक्ताओं ने कहा कि राज्य आंदोलन में कर्मचारियों ने 94 दिन तक सड़कों पर संघर्ष किया था लेकिन अब उसी राज्य में कर्मचारियों को सेवा संबंधी मामलों के लिए न्यायालय की शरण में जाना पड़ रहा है, जोकि दुर्भाग्यपूर्ण है। मंच संरक्षक एवं सेवानिवृत्त अपर सचिव सुमन सिंह वल्दिया ने कहा कि सुशासन की संकल्पना व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की जिम्मेदारियों के सही निर्वहन से ही पूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि सेवा संबंधी वादों की संख्या पर अंकुश लगाने के लिए सरकार को वादकारिता नीति के अनुसार काम करना चाहिए। संस्थापक अध्यक्ष रमेश चन्द्र पांडे ने 29 अगस्त 2018 को हाईकोर्ट की ओर से पारित आदेश का जिक्र किया जिसमें प्रत्येक विभाग में शिकायत निवारण समिति गठित कर त्रैमासिक बैठकें करने के निर्देश दिए थे। आरोप लगाया कि सात वर्ष बीतने के बावजूद इस आदेश का पालन केवल कागजों में हुआ जबकि धरातल पर इसे लागू नहीं किया गया। इस मौके पर धीरेन्द्र पाठक, दिग्म्बर फफुलरिया, राकेश जोशी, दिनेश भंडारी आदि मौजूद थे।

बूथों पर मतदाताओं की रही भीड़

लालकुआं : मतदान स्थलों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मतदाताओं में खासा उत्साह दिखा। एक जिला पंचायत, 16 ग्राम प्रधान व 16 क्षेत्र पंचायत सदस्यों के लिए अधिकांश बूथों में 70 फीसदी मतदान शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुआ। सुबह 8 बजे जैसे ही मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई, तो पोलिंग बूथों में मतदाताओं की लंबी-लंबी लाइन लगनी शुरू हो गई जोकि शाम 4 बजे बाद तक जारी थी। राजकीय इंटर कॉलेज हल्दूचौड़, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज दौलिया, प्राइमरी स्कूल दीना, डूंगरपुर पंचायत घर हल्दूचौड़, पूर्व माध्यमिक विद्यालय गंगापुर, सोयाबीन फैक्ट्री व हाईस्कूल बेरीपड़ाव आदि मतदान स्थलों में मतदाताओं की भीड़ देखी गई। शाम 4 से 5 बजे तक मतदान 70 फीसदी तक पहुंच गया था।

सहस्त्रधारा व सिरसी में स्थापित होगी एटीसी

- मुख्य सचिव ने की हेली सेवाओं की समीक्षा बैठक

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय में केदार वैली में हेली सेवाओं के लिए सुरक्षा व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए युकाडा और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारियों को सहस्त्रधारा एवं सिरसी में एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) सितंबर माह के प्रथम सप्ताह तक स्थापित करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव (सीएस) ने युकाडा को प्रत्येक हेलीपैड पर हेलीपैड इंचार्ज तैनात करने की के निर्देश देते कहा कि शटल सेवाओं की समयबद्धता सुनिश्चित करना हेलीपैड इंचार्ज की जिम्मेदारी रहेगी। हेलीपैड के संचालन के लिए एसओपी का शत प्रतिशत प्रवर्तन कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। हर हेली का टाइम टेबल के साथ ही उड़ान संख्या निर्धारित कर बोर्डिंग पास पर अंकित करना सुनिश्चित करें। सीएस ने कहा कि युकाडा प्रदेश में हेली सेवाओं के लिए नियामक संस्था है। हेली कंपनियां नियमों का अनुसरण करें, इसकी जिम्मेदारी युकाडा की है।

इसके अलावा, मौसम विभाग द्वारा मौसम अधिकारी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। सीएस ने ऑटोमेटेड वैदर ऑब्जर्वेशन सिस्टम चिन्हित स्थानों पर शीघ्र स्थापित करने को कहा।

लोहाखाम ताल को संरक्षण की जरूरत

- सड़क निर्माण के दौरान मलबे से कम हुई गहराई, जल की गुणवत्ता भी प्रभावित

संवाददाता, नैनीताल

ताल का पोस्टर दिखाता युवक।

अमृत विचार : हर वर्ष 28 जुलाई को विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाया जाता है, ताकि लोग प्रकृति की रक्षा और संरक्षण के प्रति जागरूक हों। यह दिन केवल पेड़ों को बचाने या जलवायु परिवर्तन पर चर्चा तक सीमित नहीं है, बल्कि उन स्थानीय प्राकृतिक धरोहरों की सुरक्षा पर भी ध्यान केंद्रित करता है, जो हमारी सांस्कृतिक, धार्मिक और पारिस्थितिक विरासत का अहम हिस्सा है। ऐसी ही एक अनमोल धरोहर है उत्तराखंड के ओखलकांडा ब्लॉक में स्थित लोहाखाम ताल (कुंड)।

डोबा और हरीशताल के बीच स्थित यह पवित्र ताल केवल एक जलस्रोत नहीं है, बल्कि सदियों से स्थानीय आस्था और संस्कृति का केंद्र रहा है। यहां हर वर्ष बैसाख पूर्णिमा के अवसर पर विशाल मेला आयोजित होता है। इसमें 75 से अधिक गांवों के श्रद्धालु भाग लेते हैं। यह कुंड जनमानस की धार्मिक भावनाओं से जुड़ा है और क्षेत्र की पहचान का प्रतीक है, लेकिन दुर्भाग्यवश हाल के वर्षों में इसके स्वरूप को गंभीर क्षति पहुंची है। सड़क निर्माण के दौरान डाले गए मलबे के कारण इसकी गहराई कम हो गई है। जल की गुणवत्ता भी प्रभावित हुई है और आसपास की हरियाली व जैवविविधता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

यदि यह स्थिति बनी रही, तो यह पवित्र कुंड अपने अस्तित्व को खो सकता है। इस संकट को देखते हुए लोहाखाम ताल बचाओ संघर्ष समिति सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। समिति ने शासन-प्रशासन से ताल की रक्षा के लिए एक मजबूत सुरक्षा दीवार और उपयुक्त चेकडैम (मलबा अवरोधक) स्थापित करने की मांग की है। यह ताल केवल एक जल स्रोत नहीं है, बल्कि स्थानीय आस्था, पर्यटन और पर्यावरणीय संतुलन का आधार भी है। यदि इस पर तत्काल ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाली पीढ़ियां एक अद्वितीय पवित्र धरोहर से वंचित हो जाएंगी। समिति ने अस्तित्व बचाने के लिए प्रचार-प्रसार भी शुरू कर दिया है।

वेतन रोकने संबंधी आदेश जारी करने से शिक्षकों में आक्रोश

संवाददाता, हल्द्वानी

- शिक्षकों ने मुख्य शिक्षाधिकारी के आदेश को लेकर दी आमरण अनशन की चेतावनी

अमृत विचार : मुख्य शिक्षा अधिकारी की ओर से विद्या समीक्षा केंद्र एप पर शिक्षकों व छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य किए जाने और अनुपालन नहीं करने पर शिक्षकों का वेतन रोकने संबंधी आदेश जारी किए जाने से शिक्षकों में भारी आक्रोश फैल गया है।

आदेश को लेकर प्राथमिक शिक्षक संगठन, राजकीय शिक्षक संगठन और जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से आपत्ति जताई है। संगठनों का कहना है कि शिक्षक यदि ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं, तो वह उनकी व्यक्तिगत मोबाइल, इंटरनेट और संसाधनों के सहारे हो रहा है। जिसे विभाग अब सरकारी कार्य का हिस्सा बनाना चाहता है, बिना कोई उपकरण, कनेक्टिविटी या सिम उपलब्ध कराए। कहा कि जब विभाग संसाधन ही नहीं देगा, तो आदेश कैसे लागू होगा।

संगठनों ने मुख्य शिक्षा अधिकारी के आदेश को शिक्षकों की निजी संपत्ति में हस्तक्षेप और मनोबल गिराने वाला बताया है। शिक्षक नेताओं का कहना है कि पंचायत चुनाव ड्यूटी में बीती 9 जुलाई से 31 जुलाई तक शिक्षक पूरी तरह व्यस्त हैं। ऐसे में वेतन रोकने की धमकी न केवल अनुचित है, बल्कि इसका सीधा असर शिक्षकों के मनोबल और विभागीय संबंधों पर पड़ेगा। चेतावनी दी है कि यदि यह आदेश वापस नहीं लिया गया तो अगस्त के पहले सप्ताह में सीईओ कार्यालय में धरना प्रदर्शन और जरूरत पड़ने पर आमरण अनशन किया जाएगा। पदाधिकारियों में मनोज तिवारी (अध्यक्ष, प्राथमिक शिक्षक संगठन), गिरीश जोशी (अध्यक्ष, राजकीय शिक्षक संगठन), देवेंद्र कुमार (अध्यक्ष, जूनियर हाई स्कूल संगठन), बंशीधर कांडपाल, पंकज बधानी और डीएन भट्ट (महामंत्री) ने संयुक्त रूप से कहा कि जब तक यह आदेश निरस्त नहीं किया जाता, तब तक मुख्य शिक्षा अधिकारी से कोई वार्ता नहीं की जाएगी। शिक्षकों का साफ संदेश है कि संसाधन नहीं मिलेगा तो एप पर उपस्थिति भी नहीं दी जाएगी।

फंदे से लटका मिला मजदूर का शव

हल्द्वानी, अमृत विचार : मूल रूप से बरेली जिला निवासी एक मजदूर का शव फंदे में लटका मिला। प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। पुलिस के मुताबिक करन (21) निवासी चकदर, भगवतीपुर जिला बरेली फिलहाल परिवार के साथ हल्दूचौड़ में किराए पर रहता था। वह मजदूरी कर परिवार को भरण पोषण करता था। रविवार रात खाना खाने के बाद सब लोग सो गए। सुबह उठकर देखा तो करन का शव फंदे में लटक रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मेडिकल चौकी प्रभारी बीएस मेहता ने बताया कि मामले में फिलहाल कोई तहरीर नहीं मिली है। फिलहाल माना जा रहा है कि करन ने आत्महत्या की है।

तीज मेले के दौरान मौजूद महिलाएं। ● अमृत विचार

मेले में कुसुम अग्रवाल व सनी गुप्ता बनीं तीज लकी लेडी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : अग्रवाल महिला समिति की ओर से बरेली रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल में तीज मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने किया। इसमें आकर्षक नृत्य प्रस्तुति, हास्य कविता, राजस्थानी नृत्य, ढ़ोल थाप मेले का मुख्य आकर्षण रहा। तीज लकी लेडी कुसुम अग्रवाल एवं सनी गुप्ता रहीं। लकी ड्रा का प्रथम पुरस्कार दिशा मित्तल द्वितीय प्राची अग्रवाल, तृतीय शिखा अग्रवाल, चतुर्थ साक्षी अग्रवाल, पंचम रितिका गर्ग को मिला। 10 महिलाओं को सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। संयोजिका आशा एवं मंजू, अध्यक्ष पायल, उपाध्यक्ष राधिका, सचिव वैशाली, कोषाध्यक्ष एकता आदि मौजूद रहीं।

हेपेटाइटिस के लक्षण व बचाव की दी जानकारी

नैनीताल : बीडी पांडे अस्पताल में विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें इस बीमारी से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. एमएस दुग्ताल ने मरीजों और उनके तीमारदारों को हेपेटाइटिस के लक्षण व बचाव की जानकारी दी। उन्होंने लोगों से सावधानी बरतने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की अपील की। कहा कि इस बीमारी के प्रति लोगों को जागरुक रहकर समय से उपचार कराना चाहिए। कार्यक्रम में पीएमएस डॉ. तरुण कुमार टम्टा, डॉ. ममता पांगती, अभिषेक गुप्ता, मैट्रन रेशमा चौहान, सुषमा बेलवाल, पुष्पा वर्मा, भारती रस्तोगी व जीतेश आदि रहे।

चुनाव

रामड़ी आनसिंह जिपंस सीट पर इस बार राजनीति रही हाई वोल्टेज

बढ़त बेला की लेकिन बागियों ने भी दी है कड़ी टक्कर

संवाददाता, हल्द्वानी

राजकीय प्राथमिक विद्यालय कठघरिया में वोट डालने के बाद अपने समर्थकों के साथ बूथ पर बैठीं बेला तोलिया। ● अमृत विचार

अमृत विचार : भाजपा नेताओं ने चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि रामड़ी आनसिंह से जिला पंचायत सदस्य का नहीं बल्कि जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव होगा। यहां से निर्वतमान जिला पंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया भाजपा की ओर से चुनाव में मैदान में हैं लेकिन यह सीट भाजपा के लिए सिरदर्द भी बन गई है।

मतदान के दिन भाजपा के बागियों का भी मतदान केंद्रों पर काफी बोलबाला रहा। सुबह करीब 11 बजे जिला पंचायत अध्यक्ष प्राथमिक विद्यालय कठघरिया पहुंचीं। उन्होंने गांव की जनता से अपील की सतत विकास के लिए उन्हें वोट करें। साथ ही उन्होंने इस बात को लेकर विश्वास जताया कि गांवों में भी भाजपा की लहर चल रही है। उनके पति और भाजपा नेता प्रमोद तोलिया ने भी कहा कि उनके विरोधी गलतफहमी में हैं और मतगणना के दिन सब सच बाहर आ जाएगा। उधर पास में ही दूसरे मतदान केंद्र पर कई लोग भाजपा के निष्कासित नेता प्रमोद बोरा की पत्नी और जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ रहीं डॉ. छवि कांडपाल बोरा के समर्थन में जुटे हुए थे। मतदान केंद्रों पर आने वालों से अपील की जा रही थी कि इस बार परिवर्तन को चुनें। मतदान केंद्र के दिन इस क्षेत्र के गांवों में लोगों से बातचीत की तो मिलाजुला माहौल पता चला। पूरी तरह से किसी एक प्रत्याशी के समर्थन में माहौल नजर नहीं आया। बेला तोलिया के पास भाजपा का समर्थन होना, उन्हें बढ़त दिला तो दिखा रहा है। फिर भी उनके सामने छवि कांडपाल के अलावा भाजपा के पूर्व जिला पंचायत सदस्य लाखन सिंह की पत्नी उमा निगल्टिया की भी चुनौती है। एक मतदाता ने कहा कि देखा जाए तो यह एक ही राजनीतिक पार्टी की लड़ाई हो गई है। प्रमोद और लाखन पर भाजपा की कार्रवाई हुई लेकिन उनकी जड़ें भाजपा में गहरी हैं। इसका खामियाजा भाजपा को हो भी सकता है। युवा मतदाता ने कहा कि इस क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी होना ही काफी होता है। हर चुनाव में भाजपा को बढ़त रहती है। पंचायत चुनाव में भी यही होगा। कठघरिया चौराहे के पास मिले मतदाता ने कहा कि भाजपा की आपसी लड़ाई का फायदा विमला तड़ागी कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार हैं, उनको भी मिल सकता है।

चुनाव के दौरान मुस्तैद रही खाकी

- एसएसपी ने स्वयं जाकर किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण
- जिले की सीमा पर चलाया गया चेकिंग अभियान

संवाददाता, हल्द्वानी

राजकीय प्राथमिक विद्यालय सिल्मोड़िया में मौजूद एसपी डॉ. जगदीश चंद्रा व अन्य पुलिसकर्मी।

अमृत विचार : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण के लिए मतदाताओं में खासा उत्साह रहा तो वहीं पुलिस भी चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्वक कराने के लिए मुस्तैद रहे। पुलिस के साथ ही पीएसी भी सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रही। स्वयं एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा ने मतदान केंद्रों पर जाकर जायजा लिया।

एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा ने देवलचौड़ खाम, राइंका मोतीनगर, राप्रावि हल्दूचौड़, राउमा विद्यालय धौलाखेड़ा बूथों का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती, आपात सेवाओं और महिला मतदाताओं की सुविधाओं की समीक्षा की। पुलिस के अनुसार प्रत्येक बूथ पर कड़ी निगरानी और सघन गश्त प्रणाली के तहत सुरक्षा पुख्ता की गई थी। सभी मतदान केंद्रों पर पुलिस बल मुस्तैदी से तैनात रहा और स्ट्रॉग रूम की सुरक्षा को मजबूत बनाया गया है। इसके अतिरिक्त एसपी सिटी प्रकाश चंद्र, एसपी क्राइम डॉ. जगदीश चंद्रा, सीओ हल्द्वानी नितिन लोहनी, सीओ लालकुआं दीपशिखा, सीओ भवाली प्रमोद साह और सीओ रामनगर सुमित पांडेय ने भी मतदान केंद्रों के अलावा अन्य जगहों पर उनका सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। नैनीताल पुलिस के अनुसार जिले के सभी बॉर्डर व मुख्य मार्गों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।

सिटी ब्रीफ

दमुवाढूंगा से नाबालिग हुआ लापता

हल्द्वानी, अमृत विचार : दमुवाढूंगा से एक नाबालिग अपने घर से लापता हो गया है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली है। राजेश बिष्ट ने पुलिस को बताया कि बीती उनका 15 साल का भांजा यश मेहरा दमुवाढूंगा में रहता है। 26 जुलाई की शाम वह अपने दोस्त के घर से कॉपी लेकर आने की बात कहकर निकला था। इसके बाद वह घर ही नहीं लौटा। परिजनों ने उसे खोजने का काफी प्रयास किया लेकिन कुछ भी पता नहीं चला। एसओ काठगोदाम पंकज जोशी ने बताया कि मामले में गुमशुदगी दर्ज कर छात्र को तलाश किया जा रहा है।

धमकी देने में अज्ञात युवक पर मुकदमा

नैनीताल, अमृत विचार : मल्लीताल निवासी एक युवक ने एक अज्ञात युवक पर फोन पर गाली-गलौज करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मल्लीताल निवासी आदित्य ने शिकायत करते हुए कहा है कि उसको अज्ञात नंबर से बार-बार फोन आ रहा है। फोन पर अज्ञात व्यक्ति गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी दे रहा है। जिससे उसको खतरा महसूस हो रहा है। उसने उक्त व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। कोतवाल हेम चंद्र पंत ने बताया कि शिकायत के आधार पर अज्ञात कर खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विटामिन ए व कैल्शियम की दवाओं का टोटा

नैनीताल, अमृत विचार : बीडी पांडे अस्पताल के प्राथमिक प्रसव केंद्र (पीपीसी) में विटामिन ए और कैल्शियम की दवाओं का लंबे समय से टोटा है। इससे गर्भवतियों और बच्चों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आशा वर्कर्स यूनियन की अध्यक्ष कमला कुंजवाल ने बताया कि बीते छह माह से अस्पताल में कैल्शियम की दवाएं नहीं मिल रही हैं। साथ ही बच्चों को नौ माह की उम्र व उसके बाद प्रत्येक छह माह पर दी जाने वाली विटामिन ए की दवा भी बीते तीन माह से नहीं है। बताया कि हर बुधवार और शनिवार को अस्पताल में करीब 50 से अधिक गर्भवती महिलाएं जांच को आती हैं। दवा न मिलने से उन्हें बाजार से खरीदनी पड़ रही हैं। अस्पताल के पीएमएस डॉ. तरुण कुमार टम्टा ने बताया कि आवश्यक दवाओं की आपूर्ति के लिए पत्राचार किया जा चुका है। जल्द पीपीसी में कैल्शियम समेत अन्य जरूरी दवाएं उपलब्ध करा दी जाएंगी।

सीएम ने मां के नाम पर रोपा पौधा पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

सोमवार को रामपुर रोड स्थित एफटीआई परिसर में पहुंचे मुख्यमंत्री धामी

- सावन मास में एक पेड़ मां के नाम पर लगाने की अपील की

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को रामपुर रोड स्थित एफटीआई परिसर में एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण में जनसहभागिता को बढ़ावा देने का संदेश दिया।

सीएम धामी ने कहा कि हरेला पर्व पर ही 8 लाख से अधिक पौधे रोपे गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत पिछले वर्ष हुई थी।

उत्तराखंड में इस अभियान का विधिवत शुभारंभ हरेला पर्व पर हुआ, जिसमें पहले ही दिन रिकॉर्ड 8,13,000 लोगों ने पौधा रोप कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि देवभूमि में यह अभियान एक माह तक जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से पवित्र सावन मास में एक पेड़ मां के नाम पर लगाने की अपील की।

एफटीआई में सोमवार को पौधरोपण करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

मनसा देवी हादसे पर जताई संवेदना

सीएम धामी ने हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर में भगदड़ से आठ लोगों की मौत पर दुख जताते हुए कहा कि ऐसे प्रमुख धार्मिक स्थल जहां भारी संख्या में श्रद्धालु एकत्र होते हैं, वहां व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जाना चाहिए। इनमें श्रद्धालुओं की कैरिंग कैपेसिटी के अनुसार प्रवेश, स्थान का संभावित विस्तार, पार्किंग एवं ट्रैफिक प्रबंधन, और सुरक्षा मानकों के पालन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मनसा देवी मंदिर सहित प्रदेश के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों पर यह व्यवस्थाएं सख्ती से लागू की जाएंगी।

शहरों में बर्दाश्त नहीं होगा अतिक्रमण

सीएम ने कहा कि शहरों में अतिक्रमण को लेकर प्रशासन सख्ती बरत रहा है। अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अवैध कब्जों को चिह्नित कर तत्काल हटाया जाए। यह कदम न केवल सार्वजनिक परिसंपत्तियों की सुरक्षा को जरूरी है बल्कि विकास प्रोजेक्ट्स में गति बनाने और नागरिकों को सुचारू सुविधाएं देने के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। विधायक बंशीधर भगत, दर्जा मंत्री दिनेश आर्य दीपक मेहरा, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, डॉ. जोगेन्दर पाल, हुकुम सिंह कुंवर, आयुक्त दीपक रावत, आईजी रिद्धिम अग्रवाल, डीएम वंदना सिंह, एफटीआई निदेशक तेजस्विनी पाटिल रहे।

बीडीसी प्रत्याशी से मारपीट में 23 के खिलाफ मुकदमा

नैनीताल : नैनीताल के समीपवर्ती गहलना क्षेत्र पंचायत सीट से सदस्य का चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी से मारपीट के मामले में 23 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। राजस्व पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

गहलना निवासी सुभाष कुमार गहलना मंगोली क्षेत्र पंचायत सदस्य पद का चुनाव लड़ रहे हैं। रविवार रात वह क्षेत्र के ही एक गांव में जनसंपर्क कर लौट रहे थे। इस दौरान कुछ युवकों ने उन पर हमला कर दिया। घटना की सूचना उनके परिजनों व राजस्व पुलिस को दी गई। जिसके बाद उनका बीडी पांडे अस्पताल में भर्ती कर उपचार कराया गया। एसडीएम नवाजिश खालिक ने बताया कि बीडीसी प्रत्याशी के साथ मारपीट मामले में नीरज मेहरा, चंदन सिंह व बीडीसी प्रत्याशी दीपक सिंह के साथ अन्य 20 के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। साथ ही संतोष कुमार पुत्र भुवन चंद्र द्वारा मतदाताओं को प्रलोभन देने के लिए शराब का चोरी छिपे वितरण किया जा रहा था। इस संबंध में उसे गांव से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय ने उसे सशर्त जमानत दी है। जांच टीम में कानूनगो हितराम मंमगाई, पटवारी भुवन चंद्र जोशी, पटवारी फईमउद्दीन व राजेंद्र पडियार शामिल हैं।

राज्य की डेमोग्राफी चेंज नहीं होने देगी सरकार

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- यूसीसी लागू करने पर आयोजित सम्मान समारोह में बोले मुख्यमंत्री
- कहा, यूसीसी ने समाज में भेदभाव खत्म करने का काम किया

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सेवक सदन में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने पर आयोजित सम्मान समारोह में कहा कि, राज्य सरकार किसी भी हालत में राज्य की जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) चेंज नहीं होने देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान उत्तराखंड की जनता का सम्मान है। राज्य की जनता के आशीर्वाद से ही उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता का सपना साकार हो पाया। समान नागरिक संहिता लागू कर राज्य सरकार ने बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि देने का काम किया है। कहा कि यूसीसी लागू होने के बाद अब राज्य में सभी नागरिकों के अधिकार समान हो गए हैं। यूसीसी ने समाज में भेदभाव खत्म करने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समान नागरिक संहिता में महिलाओं के अधिकारों को सुरक्षित किया गया हैं। लिव इन रिलेशनशिप के लिए पंजीकरण अनिवार्य किए जाने से बहन-बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। निश्चित ही समान नागरिक संहिता की ये गंगा उत्तराखंड राज्य से संपूर्ण देश में जाएगी। हमारी विचारधारा सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय एकता जैसे मूल्यों पर आधारित रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में राष्ट्रीय पर्व के तौर पर मनाने का निर्णय लिया गया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बाबा साहेब की स्मृतियों से जुड़े प्रमुख स्थलों को राष्ट्र चेतना के पंच तीर्थ के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। राज्य सरकार ने सख्त दंगारोधी कानून, धर्मांतरण कानून और ऑपरेशन कालनेमि जैसे कई कड़े फैसले लिए हैं। इस अवसर पर पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, साध्वी रेणुका, स्वामी निरंजन चैतन्य महाराज, आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय रुहेला, विधायक सुरेश गड़िया, सफीपुर (उन्नाव, यूपी) के विधायक बंबा लाल दिवाकर आदि मौजूद रहे।

मनसा देवी मंदिर में लगेंगे एआई बेस कैमरे, मार्ग भी बदला गया

- प्रथम तल से हटेंगी दुकानें, श्रद्धालुओं के बैठने की होगी सुविधा
- हरिद्वार के डीएम और एसएसपी ने किया गहन निरीक्षण

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : हरिद्वार स्थित मनसा देवी के साथ ही चंडी देवी मंदिर में श्रद्धालुओं के रुकने की क्षमता का वैज्ञानिक आकलन होगा। मनसा देवी मंदिर में भगदड़ जैसे हालात फिर से न बनें, इसके लिए यहां एआई बेस कैमरे लगेंगे।

मनसा देवी हेतु पैदल यात्रा के लिए सीढ़ियों के स्थान पर दूसरे पैदल मार्ग का उपयोग होगा और सीढ़ी मार्ग को आपात स्थिति के लिए रिजर्व रखा जाएगा। दोनों मंदिरों में श्रद्धालुओं को समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने सोमवार को मनसा देवी मंदिर से हरकी पौड़ी तक मंदिर समिति पदाधिकारियों के साथ पैदल निरीक्षण किया। डीएम ने मनसादेवी मन्दिर समिति को मन्दिर परिसर में संचालित दुकानें तत्काल हटाने के निर्देश दिए। यहां श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु दुकानें बंद कराते हुए बैठने की व्यवस्था होगी और प्राथमिक उपचार सम्बन्धी सुविधाएं विकसित होंगी। डीएम ने निर्देश दिए कि मन्दिर परिसर में उपलब्ध स्थानों के अनुसार ही श्रद्धालुओं के दर्शन कराए जाएं और अनावश्यक भीड़ न लगने दी जाए। श्रद्धालुओं की संख्या सीमित की जाए।

उपचार जारी, मजिस्ट्रेटी जांच शुरू

रविवार सुबह मनसा देवी मंदिर परिसर में भगदड़ मचने से आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी जबकि 30 लोग घायल हो गए थे। इन घायलों की हालत स्थिर बतायी गयी। सभी का उपचार चल रहा है। कुछ लोगों को सोमवार को डिस्चार्ज भी कर दिया गया। वहीं, हरिद्वार के उप जिला मजिस्ट्रेट जितेंद्र कुमार ने दुर्घटना की मजिस्ट्रियल जांच शुरू कर दी है। जो भी इस संबंध में मौखिक या अभिलेखीय साक्ष्य एवं बयान पेश करना चाहता है, वह एक सप्ताह में कलेक्ट्रेट भवन रोशनाबाद, हरिद्वार स्थित उप जिला मजिस्ट्रेट/एसडीएम हरिद्वार के कार्यालय में अपने बयान दर्ज करा सकता है।

रक्षाबंधन पर्व पर वेतन के अग्रिम भुगतान की मांग

हल्द्वानी : अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ शाखा ने सोमवार को महापर्व रक्षाबंधन को लेकर सभी स्थाई व अस्थाई कर्मचारी को अग्रिम भुगतान करने के लिए नगर आयुक्त ऋचा सिंह को ज्ञापन दिया। उन्होंने नगर आयुक्त से वेतन का भुगतान दो या तीन अगस्त तक करने की मांग की। ताकि कर्मचारियों को त्यौहार के मौके पर परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। इस दौरान मधु, शाखा अध्यक्ष महिला मोर्चा, पंकज कुमार शाखा अध्यक्ष, माया मैठाणी जिला महामंत्री महिला मोर्चा, विनय कुमार शाखा कार्यकारी अध्यक्ष, सोनू कुमार शाखा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विक्रम कुमार शाखा कोषाध्यक्ष, पिंटू शाखा वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से सोमवार को बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी एवं वरुण-अर्जुन विश्वविद्यालय शाहजहांपुर के कुलाधिपति और दैनिक अमृत विचार के प्रबंध संपादक डॉ. केशव कुमार अग्रवाल ने मुलाकात की। उप-मुख्यमंत्री के लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर हुई इस मुलाकात के दौरान ब्रजेश पाठक ने प्रसिद्ध सर्जन डॉ. केशव अग्रवाल के उत्तर प्रदेश में चिकित्सा क्षेत्र के विकास में किए जा रहे योगदान की सराहना की। डॉ. केशव ने भी उप मुख्यमंत्री को सेवा भाव से चिकित्सा क्षेत्र में सतत प्रयासरत रहने का भरोसा दिलाया। ● अमृत विचार

प्रवेश शुल्क 31 जुलाई तक करना होगा जमा

हल्द्वानी : कुमाऊं विश्वविद्यालय से संबद्ध डिग्री कॉलेजों में इन दिनों प्रवेश चल रहे हैं। इसके अंतर्गत कुमाऊं के सबसे बड़े कॉलेज एमबीपीजी कॉलेज में 25 जुलाई तक करीब 2.5 हजार प्रवेशार्थियों ने कॉलेज पहुंचकर अपने शैक्षणिक अभिलेख ऑफलाइन सत्यापित कराए थे। अब कॉलेज प्रशासन की ओर से इन अभिलेखों का समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन सत्यापन किया जा चुका है। कॉलेज के सह प्रवेश-प्रभारी डॉ. रोहित कांडपाल ने बताया कि 25 जुलाई तक शैक्षणिक अभिलेख सत्यापित कराने वाले प्रवेशार्थियों को 31 जुलाई तक अपना प्रवेश शुल्क जमा करना होगा। बताया कि शुल्क जमा होने के बाद ही प्रवेश मान्य होगा। उन्होंने सभी प्रवेशार्थियों से निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा करने की अपील की है, ताकि उनका प्रवेश निरस्त न हो।

नैन नाथ रावल के योगदान को किया याद

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: प्रसिद्ध लोक गायक नैन नाथ रावल के सांस्कृतिक योगदान पर केंद्रित आयोजन कुमाउंनी लोक का ध्रुव तारा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शहर में आयोजित कार्यक्रम में बतौर वक्ता डॉ. दिवा भट्ट, डॉ. हयात सिंह रावत, डॉ. एलएम. उप्रेती, नवीन टोलिया, नैन नाथ रावल व लोक गायिका बीना तिवारी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन तनुजा जोशी ने किया गया। जिसका आयोजन क्रिएटिव उत्तराखंड, समय साक्ष्य और चांदनी इंटरप्राइजेज की ओर से किया गया। डॉ. दिवा भट्ट ने कहा कि लोक साहित्य और लोक गीत हमारे समाज की मौखिक लोक परंपराएं हैं। उन्होंने कहा कि गीतों को लिखकर संचित करने की परंपरा तो बहुत नई है लेकिन हमारा लोक और लोक के गीत तो सदियों से विद्यमान हैं।

डॉ. हयात सिंह रावत ने कहा कि कुमाउंनी लोक गीत व संगीत विधाओं पर अधिक शोध किये जाने की आवश्यकता है। डॉ. रावत ने कहा कि नैन नाथ रावल एक विशिष्ट श्रेणी के गायक हैं। डॉ. एलएम उप्रेती ने कहा कि नैन नाथ रावल सही अर्थों में लोक गायक हैं। आपने जागर, बैर, छपेलि, न्यौली जैसी लोक विधाओं को जीवंत बनाया है। उन्होंने सभी लोक विधाओं में गीत गाये हैं। जागरों को गाकर संकलित करने में श्री रावल की बड़ी भूमिका है। इस दौरान जगमोहन रौतेला, जगदीश जोशी, अनिल जोशी, जेसी भट्ट, डीके पन्त, मंजु पांडे, पुष्पलता जोशी, राजेंद्र ढैला, राजेंद्र प्रसाद, संदीप सोनू, इंद्र आर्या, गोविंद दिगारी, राकेश पनेरु आदि उपस्थित रहे।

लोकगायक नैन नाथ रावल को सम्मानित करते डॉ. हयात सिंह रावत व अन्य। ● अमृत विचार

13 अगस्त को निकलेगा चेहल्लुम का मुख्य जुलूस

नैनीताल : मुहर्रम कमेटी की सदर नाजिम बक्श की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें यादें हुसैन (चेहल्लुम) 13 अगस्त को मनाने का निर्णय लिया गया। बताया कि 12 अगस्त को शाम नमाज-ए-मगरिब के बाद जिक्र-ए-हुसैन का आयोजन किया जाएगा। बरेली से हजरत असलम मियां वामिकी आएंगे। नमाज-ए-ईशा के बाद लंगर का आयोजन किया जाएगा। मुख्य जुलूस 13 अगस्त को दोपहर 3 बजे से रॉयल होटल से प्रारंभ होगा, जोकि फतहे निशान, ढोल-ताशों और अखाड़े के साथ नगर भ्रमण करेगा। इसके बाद सूखाताल स्थित कर्बला पहुंचेगा, जहां ताजियों को सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। उपाध्यक्ष तस्लीम बक्श, समीर अहमद मन्नू, महासचिव समीर अली, मो. कासिम, कोषाध्यक्ष मो. अजीम व शान अहमद आदि रहे।

कालनेमि: पुलिस मुख्यालय स्तर पर बनेगी एसआईटी : सीएम धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- मुख्यमंत्री ने कहा-धर्मांतरण कानून को और सख्त बनाने की जरूरत

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में धर्मांतरण कानून को और सख्त बनाते हुए ऑपरेशन कालनेमि की निगरानी के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाने और जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

सोमवार को सचिवालय में उच्चाधिकारियों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य सीमांत प्रदेश होने के साथ ही सनातन की पुण्य भूमि भी है इसलिए यहां डेमोग्राफी में बदलाव की किसी भी कोशिश को सख्ती से रोका जाए। पुलिस किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखे। धर्मांतरण कराने वाले तत्वों के जाल में फंसे लोगों को उचित परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाओं को देखते हुए, धर्मांतरण कानून को और सख्त बनाए जाने की दिशा में तत्काल कदम उठाए जाएं। ऑपरेशन कालनेमि भी ऐसे तत्वों पर लगाम लगाने में सफल रहा है। इस मुहिम को आगे भी चलाए जाने की जरूरत है इसलिए पुलिस मुख्यालय के स्तर पर इसकी निगरानी के लिए विशेष जांच दल का गठन किया जाए। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में इसी माह 10 जुलाई को मुख्यमंत्री ने 'ऑपरेशन कालनेमि' नाम से राज्य पुलिस को धर्म के नाम पर भोले-भाले लोगों और खासकर महिलाओं का शोषण करने वाले ढोंगी बाबाओं के खिलाफ मुहिम छेड़ने के निर्देश दिए थे। ऐसे लोगों को भी चिन्हित करने को कहा था जो भगवा भेष धारण कर सनातन धर्म की आड़ लेकर लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ कर रहे हैं।

ऑपरेशन कालेनिम के तहत इस माह में अभी तक करीब चार हजार ढोंगी बाबाओं के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा चुकी है जबकि भारत में अवैध रूप से अपनी धार्मिक पहचान छिपाकर रह रहे बांग्लादेशी भी राजधानी देहरादून से गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

भू अभिलेख आधुनिकीकरण में केन्द्र से मिलेगा और धन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सीएम धामी को पत्र भेजकर अवगत कराया है कि डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के क्रियान्वयन को केन्द्र सरकार द्वारा उत्तराखंड को और धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।

बता दें कि मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री चौहान को पत्र भेजकर ग्रामीण विकास मंत्रालय की केंद्रीय क्षेत्रीय योजना के तहत राज्य को 478.50 करोड़ की विशेष सहायता राशि प्रदान करने का आग्रह किया था। योजना के तहत राज्य के प्रयासों एवं जरूरतों का उल्लेख करते हुए सीएम ने लिडार जैसे आधुनिक सर्वेक्षण तकनीक से राज्य की सम्पूर्ण भूमि का सर्वेक्षण/पुनःसर्वेक्षण के लिए 350 करोड़ रुपये की मंजूरी दिए जाने और तहसील स्तर पर बनाए जा रहे आधुनिक अभिलेख कक्षों के निर्माण की बकाया धनराशि जारी किए जाने का भी अनुरोध किया था। सीएम ने बताया प्रदेश में सशक्त भू-कानून लागू करने के साथ ही राज्य सरकार द्वारा भू-अभिलेखों का डिजिटाईजेशन के कार्य को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में डिजिटल भारत की परिकल्पना के अनुरूप आधुनिक व पारदर्शी भूमि प्रबंधन प्रणाली विकसित करने की मुहिम में उत्तराखंड प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है।

प्रतिक्रिया | भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने बोला सपा सुप्रीमो और मौलाना पर हमला

डिंपल देवभूमि की बेटी, अपमान असहनीय : भट्ट

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- कहा-अखिलेश को पत्नी के सम्मान से अधिक वोट बैंक प्यारा भाजपा के लिए मातृहित सर्वोपरि

अमृत विचार : भाजपा ने एक मौलाना द्वारा टीवी पर एक महिला सांसद और उत्तराखंड की बेटी के लिए आपत्तिजनक शब्द के इस्तेमाल को समूची मातृ शक्ति का अपमान बताया है।

उत्तराखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा है कि, बेशक मुस्लिम वोटों के लालच में अखिलेश यादव को डिम्पल के लिए इस्तेमाल अपशब्दों से कोई फर्क नहीं पड़ता हो, लेकिन उत्तराखंड की जनता इसे कतई सहन नहीं करेगी। उन्होंने मांग की है कि आरोपी मौलाना तत्काल अपने कृत्य के लिए सार्वजनिक माफी मांगे।

सोमवार को जारी बयान में अध्यक्ष भट्ट ने सोशल मीडिया में वायरल एक न्यूज चैनल डिबेट का हवाला देते यह बात कही, जिसमें ऑल इंडिया इमाम एसोशिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी, संसद परिसर स्थित मस्जिद में बैठक के दौरान सपा सांसद डिंपल यादव की वेशभूषा को लेकर टिप्पणी करते नजर आ रहे हैं। भट्ट ने कहा कि, जिस तरह आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग उनके द्वारा महिला सांसद की ड्रेस को लेकर किया गया, वह बेहद आपत्तिजनक और निंदनीय है। इस तरह की बातें सांसद ही नहीं, आम महिला के लिए भी किया जाना गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है, लेकिन अफसोस मुस्लिम वोटर नाराज न हो जाएं, कोई सपा कार्यकर्ता इसका खुलकर विरोध करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। भट्ट ने आगे कहा कि, सबसे दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण इस पूरे मसले पर सपा सुप्रीमो और उनके पति अखिलेश यादव का चुप्पी साधे रहना है।

हैरानी की बात है कि इसके बाद भी वे कैसे महिला सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे कर देते हैं क्योंकि जो अपने परिवार और राजनैतिक परिवार की मातृ शक्ति के अपमान का विरोध नहीं कर सकते, वे किस मुंह से महिला हितों की बात करेंगे। भट्ट ने इस पूरे घटनाक्रम पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि, चाहे विपक्ष को महिला सम्मान की चिंता न हो, चाहे उनके परिजनों को वोट बैंक अधिक प्यारा हो, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और देवभूमिवासियों के लिए मातृ शक्ति का मान सम्मान सर्वोच्च है। बेशक हमारे वैचारिक मतभेद सपा, अखिलेश और डिंपल से हैं, लेकिन महिला और देवभूमि की बेटी के नाते राज्य का सवा करोड़ जनमानस आरोपी मौलाना को माफ नहीं करने वाला है। उन्हें तत्काल मातृ शक्ति के अपमान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

गोल्डन कार्ड योजना में हीलाहवाली पर आक्रोश

संवाददाता, हल्द्वानी

- उत्तराखंड सेवानिवृत्त कार्मिक समन्वय समिति ने की बैठक

अमृत विचार : उत्तराखंड सेवानिवृत्त कार्मिक समन्वय समिति की ओर से संघ भवन में सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पीसी जोशी की अध्यक्षता और नवीन कांडपाल के संचालन में बैठक हुई।

बैठक में आठवें वेतन आयोग में पेशनर्स को होने वाले नुकसान को लेकर विरोध किए जाने पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने गोल्डन कार्ड योजना को लागू करने में विभिन्न स्तर पर चल रही हीलाहवाली पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए सुधार किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इसे लेकर मुख्य चिकित्साधिकारी को अवगत कराकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की जाएगी। साथ ही प्रदेश स्त्र पर सभी पदाधिकारियों से वार्ता की जाएगी। उल्लेखनीय है कि गोल्डन कार्ड में पैनल में शामिल अस्पतालों में ओपीडी इलाज के लिए शासनादेश में व्यवस्था है कि पर्ची और विभिन्न जांचों के लिए सीजीएचएस की दरें प्रभावी होंगी, लेकिन प्रदेश में किसी भी स्तर पर इसका पालन नहीं किया जा रहा है। जबकि प्रदेश से बाहर के अस्पतालों में यह सेवाएं मिल रही हैं। उपाध्यक्ष वीएस गैड़ा, एलडी पांडे, सचवि वजिय तिवारी, वीर सिंह बिष्ट, पान सिंह मेहरा, जेसी पंतोला रहे।

सिटी ब्रीफ

दो युवकों ने नाबालिग से किया सामूहिक दुष्कर्म

खटीमा: विकासखंड के दूरस्थ गांव की महिला की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही दो युवकों के खिलाफ उसकी नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म करने और उसे गर्भवती बनाने का मामला दर्ज किया है। पुलिस को सौंपी तहरीर में पीड़िता ने कहा है कि उसकी नाबालिग पुत्री को गांव के ही दो युवकों अमित सिंह और शिवा शंकर राणा ने अवैध संबंध बनाए और किसी से न बताने की धमकी दी। यह भी कहा कि उसकी पुत्री के गर्भवती होने की आशंका पर जांच में पता चला कि वह पांच माह की गर्भवती है। पूछताछ में उसकी नाबालिग पुत्री ने सब कुछ बता दिया। जिसके बाद पुलिस को तहरीर सौंपी है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर दोनों युवकों अमित सिंह राणा और शिवा शंकर राणा के खिलाफ 70(2) बीएनएस और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उपचार के दौरान चंदन सिंह रावत का निधन

दिनेशपुर: चंदन सिंह रावत (52) निवासी दुर्गा स्टेट कॉलोनी जयनगर का उपचार के दौरान सोमवार को जिला अस्पताल में निधन हो गया। सूचना पर जयनगर पुलिस चौकी प्रभारी एसआई मनोज कुमार ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। शव का पंचनामाभर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। जयनगर दुर्गा स्टेट कॉलोनी निवासी पंकज सिंह रावत ने बताया कि उनके दादा चंदन सिंह रावत की विगत तीन दिनों से बीमार चल रहे थे। अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल रुद्रपुर में भर्ती करवाया गया। जहां उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। परिजनों के पहुंचने के बाद मंगलवार को उनकी अंत्येष्टि की जाएगी।

तेंदुए की मौजूदगी से दहशत

बाजपुर: नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में तेंदुए की मौजूदगी अभी भी लगातार बनी हुई है जिसकी वजह से नागरिकों में दहशत का माहौल है। क्षेत्र में कहीं न कहीं तेंदुआ रात में रोजाना दस्तक दे रहे हैं। रविवार की देर रात विक्रमपुर में बब्बी फार्म हाउस व हाथीमुंडा क्षेत्र में तेंदुए देखे गए। दोनों घटनाएं सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई हैं।

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
PH. 05946-292618

सूचना
मैं अपने पुत्र विवेक राठौर व पुत्रवधू श्रीमती पूजा के गृह क्लेश और अभद्र आचरण के चलते, उनको अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनके कृत्यों के लिए मैं और मेरा परिवार उत्तरदाई नहीं होंगे। - **जसवंत कुमार, विवेकनगर, वार्ड नं.-9, रुद्रपुर**

भोलेनाथ के जयकारों से गूंजा नगर

सितारगंज में मौनी बाबा मंदिर से मुख्य मार्ग पर महिलाओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा

संवाददाता, सितारगंज

सितारगंज में कलश यात्रा निकालतीं महिलाएं। • अमृत विचार

अमृत विचार: नगर में शिवभक्ति का अद्भुत दृश्य उस समय देखने को मिला जब मौनी बाबा मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालु महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सिर पर कलश धारण किए नगर भ्रमण पर निकलीं। यात्रा मार्ग शिव भक्ति के जयकारों से गुंजायमान होता रहा।

कलश यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पुनः मौनी बाबा मंदिर पहुंची, जहां भक्तों ने विधिवत जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया और नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया। नगरपालिका अध्यक्ष सुखदेव सिंह, सभासद शिवपाल सिंह चौहान, दीपक गुप्ता सहित कई जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया। आयोजकों ने बताया कि यह यात्रा श्रावण मास के विशेष पर्व के अंतर्गत निकाली गई है, जो शिवभक्तों की आस्था और एकता का प्रतीक है। उधर, सावन के तीसरे सोमवार को लेकर मंदिरों में भारी भीड़ रही। लोगों ने शिवलिंग पर जलाभिषेक किया।

काशीपुर के मोटेश्वर महादेव मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक करते श्रद्धालु।

काशीपुर के मंदिरों में लगी रही भारी भीड़

काशीपुर: सावन के तीसरे सोमवार पर शिवालयों में शिव भक्तों की कतारें लग गईं सोमवार सुबह शुरू हुआ पूजा-अर्चना का दौर पूरा दिन चलता रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया तथा दूध, दही, घी, चंदन, धतूरा आदि अर्पित किए। शहर के शिवालय सहित कई मंदिर शिव आराधना और भोलेनाथ के जयकारों से गूंज उठे। काशीपुर में मोटेश्वर महादेव मन्दिर, बांसियोंवाला मंदिर, नागनाथ मंदिर, गंगेबाबा मंदिर सहित नगर के शिवालयों पर भारी भीड़ रही।

चोर ने वृद्ध महिला का गला दबाकर किया मारने का प्रयास

काशीपुर, अमृत विचार: घर में घुसे एक चोर ने एक वृद्ध महिला का गला दबा कर उसे जान से मारने का प्रयास किया। शोर शराबा होने पर एकत्रित हुए लोगों ने चोर को दबोच कर पुलिस के हवाले कर दिए।

कुंडेश्वरी रोड जसपुर खुर्द स्थित एक अपार्टमेंट में विसत मित्तल का परिवार रहता है। रविवार की रात उनके घर में एक चोर चोरी के इरादे से घुस गया। बताया जब चोर घर में घुसा तब उनके पिता विपिन मित्तल, मां, पत्नी व दो बच्चे थे। चोर घर के मुख्य गेट से अंदर घुसा और मां को सामने देखकर उनका गला दबाने का प्रयास करने लगा। शोर शराबा होने पर आसपास रहने वाले बाहर आए तो चोर भागने लगा, तब ऋषभ अग्रवाल ने उसे गेट पर पकड़ लिया। साथ ही 112 नंबर पर सूचना दी। सूचना पर पहुंची आईटीआई थाना पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू कर दी।

उधर अपार्टमेंट के लोगों ने अपार्टमेंट के स्वामी से मुलाकात कर घटनाक्रम से अवगत कराया। बताया कि कॉलोनी के मुख्य गेट पर गार्ड तैनात रहते हैं। तब अंजान व्यक्ति कैसे घुस गया, कहीं न कहीं सुरक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं है।

योग एवं आयुर्वेद के सिद्धांत पुस्तक का विमोचन किया

खटीमा के लोहियाहेड कैंप कार्यालय पर पुस्तक का विमोचन करते मुख्यमंत्री धामी।

संवाददाता, खटीमा

- **जनता की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निस्तारण के दिए निर्देश**
- **लोहियाहेड हेलीपैड पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने किया मुख्यमंत्री धामी का स्वागत**

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के लोहियाहेड हेलीपैड पहुंचने पर बड़ी संख्या में मौजूद जनप्रतिनिधियों और जनता ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री धामी ने लोहियाहेड स्थित कैम्प कार्यालय में पहुंचकर जनता से मुलाकात की व उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री धामी ने कैंप कार्यालय में सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के योग विभागाध्यक्ष डॉ. नवीन भट्ट और विद्या नेगी द्वारा लिखित ₹ योग एवं आयुर्वेद के सिद्धांत ₹ नामक पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर मेयर दीपक बाली, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, नानकमत्ता के पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा, जिलाध्यक्ष कमल जिन्दल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रणजीत सिंह नामधारी, एसपी सिटी डॉ. उत्तम सिंह नेगी, उप जिलाधिकारी तुषार सैनी आदि उपस्थित रहे।

घर में घुसे चोर को ग्रामीणों ने पकड़ा

संवाददाता, शक्तिफार्म

- **कंबल बेचने के बहाने घर की रेकी कर चुका था युवक**
- **दो मोबाइल सिम, दो विदेशी नोट, छपी हुई भगवा टी-शर्ट मिली**

अमृत विचार: सुरेंद्रनगर में सोमवार को दिनदहाड़े संदिग्ध युवक ने एक व्यक्ति के घर का ताला तोड़ डाला। ग्रामीणों के मौके पर पहुंचते ही संदिग्ध युवक भाग निकला जिसे ग्रामीणों ने पीछा कर दबोच लिया। ग्रामीणों ने उसे पुलिस चौकी लाकर पुलिस के हवाले कर दिया। उसके पास मिले बैग की तलाशी लेने पर उसमें दो मोबाइल सिम, दो विदेशी नोट, छपी हुई भगवा टी-शर्ट आदि मिली। संदिग्ध युवक मुस्लिम समुदाय का है। युवक के खिलाफ थाना सितारगंज में तहरीर दी गई है।

सुरेंद्रनगर निवासी दिनेश राय की पत्नी सोमवार को घर में ताला लगाकर गांव के बाबा तारकनाथ धाम मंदिर में हो रहे भंडारे में गई थी। इसी दौरान संदिग्ध युवक ने घर के चैनल में लगे दो तालों में से एक ताला तोड़ दिया। आवाज सुनकर पड़ोसी व गांव के लोग मौके पर पहुंचे तो वह अपनी मोटरसाइकिल, बैग, ताला तोड़ने वाली नुकीली लोहे की मोटी रॉड छोड़कर भाग निकला। जिसे ग्रामीणों ने पीछा कर दबोच लिया। ग्रामीणों ने उसे पुलिस चौकी लाकर मोटरसाइकिल व सभी सामान के साथ पुलिस को सौंप दिया। बैग की तलाशी लेने पर उसमें दो मोबाइल सिम, दो विदेशी नोट, महाकाल व त्रिशूल छपी भगवा रंग का एक टी शर्ट आदि मिले। ग्रामीणों ने बताया पूछताछ करने पर उसने अपने को बरेली में रहने वाला मुस्लिम युवक बताया। चौकी स्टाफ चुनाव ड्यूटी में होने के कारण हेड कांस्टेबल भूपेंद्र प्रसाद ने पकड़े गए संदिग्ध युवक को उसके पास मिले सामान थाना सितारगंज भेज दिया है।

दिनेश राय की पत्नी व उनकी पड़ोसी महिला ने पुलिस चौकी में बताया कि पकड़ा गया संदिग्ध युवक रविवार को उनके घर में कंबल बेचने आया था। अनुमान है कि एक दिन पहले कंबल बेचने के बहाने युवक घर की रेकी कर आया था।

नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित मंडल ने कहा कि क्षेत्रवासी बाहर से सामान बेचने के लिए आने वाले अनजान लोगों से उनके आईडी देखने के बाद ही सामान आदि खरीदें।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: रविवार की देर रात्रि अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक युवक घायल हो गया। आनन-फानन में घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटना की जानकारी ली और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के अनुसार थाना ट्रांजिट कैंप के जगतपुरा निवासी 17 वर्षीय अमन सिंह अपने दोस्त थल पिथौरागढ़ निवासी बॉबी के साथ बाइक से रविवार की शाम को हल्द्वानी गया था। रात्रि सवा 10 बजे दोनों बाइक से रुद्रपुर लौट रहे थे। इस बीच पंतनगर-दिनेशपुर मोड़ फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार दोनों युवक छिटक कर हाईवे पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

बाजपुर के सरकारी अस्पताल में घायल का उपचार करते स्वास्थ्य कर्मी।

घायलों को आनन-फानन में जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने अमन सिंह को मृत घोषित कर दिया और बॉबी की हालत नाजुक बनी हुई है। सूचना मिलने पर सिडकुल चौकी प्रभारी जीडी भट्ट ने घटना की जानकारी ली और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है।

दो ई-रिक्शा टकराए एक चालक घायल

बाजपुर: ई-रिक्शा पीछे से दूसरे ई-रिक्शा में जा टकराया, जिसमें एक ई-रिक्शा चालक घायल हो गया। ग्राम रानी नागल फौजी कालोनी निवासी ई-रिक्शा चालक 30 वर्षीय रवि पुत्र मोर सिंह सिंह सोमवार की दोपहर बाद करीब डेढ़ बजे दो सवारियां लेकर केशोवाला की ओर से बाजपुर की तरफ आ रहा था। बताया जाता है कि इसी बीच रामराज पर ग्राम एनएनटोपा के नजदीक उसके आगे जा रहे ई-रिक्शा चालक ने सड़क किनारे खड़ी सवारियां बैठाने के लिए अचानक ब्रेक लगा दिए जिससे रवि का ई-रिक्शा पीछे से दूसरे ई-रिक्शा में जा टकराया। हादसे में रवि गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दैनिक समाचार पत्र
कम खर्च, ज्यादा मुनाफा
अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
आवश्यकता, सूचना, नाम परिवर्तन, खोया-पाया, संबंध विच्छेद, शिक्षा, मेडिकल, टावर, व्यापार, बिक्री, प्रोपर्टी, लोन, बिकाऊ, ज्योतिष, टूर एण्ड ट्रैवल्स, मशीनरी के क्लासीफाइड बुक कराने हेतु सम्पर्क करें।

साइज व रेट

साइज	4x5 सेमी	600/- रु.
साइज	4x6 सेमी	720/- रु.
साइज	4x7 सेमी	840/- रु.
स्कीम - 2+1, 5+3, 9+6, 15+15		

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन प्रकाशित कराने हेतु सम्पर्क करें :-
हल्द्वानी : 05946-292618, नैनीताल : 7505012034,
अल्मोड़ा : 8126628885, रुद्रपुर : 8476843488,
काशीपुर : 8279474121, रामनगर : 9012387222,
किच्छा : 9837777817, खटीमा : 7500981690
197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड (बालाजी हॉस्पिटल के ठीक सामने)

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित
कुमाऊं संस्करण
स्मृतियाँ शेष
निधन | अंतिम यात्रा | पुण्यतिथि
पीपलपानी | स्मृतियां | उठावनी | पगड़ी
अमृत विचार
साइज व रेट
साइज --------5cmX8cm / 1000 with GST
साइज -------10cmX8cm / 1800 with GST
साइज -------15cmX8cm / 2500 with GST
अन्य साइज कलर 25 रुपए प्रति वर्ग सेमी.।
शोक संदेश प्रकाशित कराने हेतु सम्पर्क करें :-
हल्द्वानी : 05946-292618, नैनीताल : 7505012034
अल्मोड़ा : 8126628885, रुद्रपुर : 8476843488
काशीपुर : 8279474121, खटीमा : 7500981690
197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड (बालाजी हॉस्पिटल के ठीक सामने)

मोहल्ला मझरा-प्रभु में देर रात घर में घुसा व्यक्ति

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: मोहल्ला मझरा-प्रभु में देर रात एक अनजान व्यक्ति घर में घुस गया। आहट हुई तो महिला ने शोर मचा दिया। जिससे आसपास के मोहल्लेवासी भी पहुंच गए और आरोपी को घेरने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी भीड़ को चकमा देकर भागने में सफल रहा। बड़ी संख्या में कोतवाली पहुंचे लोगों ने पुलिस से मौखिक शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

वार्ड-एक मोहल्ला मझरा-प्रभु निवासी एक महिला रविवार की देर रात घर पर अकेली थी तथा अन्य परिजन बाजार गए हुए थे। बताया जाता है कि इसी बीच करीब दस बजे महिला छत के ऊपर बने शौचालय गई तो उसने शौचालय की छत पर किसी अनजान व्यक्ति को देख लिया। इससे उसकी चीख निकल गई। शोर हुआ तो चोरों को लेकर पहले से ही सतर्कता बरत रहे आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए तथा मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। बताया जाता है कि आरोपियों की संख्या तीन थी, जोकि मोहल्लेवासियों के पहुंचने तक वहां से भागने में सफल रहे। घटना से लोगों में दहशत का माहौल पैदा हो गया। डायल 112 पर कॉल करके पुलिस भी बुला ली। मोहल्लेवालों ने रात में ही कोतवाली पहुंचकर मामले की मौखिक शिकायत की है। पीड़िता के अनुसार उसने शोर किया तो आरोपित ने डंडे से वार कर दिया जिससे हाथ में डंडा लगने से वह घायल हो गई है। वहीं पुलिस ने मामले में तहरीर नहीं मिलने की बात कही है।

रात के अंधेरे में प्रेमिका से मिलने जा रहे युवक को चोर समझकर पकड़ा

बाजपुर: एक युवक रात के अंधेरे में प्रेमिका से मिलने उसके घर जा पहुंचा, लेकिन इससे पहले की ग्रामीणों ने चोर समझकर उसे पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस उसने अपने साथ पुलिस चौकी ले गई, जहां पूछताछ के बाद उसे कड़ी हिदायत देकर छोड़ दिया।

पुलिस चौकी बरहैनी क्षेत्रांतर्गत एक गांव में रविवार की देर रात एक युवक पहुंच गया। बताया जाता है कि वह अपनी प्रेमिका से मिलने गया था, लेकिन ग्रामीणों ने उसे चोर समझकर पकड़ लिया। पकड़े जाने के बाद युवक ने ग्रामीणों को बताया कि वह चोर नहीं है और उसने अपना पहचान पत्र आदि दिखाने के साथ ही जानकारी दी कि वह अपनी प्रेमिका से मिलने गांव आया था। वहीं युवक की पहचान पुष्ट होने के बावजूद ग्रामीणों ने सूचना देकर पुलिस बुला दी। जिसके चलते मौके पर पहुंची पुलिस उसे अपने साथ पुलिस चौकी ले गई, जहां उसे पूछताछ करने के बाद कड़ी हिदायत देकर छोड़ दिया है। कोतवाल प्रवीण सिंह कोश्यारी ने बताया कि युवक को ग्रामीणों ने चोर समझकर पकड़ लिया था। फिलहाल उसे कड़ी हिदायत देकर छोड़ दिया है।

भाकपा माले के प्रथम महासचिव को किया याद

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: भाकपा (माले) के पदाधिकारियों ने पार्टी के प्रथम महासचिव चारू मजूमदार की 53वीं बरसी को याद करते हुए उनका शहादत दिवस मनाया। इस दौरान उनके संघर्षों को याद किया गया।

सोमवार को कार्यक्रम के दौरान माले के जिला सचिव ललित मटियाली ने कहा कि चारू मजूमदार ने 70 के दशक में महान किसान विद्रोह का नेतृत्व किया। यह आंदोलन संपूर्ण भूमि सुधार की मांग को लेकर हुआ था। जिसमें गरीब किसान, भूमिहीनों को जमीन दिलाने का संघर्ष चला। उन्होंने 1969 में भाकपा (माले) की स्थापना की और माले के आंदोलन के तहत पूरे देश में लाखों भूमिहीनों को जमीनें वितरित करने का काम किया। उनके संघर्षों का लंबा इतिहास है। उनसे प्रेरणा लेकर आज पार्टी गरीब, पिछड़ों, दलित, अल्पसंख्यक, मजदूर, किसान, महिलाओं के हक में लड़ाई लड़ रही है।

माले के प्रथम महासचिव चारू मजूमदार को श्रद्धांजलि देते पदाधिकारी।

इस दौरान केंद्रीय कमेटी के संकल्प का पाठ किया गया। जिसमें बताया गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर चुनाव आयोग गरीबों से मताधिकार छीन लेना चाहती है। यह वोटबंदी की प्रक्रिया अभी बिहार में लागू हुई है और इसके बाद केंद्र की भाजपा सरकार के इशारे पर चुनाव आयोग पूरे देश में लागू करेगा। इस अवसर पर ललित मटियाली, अनिता अन्ना, अखिलेश सिंह, उत्तम दास, रंजन विश्वास, विजय शर्मा, नवजोत सिंह, जगजीत कौर आदि शामिल थे।

कोर्ट परिसर में रंगोली बनाकर किया पौधरोपण

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव के आदेशानुसार उत्तराखंड के लोक पर्व हरेला के उपलक्ष्य में 31 तक चलाए जा रहे विशेष पौधरोपण अभियान के तहत विधिक शिविर आयोजित किया गया।

अपर जिला जज मंजू नाथ मुंडे ने पर्यावरण की सुरक्षा में पेड़ों के योगदान और पेड़ों को काटने से हमारे जीवन में होने वाले प्रभाव के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। कार्यक्रम में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट त्रिचा रावत, न्यायिक मजिस्ट्रेट भारती मिगलानी, अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट अमित भट्ट के नेतृत्व में पौधारोपण किया। कोर्ट परिसर में स्वच्छ और सुंदर तरीके से रंगोली सजावट तैयार की गई, फिर उसमें फलदार वृक्ष आम, लीची, कटहल, नींबू और जामुन के पौधे लगाए गए। इधर उप जिला चिकित्सालय में विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर डॉ. वीपी सिंह, डॉ. अब्बास ने जानकारी दी कि काला पीलिया से संबंधित दवाएं नागरिक चिकित्सालय में उपलब्ध हैं। इस अवसर पर पैनल अधिवक्ता इलियास सिद्दीकी, एमसी भट्ट, विमलेश शर्मा, चंचल सिंह, शहाना बेगम, ममता शर्मा, स्नेह प्रभा, कमान सिंह धामी, आरती राणा, अब्दुल माजिद, आरबी सिंह राणा, विमल कुमार, भगवती देवी, मंजू बिष्ट, उग्गो देवी, पिंकी राणा, माया देवी, मीरा देवी मौजूद रहे।

खटीमा के कोर्ट परिसर में बनी रंगोली में पौधारोपण करते न्यायिक मजिस्ट्रेट। • अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

पंचायत चुनाव के दिन महिला से मारपीट

सितारगंज : ग्राम अरविन्दनगर रतनफार्म नंबर 2 निवासी रीना हालदार ने पुलिस चौकी शक्तिफार्म में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि 24 जुलाई को पंचायत चुनाव में मतदान के दौरान उनके साथ पहले मतदान केंद्र पर गाली-गलौज की गई और शाम को मालती आचार्या अपने पति अनूप आचार्या व अन्य के साथ घर पर आकर गाली गलौज करते हुए मारपीट पर उतारू हो गई। रीना का आरोप है कि अनूप आचार्या ने बाल पकड़कर जमीन में पटका और सड़क तक घसीटा, वहीं उसका पुत्र समीर बीच बचाव करने आया तो उसे भी पीटा गया। इसी दौरान अनूप का भाई गौतम आचार्या भी आ गया और पूरे परिवार को गोली से उड़ाने की धमकी देने लगा। शोर सुनकर ग्रामीणों ने बीच-बचाव किया। पीड़िता का कहना है कि पुलिस ने पहले तो कार्रवाई का भरोसा देकर वापस भेज दिया, लेकिन बाद में जानकारी मिली कि विपक्षियों की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है, जबकि उसकी तहरीर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता ने आरोपियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

पारिवारिक बात को लेकर मारपीट, महिला घायल

बाजपुर : आपसी पारिवारिक बात को लेकर मारपीट हो गई जिसमें एक महिला घायल हो गई, जिसे पुलिस के माध्यम से उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है। ग्राम कनौरी में एक महिला का अपनी ननदों आदि से आपसी परिवारिक विवाद चल रहा है। इसको लेकर पिछले करीब पांच दिन से उनमें रंजिश चली आ रही है। बताया जाता है कि रविवार की देर रात उनमें एक बार फिर से कहासुनी हो गई और बात बढ़ी तो जमकर मारपीट हुई। घटना में 32 वर्षीय सायरा पत्नी अकील घायल हो गई, जिसे पुलिस के माध्यम से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

घर की तरफ खिड़की खोलने को लेकर पड़ोसियों में विवाद

बाजपुर : घर की तरफ खिड़की खोलने को लेकर पड़ोसियों में विवाद हो गया। मामले को लेकर कोतवाली पहुंचे एक पक्ष ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम चकरपुर निवासी सुनीता वाल्मीकि पत्नी सर्वेश ने पुलिस को बताया कि उनके पड़ोस में रहने वाला व्यक्ति अपने मकान में उनके घर की तरफ को खिड़कियां निकाल रहा है। घर में जवान बेटियां भी रहती हैं, जिससे घर की निजता भंग होने का खतरा बना हुआ है। इन लोगों से खिड़की निकालने से मना करने पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय में पहचान पत्र दिखाती महिलाएं। ● अमृत विचार

दानपुर में मतदान के लिए कतार में खड़े मतदाता। ● अमृत विचार

रुद्रपुर, काशीपुर, जसपुर में हुआ 84 फीसदी से अधिक मतदान

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव : तीन विकासखंडों के 220 केंद्रों में मतदाताओं ने किया मतदान, सबसे अधिक जसपुर तो सबसे कम काशीपुर में हुआ मतदान

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: ऊधमसिंह नगर जनपद में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में –प्रतिशत वोटिंग हुई। मतदान की प्रक्रिया सुबह 8 बजे से देर सायं तक चली। दूसरे चरण में तीन ब्लॉकों में 84 प्रतिशत से अधिक लोगों ने गांव की सरकार चुनने के लिए मताधिकार का प्रयोग किया। इससे दौरान सबसे अधिक 84.76 प्रतिशत मतदान जसपुर और सबसे कम कम 83.90 प्रतिशत मतदान काशीपुर में हुआ।

सोमवार को दूसरे चरण में रुद्रपुर, जसपुर और काशीपुर विकासखंडों के 220 मतदान केंद्रों के 503 मतदेय स्थलों पर सुबह आठ बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू हो गयी थी। इससे पूर्व सुबह सात बजे से ही अभिकर्ता बनाने की प्रक्रिया भी शुरू हो गयी थी। ठीक आठ बजे तीनों ब्लॉकों में मतदान शुरू हो गया था। मतदान को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला।

इस दौरान सुबह आठ बजे से 10 बजे तक रुद्रपुर, जसपुर और काशीपुर विकासखंडों में 19.15 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद मतदान की रफ्तार में तेजी आयी और दोपहर 12 बजे तक 42 प्रतिशत मतदान हो गया। दोपहर बाद मतदान प्रतिशत में और तेजी देखने को मिली और 2 बजे तक 61.97 प्रतिशत तक मतदान हुआ। जबकि 4 बजे तक 76.69 प्रतिशत मतदान हुआ। जबकि 5 बजे तक रुद्रपुर में 84.02, जसपुर में 84.76 प्रतिशत और काशीपुर में 83.91 प्रतिशत मतदान हुआ।

शिमला पिस्तौर में बच्चों को गोद में लेकर मतदान के लिए लाइन में खड़ी महिलाएं।

राप्रावि रामनगर में 85 वर्षीय सरस्वती देवी हाथ में छड़ी लेकर पोती के साथ मतदान करने पहुंचीं। ● अमृत विचार

80 वर्षीय महिला कांता देवी को हाथ पकड़कर मतदान के लिए लाते परिजन।

किस विकासखंड में कितना हुआ मतदान

विकासखंड	महिला	पुरुष	कुल मतदाता	वोट पड़े
रुद्रपुर	44568	47069	91637	78321
काशीपुर	34017	35907	69924	29690
जसपुर	45756	49486	95241	80798
कुल	124341	132462	256802	1888809

खानपुर में हुआ पुनर्मतदान

रुद्रपुर : मतदान केंद्र 84 राजकीय प्राथमिक विद्यालय खानपुर कक्षा संख्या 2 में जिला पंचायत सदस्य के लिए पुर्नमतदान हुआ। इस दौरान सुबह आठ बजे से 10 बजे तक 23 .9 प्रतिशत मतदान हुआ। जबकि दोपहर 12 बजे तक मतदान का प्रतिशत बढ़कर 26 फीसदी हो गया। दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक मतदान में थोड़ी कमी आयी और 28 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं 2 बजे बाद मतदान में तेजी आयी और 4 बजे तक 91 प्रतिशत तक मतदान हुआ। 5 बजे तक 92 प्रतिशत मतदान हुआ।

आखिरी मतदान प्रक्रिया में कड़ी रही सुरक्षा व्यवस्था

रुद्रपुर : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण की आखिरी मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्वक कराने के लिए पुलिस प्रशासन से पहले से तैयारी कर ली थी। यही कारण था कि जिले में 504 बूथों को अति संवेदनशील एवं संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया था। प्रत्येक बूथ की गंभीरता को देखते हुए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। सोमवार को एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि दूसरे चरण के आखिरी मतदान प्रक्रिया को लेकर जिले के 504 बूथ बनाए गए थे। सभी बूथों को 12 जोन और 34 सेक्टर में बांट दिया गया था। इसके अलावा 95 ऐसे बूथ थे। जिनको अति संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया था, जबकि 76 संवेदनशीलता की श्रेणी में रखा गया। कैटेगरी के अनुसार ही पुलिस बल की तैनाती की गई थी। आखिरी मतदान प्रक्रिया की सुरक्षा के लिए आठ राजपत्रित अधिकारी, 25 इंस्पेक्टर, 152 दरोगा, 163 मुख्य आरक्षी, 544 पुरुष व महिला सिपाही, 54 फायर कर्मी, 40 वनकर्मी, 410 होमगार्ड, 543 पीआरडी, 25 आबकारी कर्मी, 96 ग्राम प्रहरी, चार कंपनी पीएसी व आईआरबी तैनात की गई थी।

कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में ब्लॉक रुद्रपुर, काशीपुर, जसपुर के सफल मतदान प्रक्रिया के लिए जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया गया है। इसका जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने निरीक्षण किया।

सोमवार को निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कंट्रोल रूम में प्राप्त सात शिकायतों के निराकरण संबंधी जानकारी ली। साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग देहरादून को प्रत्येक दो-दो घंटे में भेजे जाने वाली सूचनाओं का अवलोकन किया। कंट्रोल रूम द्वारा इस बार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दृष्टिगत मतदान प्रतिशत की जानकारी साझा करने के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाई गयी। जिसमें प्रत्येक पोलिंग बूथवार मतदान प्रारंभ होने की सूचना से प्रत्येक दो घंटे में होने वाले कुल मतदान की सूचना अंकित की गयी। साथ ही ग्राफिकल प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मतदान प्रतिशत को भी ऑनलाइन प्रक्रिया में प्रदर्शित किया गया। इस प्रक्रिया में 24 जुलाई को प्रथम चरण में 922 मतदान पार्टियों और द्वितीय चरण 28 जुलाई को 505 मतदान पार्टियों की सूचना तैयार की गयी। साथ ही सभी ब्लॉक की पोलिंग बूथवार जीआईएस मैपिंग भी तैयार की गयी। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में पहली बार मतदान आकड़ों के प्रदर्शन के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया को अपनाया गया है। उन्होंने बताया कि इस नई प्रणाली के माध्यम से चुनावी आंकड़ों का त्वरित संकलन, विश्लेषण एवं प्रदर्शनी संभव हो पाई है।

उन्होंने इस प्रक्रिया को संचालित करने वाले सभी तकनीकी एवं प्रशासनिक टीम की सराहना की। साथ ही कहा कि इस प्रकार की डिजिटल पहल सुशासन की ओर एक सार्थक कदम है। साथ ही जिलाधिकारी ने राज्य निर्वाचन आयोग को भी इस अभिनव पहल की जानकारी प्रेषित करने के निर्देश दिये हैं। ताकि इस ऑनलाइन प्रक्रिया को प्रदेश स्तर पर भी अपनाया जा सके। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी मुकुल चौधरी, अर्थ एवं संख्याधिकारी नफील जमील, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी उमाशंकर नेगी, सहायक अध्यापक शिमला पिस्तौर जीएम अफगानी समेत जिला निर्वाचन कंट्रोल रूम की टीम मौजूद रही।

कंट्रोल रूम में निरीक्षण के दौरान जानकारी लेते डीएम-एसएसपी। ● अमृत विचार

दूसरे चरण के मतदान को लेकर अलर्ट रहे डीएम-एसएसपी

रुद्रपुर : त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन के दूसरे चरण की मतदान प्रक्रिया को लेकर जिलाधिकारी नितिन भदौरिया व एसएसपी मणिकांत मिश्रा काफी अलर्ट दिखे। उन्होंने तीन विकासखंड के बूथों पर जाकर निरीक्षण किया। मतदान प्रक्रिया को लेकर वे मतदाताओं से बातचीत भी करते दिखे। उन्होंने अधीनस्थों को सजग रहकर अपना दायित्व निभाने का आदेश भी दिया। सोमवार की सुबह 7 बजे जैसे ही दूसरे चरण की मतदान प्रक्रिया प्रारंभ हुई। डीएम और एसएसपी भी अपने कार्यालय से रवाना हुए और सबसे पहले राजकीय प्राथमिक विद्यालय शिमला पिस्तौर के चार बूथ, राजकीय प्राथमिक विद्यालय किरतपुर के तीन बूथों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने पीठासीन एवं मतदान अधिकारियों को सावधानीपूर्वक कार्य करने का आदेश दिया और कहा कि मतदान प्रक्रिया में बाधा आने पर तत्काल सेक्टर मजिस्ट्रेट से संपर्क करें। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं से भी भयमुक्त होकर मतदान करने का आह्वान किया और आदेशित किया कि कोई भी मतदाता बिना मतदान के वापस नहीं जाए। इसके लिए सुरक्षा कर्मी एवं मतदान कर्मी अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

किच्छा में मतदाताओं में नजर आया उत्साह

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण के लिए सोमवार को शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न हो गया। कई पोलिंग बूथों पर 5 बजे के बाद तक मतदाताओं की कतार होने के चलते करीब 6 बजे तक वोटिंग चलती रही।

ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सरकार चुनने के लिए मतदाताओं में खासा उत्साह नजर आया। लोकतंत्र के पर्व को शांतिपूर्ण निपटाने के लिए प्रशासन भी पूरी तरह से मुस्तैद दिखाई दिया। अति संवेदनशील क्षेत्रों में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी नितिन भदोरिया तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के दिशा निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। जिलाधिकारी भदोरिया एवं एसएसपी मिश्रा ने किच्छा विधानसभा अंतर्गत ग्राम शिमला, लालपुर सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। रुद्रपुर ब्लाक खंड के किच्छा एवं पुलभट्टा थाना अंतर्गत क्षेत्र में सुबह 8 बजे मतदान प्रक्रिया संपन्न शुरू होने के पश्चात 10 बजे तक करीब 18 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मत का उपयोग किया। दोपहर 12 बजे तक मतदान का आंकड़ा बढ़कर करीब 41 प्रतिशत, दोपहर 2 बजे तक करीब 61 प्रतिशत तथा 4 बजे तक करीब 75 प्रतिशत मतदाताओं ने चुनाव में हिस्सा लिया।

ग्राम छिनकी में व्हील चेयर पर मतदान करने पहुंचा बुजुर्ग मतदाता।

काशीपुर में 359 प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटियों में हुआ बंद

- शांतिपूर्ण ढंग से हुआ 83.91 प्रतिशत मतदान

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में ब्लॉक में हुए मतदान में प्रधान, बीडीसी व जिला पंचायत सदस्य के 359 प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटियों में बंद हो गया। काशीपुर ब्लॉक के 141 बूथों पर छुटपुट घटनाओं के बीच मतदान शांतिपूर्ण सम्पन्न हो गया। समय समाप्ति के बाद भी कई मतदान केंद्रों में देर शाम तक मतदान होता रहा। ब्लॉक में 83.91 प्रतिशत मतदान हुआ।

सोमवार को सुबह आठ बजे मतदान शुरू हुआ। लोग सुबह-सुबह मतदान के लिए बूथों पर पहुंचे। दोपहर में उमस भरी गर्मी के बीच बूथों में लंबी कतारें लगी रही। काशीपुर ब्लॉक में 33895 महिला, 36249 पुरुष अन्य एक समेत कुल 70145 मतदाता हैं। ब्लॉक में कुल 34 ग्राम सभाएं हैं। दो ग्राम सभाओं में निर्विरोध प्रधान चुने जाने के बाद 32 सीटों के लिए मतदान हुआ। इसमें 196 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। जबकि 33 बीडीसी सदस्यों के लिए चुनाव में दो सीट पर प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हो गये हैं। 31 सीटों के लिए 139 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। वहीं तीन जिला पंचायत सीटों के लिये 24 प्रत्याशी मैदान में थे। मतदान समाप्त होने तक ब्लॉक क्षेत्र में 83.91 प्रतिशत मतदान हुआ।

काशीपुर में मतदान करने के दौरान वोटर आईडी दिखाती महिलाएं। ● अमृत विचार

महिलाओं में पुरुषों की अपेक्षा अधिक दिखा उत्साह

काशीपुर : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं में मतदान को लेकर उत्साह दिखा। जहां सुबह दो घंटे महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों से अधिक मतदान किया, वहीं 10 बजे के बाद महिलाओं की पुरुषों की अपेक्षा अधिक भागीदारी दिखी। ब्लॉक क्षेत्र में 33895 महिला, 36249 पुरुष व अन्य एक समेत कुल 70145 मतदाता थे। सुबह 10 बजे तक 6295 महिला व 6811 पुरुष समेत कुल 13106 मतदाताओं ने यानि 18 .68 प्रतिशत ने मतदान किया। इसके बाद महिलाओं का प्रतिशत बढ़ता गया। दोपहर 12 बजे तक 14965 महिला व 14276 पुरुषों ने मतदान किया और मतदान प्रतिशत 41 .69 प्रतिशत रहा। इसके बाद भी महिलाओं का उत्साह कम नहीं रहा। दोपहर दो बजे तक 21888 महिला व 20840 पुरुष यानि 42728 मतदाताओं ने मतदान किया और मतदान प्रतिशत 60 .91 प्रतिशत पहुंच गया। वहीं चार बजे तक 26712 महिला और 26279 पुरुष कुल 52991 वोटरों ने अपने मत का प्रयोग किया और मतदान प्रतिशत 75 .54 प्रतिशत पहुंच गया। जबकि चार बजे बाद मतदान समाप्ति तक 29167 महिला व 29690 पुरुष मतदाताओं समेत 58857 मतदाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। काशीपुर में मतदान का प्रतिशत 83 .91 प्रतिशत रहा।

कसी कमर 30 टेबलों पर नौ राउंड में होगी मतगणना, प्रधान, बीडीसी और जिपंस की मतगणना साथ-साथ

पंचायत चुनाव के मतगणना की तैयारियां जोरों पर

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मतगणना की तैयारियां जोरों पर हैं। मतगणना के लिए 30 टेबिल लगाई जा रही हैं जिन पर नौ राउंड में मतगणना पूरी कराई जाएगी। प्रत्येक टेबल पर वार्ड मेंबर, ग्राम प्रधान, बीडीसी और जिला पंचायत सदस्यों की मतपेटियां साथ-साथ खोली जाएंगी। मतगणना कराने के लिए 150 कर्मचारियों की तैनाती के साथ ही मतगणना में किसी प्रकार का व्यवधान न हो इसके लिए रिजर्व में अतिरिक्त कर्मचारी तैनात रहेंगे।

कृषि उत्पादन मंडी समिति में 31 को त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव के बाद होने वाली मतगणना का कार्य प्रातः आठ बजे से शुरू होगा। जिसके लिए बैरिकेडिंग का कार्य चल रहा है। चुनाव अधिकारी आनंद सिंह नेगी ने बताया कि मतगणना के लिए 30 टेबिल लगाई जा रही हैं। जिसपर नौ राउंड में मतगणना का कार्य पूरा होगा। मतगणना देर रात्रि तक चल सकती है इसकी भी व्यवस्था की गई है। खंड विकास अधिकारी धर्मेंद्र सिंह कन्याल ने बताया कि प्रत्येक टेबिल पर एक मतगणना पर्यवेक्षक सहित पांच कर्मचारी तैनात किए गए हैं जो 150 कर्मचारी हैं। उन्होंने किसी आवश्यकता को देखते हुए रिजर्व में कर्मचारी रखे गए हैं ताकि मतगणना में कोई व्यवधान न हो।

बीडीओ कन्याल ने बताया कि मतगणना का कार्य 30 टेबलों पर शुरू होगा और प्रत्येक टेबल पर वार्ड मेंबर व ग्राम प्रधान की मतपेटी और बीडीसी व जिला पंचायत की मतपेटी खोली जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्राम सदस्य और ग्राम प्रधान के साथ ही बीडीसी के परिणाम पहले राउंड से आने लगेंगे। यह भी कहा कि एक जिला पंचायत की मतगणना पूरी होने में दो राउंड का समय लगेगा।

खटीमा की मंडी समिति में मतगणना के लिए लगाई जा रहीं टेबलें। ● अमृत विचार

मतदान को लेकर युवा मतदाताओं में दिखा उत्साह

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जहां बड़े-बुजुर्गों में मतदान के प्रति काफी सजगता देखने को मिली, वहीं पहली बार मतदान करने वाले युवा वोटर में काफी उत्साह देखने को मिला। पहली बार मताधिकार का प्रयोग करने के बाद युवा मतदाताओं का मानना था कि नेता वही होना चाहिए जो जन भावनाओं को समझे और जनता की समस्याओं का निदान करे।

यहां बता दें कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का पहला चरण हो या फिर दूसरे चरण का मतदान। मतदान के दौरान जहां सुबह से ही बुजुर्ग मतदाता हो या फिर दिव्यांग मतदाता। हर मतदाता को अपने मताधिकार के प्रति काफी सजगता दिखी। इसके अलावा जब लाइन में खड़े युवा मतदाता को देखा तो युवा वोटर में काफी उत्साह दिखा। पूछने पर हर युवा मतदाता ने अपने विचार साझा किए और प्रत्येक व्यक्ति को मताधिकार का प्रयोग करने का संदेश भी दिया। साथ ही हमारा नेता कैसा हो इस पर भी अपनी राय दी।

"वर्तमान स्थिति में शिक्षित हो या फिर निरक्षर मतदाता हो। हर युवा का एक ही सपना है कि बेहतर रोजगार मिले। ऐसे में जनप्रतिनि हो या फिर गांव का निर्वाचित नेता। हमेशा जनता की भावनाओं को समझने वाला हो और सबसे पहले गांव की मूलभूत समस्याओं का निदान करते हुए ग्रामीण आंचल में रोजगार स्थापित करें। ताकि युवाओं को बेरोजगारी का दंश नहीं झेलना पड़े।

-बबिता बोरा, युवा वोटर

"चुनाव छोटा हो या बड़ा। भारत का महापर्व माना जाता है। कारण भारतीय संविधान सर्वोच्च है और चुनाव प्रक्रिया सबसे श्रेष्ठ। पांच साल जनता को नेता चुनने का मौका दिया जाता है और फिर पांच साल बाद उतारने का मौका भी देता है। ऐसे में निर्वाचित नेता को यह समझना चाहिए कि युवा मतदाता क्या चाहता है और युवा मतदाता के अलावा गांव का विकास कैसा होगा। इन सभी बिंदुओं पर कार्य करना वाला हो। तभी पंचायत चुनाव कराना सार्थक होगा।

-गगनदीप सिंह, युवा वोटर

"पहली बार वोट डालने के बाद काफी हर्ष हो रहा है। कारण जब किसी युवा को मताधिकार का अधिकार मिलता है और युवा इसी उम्मीद के साथ वोट डालता है कि हमारा नेता हमारे गांव या शहर का विकास करेगा। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। इलाके में रोजगार स्थापित करेगा। यह सभी जिज्ञासा होती है और निर्वाचित जन नेता को भी यह सोचना चाहिए कि वह जनभावनाओं का कैसे सम्मान करें और युवाओं को रोजगार कैसे प्रदान करें। **-साहिबा**, युवा वोटर

सिटी ब्रीफ

रामलीला मैदान में श्री राम कथा गंगा प्रवाह आज से

काशीपुर : श्री रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित नव दिवसीय श्रीराम कथा गंगा प्रवाह 29 जुलाई मंगलवार से रामनगर रोड स्थित श्री रामलीला मैदान के हॉल में प्रारंभ होने जा रहा है। पिछले कई वर्षों की भांति इस वर्ष भी सभी राम भक्तों को कथा व्यास श्री राम कथा मर्मज्ञ पूज्य स्वामी पं. बृजेश पाठक महाराज के श्रीमुख से श्री राम चरित्र मानस व अन्य कई महान ग्रंथों में वर्णित भगवान श्रीराम की विभिन्न लीलाओं का वर्णन सुनने को मिल सकेगा। श्री रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सुशील कुमार अग्रवाल ने बताया कि उपरोक्त नव दिवसीय कार्यक्रम मंगलवार से शुरू होकर बुधवार 6 अगस्त तक चलेगा। कथा का समय रात्रि 8 से 9:30 बजे तक निर्धारित किया गया है।

रिक्शा चालक के पुत्र ने योग में पास की नेट परीक्षा

खटीमा : विकासखंड के गांव सरपूड़ा बग्गा के वेदनपाल ने योग में यूजीसी नेट परीक्षा पास कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के योग विभागाध्यक्ष डॉ. नवीन भट्ट के निर्देशन में योग में यूजीसी नेट परीक्षा पास करने वाले वेदनपाल के पिता स्वामी नाथ खटीमा में रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। वहीं माता रमा सखी गृहणी हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद वेदनपाल ने अथक परिश्रम और गुरु के आशीर्वाद से यह सफलता अर्जित की। डॉ. नवीन भट्ट ने कहा कि योग विज्ञान विभाग के लिए यह गर्व का क्षण है।

मतदान केंद्रों पर उपलब्ध नहीं मिली व्हील चेयर

दिव्यांग, बुजुर्ग और मरीज रहे मतदान करने के लिये परेशान, कुर्सी के सहारे उठाकर बूथ तक पहुंचाया

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में ग्रामीण इलाकों के मतदान केंद्रों में दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था नहीं थी। इससे उन्हें परेशानी उठानी पड़ी। गिन्नीखेड़ा मतदान केंद्र पर 75 वर्षीय राज कौर को उनके परिजन कुर्सी के सहारे उठाकर मतदान केंद्र तक ले गए और उनका वोट डलवाया। इसी प्रकार कई अन्य केंद्रों पर भी दिव्यांग किसी साथी के सहारे वोट डालने पहुंचे थे। वहीं छोटी बरखेड़ी में मतदान केंद्र में दिव्यांग बलिवंदर कौर (34) को उसका रिश्तेदार बाइक से लेकर पहुंचा। जहां व्हील चेयर नहीं होने पर बाइक सवार सीधे मतदान केंद्र पर लेकर उसे पहुंचा। जहां दिव्यांग ने मतदान किया।

काशीपुर में ग्रामीण क्षेत्रों के मतदान केंद्रों में सुबह आठ बजे से मतदान शुरू हो गया था। यहां कई केंद्रों में दिव्यांगों, मरीजों और बुजुर्गों के मतदान के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था नहीं दिखाई दी। इससे मतदान करने आने वाले दिव्यांगों और बुजुर्गों को परेशानी का सामना करना पड़ा। व्हील चेयर की व्यवस्था नहीं होने के संबंध में रिटर्निंग ऑफिसर एके जॉन ने बताया कि सभी केंद्रों पर व्हील चेयर पहुंचाई गई है। हालांकि मौके पर स्थिति इसके परे ही नजर आई। अधिकतर केंद्र पर व्हील चेयर नजर नहीं आई।

वोट खरीदने का आरोप लगा काटा हंगामा: ग्राम पंचायत मिस्सरवाला में मतदान केंद्र के बाहर एक बीडीसी सदस्य ने दूसरे प्रत्याशी पर वोट खरीदने का आरोप लगाते हुए समर्थकों के साथ हंगामा काटा। आरोप लगाया कि रात में वोटरों को पैसे बांटे गये। वहीं एक ग्राम प्रधान प्रत्याशी पर भी रात में पैसे बांटने का आरोप लगाया। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह ग्रामीणों को समझाकर शांत किया। वहीं केंद्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। दिन भर मतदान केंद्र के बाहर चुनावी माहौल गर्म रहा।

काशीपुर में कुर्सी पर बैठाकर बुजुर्ग महिला को मतदान कराने ले जाते परिजन।

काशीपुर में मतदान के दौरान वोट डालने के लिये कतार में लगे मतदाता।

पर्ची होने के बाद भी दिव्यांग को करना पड़ा आधा घंटे इंतजार

काशीपुर : छोटी बरखेड़ी में मतदान केंद्र में गांव निवासी धर्म सिंह वोट डालने पहुंचे। लेकिन वह आधार कार्ड घर ही भूल गए। हालांकि उनके पास वोट पर्ची थी। उन्हें वोट नहीं डालने दिया गया। वह काफी देर तक मतदान केंद्र परिसर में बैठे रहे। इस दौरान कुछ मीडिया कर्मियों के पहुंचने वहां मौजूद प्रत्याशियों के एजेंटों ने उन्हें पर्ची के आधार पर वोट डालने की अनुमति दे दी।

जमकर चला पूड़ी सब्जी का दौर

मतदान शुरू होने के बाद मतदाताओं को रिझाने के लिए विभिन्न पार्टियों की ओर से नाश्ते और पूड़ी सब्जी का दौर कई जगहों पर देखने को मिला। केंद्र के नजदीक बकायदा हलवाई लगाए गए थे। इससे दोपहर तक खाने पीने की व्यवस्था होती रही। केंद्र परिसर में प्रत्याशियों के करीबी लोगों को ठंडा पानी कोल्ड ड्रिंक भी बांट रहे थे।

गांव के विकास को पहली बार किया मतदान

काशीपुर : मतदान को लेकर युवा मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया। ग्राम कुंडेश्वरी के किसान इंटर कॉलेज में रिया कुमारी ने पहली बार वोट डाला। उन्होंने कहा कि चाहे कोई भी प्रत्याशी जीते उसे गांव के विकास की सोच रखनी होगी। तभी गांव का विकास होगा। उन्होंने इसी विकास की सोच को लेकर मतदान किया है। वहीं ग्राम छोटी बरखेड़ी में अमृत कौर ने भी पहली बार मतदान किया। उन्होंने कहा कि गांव में रोड, महिला सुरक्षा, पब्लिक शौचालय, अच्छी शिक्षा को लेकर काम होना चाहिए। उन्होंने गांव का विकास हो इसे लेकर मतदान किया है।

रिक्शे और ऑटो सबकी हुई अच्छी कमाई

काशीपुर : दिनभर चले मतदान में विभिन्न पार्टियों की ओर से रिक्शे और ऑटो वालों को पहले से ही बुक करा लिया गया था। इससे शहरी इलाकों में रिक्शे और ऑटो वालों की संख्या कम नजर आई। ऑटो और रिक्शे से मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने- छोड़ने का सिलसिला दिनभर चलता रहा।

तस्वीर खिंचवाकर वोट की अपील करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

शांतिपुरी में बूथ के बाहर लगी रहीं लंबी कतारें

शांतिपुरी : त्रिस्तरीय पंचायत के दूसरे चरण में भी गांव की सरकार बनाने के लिए लोगों का उत्साह देखने लायक था। सुबह से ही विभिन्न ग्राम सभाओं में अपने मतों का प्रयोग करने के लिए बूथ के बाहर लोगों की लाइन लगी रही। किच्छा तहसील क्षेत्र स्थित शांतिपुरी में चार ग्रामसभा जवाहरनगर, शांतिपुरी नंबर 1, शांतिपुरी नंबर 2 और शांतिपुरी नंबर 3/4 में मतदाताओं की लंबी कतार देखने को मिली। गांव की सरकार के गठन के लिए जहां युवाओं में जोश दिखाई दिया वहीं बुजुर्ग महिला पुरुष ने गांव की सरकार बनाने के लिए अपना वोट दिया। इस दौरान जवाहरनगर ग्राम सभा में 72 फीसदी, शांतिपुरी नंबर 1 ग्रामसभा में 80.9 फीसदी, शांतिपुरी नंबर 2 ग्रामसभा में 77.3 फीसदी जबकि शांतिपुरी नंबर 3/4 में 83.4 फीसदी मतदान हुआ।

पानी पिलाने को लेकर भिड़े प्रत्याशियों के एजेंट

काशीपुर : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण की मतदान प्रक्रिया संपन्न हो चुकी है। पुलिस, प्रेक्षक और सेक्टर मजिस्ट्रेट ने सभी केंद्रों का निरीक्षण किया। वहीं, राजकीय प्राथमिक विद्यालय एस्कॉर्ट फार्म स्कूल में बने बूथ पर प्रधान पद के प्रत्याशियों के एजेंटों के बीच पानी पिलाने को लेकर विवाद हो गया। एक पक्ष का एजेंट दूसरे पक्ष के व्यक्ति को केंद्र में बार-बार जाने से रोकने की बात करने लगा। इस पर दोनों के बीच कहासुनी बढ़ने लगी। केंद्र के गेट पर भीड़ इकट्ठा हो गई, जिस पर पुलिस गार्ड को आकर मामला शांत करवाना पड़ा। पुलिस कर्मी ने दोनों पक्ष के लोगों को वापस भेज दिया और केंद्र से दूर रहने के लिए कहा। इसी प्रकार राजकीय प्राथमिक विद्यालय शिवलालपुर अमर झंडा में बूथ एजेंटों के बीच अपने पक्ष में मतदान कराने की बात पर नोक-झोंक हो गई। मामला बढ़ते देख पुलिस वालों ने केंद्र से बाहर सभी को खदेड़ा। इसके बाद मतदान प्रक्रिया शाम तक शांतिपूर्वक चलती रही।

उमस भरी गर्मी में भी रहा उत्साह : सुबह से बादल होने के बाद भी दिन भर उमस भरी गर्मी रही। उसके बाद भी मतदाताओं में वोट डालने को लेकर उत्साह रहा।

खटीमा से जोनल हॉकी में कांस्य पदक जीतने वाली नोज़गे पब्लिक स्कूल की टीम। ● अमृत विचार

जोनल हॉकी में नोजगे की बालिकाओं ने जीता कांस्य पदक

खटीमा : स्मार्ट इंडिया मॉडल स्कूल रामपुर में आयोजित सीबीएसई नॉर्थ जोन बालिका हॉकी चैम्पियनशिप में नोजगे पब्लिक स्कूल (हैप्पी मैम) की बालिका टीम ने अंडर-17 आयु वर्ग में कांस्य पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। 22 से 26 तक चली प्रतियोगिता में 20 टीमों ने प्रतिभाग किया था। विजयी टीम में जैसमीन कौर, अंशिका बिष्ट, रिया खर्कवाल, साक्षी जोशी, प्रभकीरत कौर, नव्या सिंह, स्वाति, आराध्या वत्स, अनन्या कुशवाहा, जसनीत कौर, सिम प्रभजोत कौर, निमरत कौर, शनाया कौर, मानसी जोशी शामिल रहीं। प्रबंधिका सुरेंद्र कौर और प्रधानाचार्य आरिज अल्वी ने विजयी टीम सहित कोच कोच ललित चन्द व मेंटर अंकिता को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

पोलिंग बूथ पर हंगामे के बावजूद जारी रहा मतदान

- भाजपाइयों तथा कांग्रेसियों के आमने-सामने आने से पैदा हुई टकराव की स्थिति
- पुलिस प्रशासन ने संभाला मोर्चा, मतदान केंद्र पर तैनात की गई अतिरिक्त पुलिस फोर्स

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: ग्राम छिनकी में मतदान केंद्र पर भाजपा नेता द्वारा वोट देने पहुंचे ग्रामीणों का पहचान पत्र जांचने की मांग के बाद पोलिंग बूथ पर विवाद शुरू हो गया। घटना की सूचना पर विधायक तिलक राज बेहड़ भी मौके पर पहुंच गए। भाजपाइयों तथा कांग्रेसियों के आमने-सामने होने से मतदान केंद्र पर टकराव की स्थिति पैदा हो गई। लेकिन पुलिस प्रशासन ने तुरंत स्थिति को संभालते हुए दोनों पक्षों को अलग-अलग कर पोलिंग बूथ पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया।

जानकारी के अनुसार ग्राम दरऊ पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम छिनकी स्थित प्राथमिक विद्यालय में बनाए गए मतदान केंद्र पर पूर्व विधायक राजेश शुक्ला के भतीजे एवं भाजपा नेता ने मतदान करने आए ग्रामीणों के परिचय पत्र तथा अन्य दस्तावेज जांचने की मांग उठाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इस बीच भाजपाइयों तथा कांग्रेसियों के बीच नोकझोंक शुरू हो गई और विवाद तूल पकड़ने लगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा मामले की सूचना दिए जाने के बाद क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस प्रशासन ने दोनों पक्षों को मतदान केंद्र के अंदर जाने से रोक दिया गया तथा दोनों पक्षों को अलग-अलग कर मतदान केंद्र के बाहर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया। पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए समय रहते स्थिति पर काबू पा लिया। इसके बाद भाजपा नेता तथा क्षेत्रीय विधायक अपने-अपने समर्थकों के साथ मतदान केंद्र के बाहर अलग-अलग बैठे नजर आए। मामूली हंगामे के बाद मतदान केंद्र पर सुचारू रूप से मतदान जारी रहा।

किच्छा के ग्राम छिनकी में मतदान केंद्र के बाहर मौजूद पुलिस फोर्स एवं समर्थकों के साथ विधायक तिलक राज बेहड़।

बहनों के साथ अभद्रता का विरोध करना पड़ा महंगा

- दबंगों ने तीनों भाइयों पर हमला कर किया गंभीर रूप से घायल
- पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ किया मुकदमा दर्ज

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: कोतवाली अंतर्गत क्षेत्र में दबंगों द्वारा दुकान से सामान लेने गई बहनों के साथ अभद्रता किए जाने तथा विरोध करने पर भाइयों के साथ मारपीट किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित के अनुसार आरोपियों द्वारा एक माह पूर्व भी पीड़ित पक्ष के साथ मारपीट की गई थी। फिलहाल पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली अंतर्गत चीनी मिल कॉलोनी में दबंगों द्वारा बहनों के साथ अभद्रता किए जाने का विरोध करना पीड़ित भाइयों को महंगा पड़ गया। पुलिस को दी शिकायत में चीनी मिल कॉलोनी, सिसई, थाना किच्छा निवासी दीपक ने बताया कि 26 जुलाई की रात्रि करीब 9:30 बजे पीड़ित की बहनें वार्ड स्थित दुकान से सामान लेने गई थी। इसी दौरान दुकान के निकट मौजूद कॉलोनी निवासीगण राहुल, विपिन, गौतम, बिट्टू एवं सुनील द्वारा पीड़ित की बहनों के साथ अभद्रता व गाली गलौज की गई। अचानक हुई घटना से भयभीत दोनों बहनें बिना सामान लिए जान बचाकर घर लौट आई और परिजनों को घटना से अवगत कराया। पीड़ित के अनुसार घटना की जानकारी पर पीड़ित दीपक अपने भाई हर्वेश के साथ आरोपियों से बात करने के लिए मौके पर पहुंच गया। आरोप है कि आरोपियों ने पीड़ित से गाली गलौज करते हुए अभद्रता शुरू कर दी तथा विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी डंडों से हमला कर दोनों भाइयों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद दोनों भाई जान बचाकर किसी तरह घर पहुंच गए। पीड़ित के अनुसार घटना की सूचना पर पीड़ित का भाई सन्नी उन्हें खोजता हुआ बचाने की नीयत से मौके पर पहुंच गया। लेकिन आरोपियों ने पीड़ित के भाई सन्नी को पकड़ लिया और लाठी डंडों से हमला कर उसे भी घायल कर दिया। आरोप है कि करीब 1 महीने पूर्व भी आरोपियों द्वारा पीड़ित पक्ष के साथ मारपीट की गई थी, जिसमें स्थानीय वरिष्ठ लोगों द्वारा दोनों पक्षों के बीच सुलह समझौता करा दिया गया था। बताया कि आरोपी दबंग किस्म के लोग हैं तथा आए दिन मारपीट कर स्थानीय लोगों को धमकाने का काम करते हैं। पीड़ित ने आरोपियों पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है तथा घटना के बाद पीड़ित एवं उसके परिवार को जान माल का खतरा बना हुआ है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

छुट्टा पशुओं से निजात के लिए बनाई रणनीति

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: छुट्टा जानवरों से निजात के लिए वार्ड संख्या 14 के निवासियों ने सभासद विश्वनाथ यादव की अध्यक्षता में एक बैठक की। बैठक में आम सहमति से वार्ड वासियों द्वारा घर के आगे जानवरों के लिए डाले जाने वाले भोजन को न डालने पर सहमति बनी।

बैठक में एक टीम गठित कर प्रत्येक घर से सुबह - शाम के समय जानवरों को दिये जाने वाले भोजन को एक ठेली में एकत्रित कर उन पशुपालकों तक पहुंचने का निर्णय लिया जिनके पालतू जानवर गली मोहल्ले में घूमते हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि जिन पशुपालकों के पालतू जानवर छोड़े जाते हैं उन पर 500 जुर्माना लगाया जाएगा। ऐसी स्थिति में जहां-तहां घूमने वाले आवारा जानवर एवं सांड नहीं घूमेंगे। इस पर आम सहमति बनी। बैठक में सभासद विश्वनाथ यादव, दया किशन कापड़ी, केशव भट्ट, बीडी कापड़ी, प्रशांत सिंह कार्की, अनिल अग्रवाल, हरीश जोशी, मनोज गंगवार, करण सिंह, प्रेम, दीपक सक्सेना, मानी चंद, गोकुल कापड़ी, देवदत्त शर्मा आदि मौजूद रहे।

खटीमा में बैठक करते वार्ड संख्या 14 के वासी। ● अमृत विचार

खटीमा के भूड़ में भूमिगत लाइन की लीकेज से बहता पानी। ● अमृत विचार

भूड़ में पानी की लीकेज से आवागमन में हो रही परेशानी

खटीमा : विश्व बैंक पोषित महोलिया पेयजल योजना इन दिनों लोगों की परेशानी का कारण बन रही है। सितारगंज रोड स्थित भूड़ नहर के पास से तहसील कैंपस तक मार्ग के एक ओर की पटरी खोदकर उसमें भूमिगत लाइन बिछाई जा रही है। भूमिगत लाइन की लीकेज से पानी नाले की तरह बहने लगा। जिससे वार्ड में नगर पालिका की कूड़ा गाड़ी, गैस व स्कूल के वाहनों के आने जाने में परेशानी हो रही है। पेयजल निगम हल्द्वानी के अपर सहायक अभियंता योगेंद्र उप्रेती बताते हैं कि मुख्य लाइन से कनेक्शन दिए जाने हैं और लीकेज एक-दो दिन में ठीक हो जाएगी। पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने अवर सहायक अभियंता योगेंद्र उप्रेती को व्यवस्था में सुधार कराने को कहा।

उत्साह | महिला कार्यकारिणी का भी किया गठन

सेवा प्रकल्प संस्थान ने मनायी हरियाली तीज

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम से संबद्ध सेवा प्रकल्प संस्थान और बारह राणा स्मारक समिति की ओर से हरियाली तीज महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया।

जनजाति समाज की महिलाओं एवं पुरुषों ने परंपरागत वेशभूषा में हनुमान चालीसा और तीज के लोक गीतों का गायन किया। कैलाश नदी के तट व नंधौर के घाट पर श्रद्धा जागरण टीम की प्रमुख अनीता राणा और छिद्दो देवी सहित महिलाओं ने पूजा अर्चना की। कार्यक्रम में पूड़ी व गुलगुलों को अर्घ्य देकर गंगा में विसर्जित किया। वहीं बारह राणा स्मारक समिति की महिला कार्यकारिणी का गठन हुआ। जिसमें माया राणा को महिला महामंत्री, श्रद्धा जागरण प्रमुख समिति ग्रामीण लड़ैती देवी को कार्यकारिणी सदस्य नामित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय श्रद्धा जागरण प्रमुख ढिल्लू सिंह राणा, संगठन मंत्री डालचंद, समिति अध्यक्ष श्रीपाल सिंह राणा, सेवा प्रकल्प संस्थान प्रांतीय उपाध्यक्ष सुरेश राणा, जिलाध्यक्ष मलकीत सिंह राणा, चरणजीत सिंह राणा, सरवन सिंह राणा, कन्हैया राणा, रमेश राणा, सुभाष राणा, मंगल सिंह राणा आदि मौजूद रहे।

खटीमा से सेवा प्रकल्प संस्थान के नए दायित्वधारियों को स्मारिका भेंट करते क्षेत्रीय श्रद्धा जागरण के प्रमुख ढिल्लू सिंह राणा।

खटीमा में नर्सरी का भ्रमण करते सिटी कॉन्वेंट स्कूल के बच्चे।

सिटी कॉन्वेंट के बच्चों ने किया पौधशाला का भ्रमण

खटीमा : सिटी कॉन्वेंट स्कूल के नर्सरी से कक्षा दो तक के बच्चों को पौधशाला का भ्रमण कराया गया। प्रबंधक प्रवीण उपाध्याय ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को प्राकृतिक सौंदर्य, पेड़-पौधे और पर्यावरण के प्रति प्रेम व जागरूकता बढ़ाना था। पौधशाला में उपस्थित संरक्षक ने बच्चों को पेड़-पौधों के बारे में विभिन्न प्रकार जानकारी दी और पौधों एवं फूलों की विभिन्न प्रजातियों से अवगत कराया। शिक्षकों द्वारा भी बच्चों को पेड़-पौधों की उपयोगिता, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के उपायों के बारे में बताया। एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर तिलक उपाध्याय ने बच्चों को पेड़ पौधों आदि के बारे में जानकारी दी और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा दी। प्रधानाचार्य शुभ्रा सक्सेना ने बच्चों के साथ एक पौधा मां के नाम के तहत पौधरोपण किया।

ब्रीफ न्यूज

मल्ली बिठोली बीडीसी सीट पर हंगामा

अल्मोड़ा : विकासखंड के मल्ली बिठोली क्षेत्र पंचायत सदस्य सीट पर हंगामा हो गया। आरोप है कि करीब 25 मतपत्र गलत जाने के कारण प्रथम स्थान पर अंकित अनार चुनाव चिह्न गायब हो गए। प्रत्याशी कुंती फुलारा ने पीठासीन अधिकारी से शिकायत की। जांच में पता चला कि मतपत्र गलत फट जाने के कारण अनार वाले निशान का आधा भाग मत प्रतिपण (काउंटर फाइल) पर भी मौजूद थे। रात्रि करीब आठ बजे तक बवाल जारी रहा। सेक्टर मजिस्ट्रेट राजेंद्र नाथ गनोली मतदान पहुंचे। उन्होंने सभी पत्रों की जांच की। कुंती फुलारा समर्थकों ने जबरन उन्हें हराने का आरोप लगाया और मतदान निरस्त कर दोबारा करने की मांग की। कुंती फुलारा के पति महेश फुलारा ने बताया कि लिखित आश्वासन पर घेराव समाप्त कर दिया है। सेक्टर मजिस्ट्रेट राजेंद्र नाथ ने बताया कि जांच में 24 मतपत्र गलत फाड़े हुए पाए गए हैं। प्रत्याशियों से वार्ता कर मामले को सुलझाया जा रहा है।

उपजिलाधिकारी ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

बनबसा : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव द्वितीय चरण के अंतर्गत मतदान की प्रक्रिया का जायजा लेने के उद्देश्य से उपजिलाधिकारी टनकपुर आकाश जोशी ने सोमवार को नायकगोठ, बनबसा कालोनी कैनाल, टनकपुर, उचौलीगोठ आदि विभिन्न मतदान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। आकाश जोशी ने मतदान केंद्र पर की गई सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंध, मतदाताओं के लिए बनाई गई कतार व्यवस्था, तथा विशेष रूप से बुजुर्गों और महिलाओं की सुविधा के लिए किए गए इंतजामों का बारीकी से परीक्षण किया। मतदान कार्मिकों को निष्पक्ष, संवेदनशील और उत्तरदायी ढंग से कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही व अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दो लावारिस शवों का कराया अंतिम संस्कार

रानीखेत : 'लावारिस' शव शब्द सुनते ही मन में जो पहली तस्वीर आती है, उसके बारे में सोच कर ही मन बेचैन होने लगता है, लेकिन रानीखेत में सतीश चन्द्र पाण्डेय और उनकी जनसेवा समिति लावारिस शवों की वारिस बनी हुई है। अब तक सैकड़ों लावारिस व निर्धन बेसहारा लोगों के शवों का अंतिम संस्कार कर जनसेवा समिति के सतीश कर चुके हैं। अब उन्होंने दो और लावारिस शवों का अंतिम संस्कार कराया है।

अल्मोड़ा में दूसरे चरण में जमकर बरसे वोट

पांच विकासखंडों में शाम पांच बजे तक 55.99 फीसदी हुआ मतदान, शांतिपूर्वक संपन्न हुई प्रक्रिया

- सबसे ज्यादा हवालबाग ब्लॉक में हुआ मतदान
- देर शाम तक बूथों पर लगी रही मतदाताओं की कतार

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में सोमवार को जिले के पांच ब्लॉकों में मतदान हुआ। इसमें बड़ी संख्या में लोग वोट देने पोलिंग बूथ पहुंचे। दूसरे चरण में शाम पांच बजे तक 55.99 फीसदी वोटिंग हुई। सबसे ज्यादा वोटिंग हवालबाग ब्लॉक में हुई। जबकि कई बूथों में देर शाम तक मतदान हुआ।

जिले में द्वितीय चरण के मतदान के लिए जिले के हवालबाग, द्वाराहाट, स्याल्दे, सल्ट और भिकियासैंण ब्लॉकों में सुबह आठ बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू की गई। देर शाम मतदान के लिए बूथों में मतदाताओं की कतार लगी रही। जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक कुमार पांडेय ने बताया कि दूसरे चरण में शाम पांच बजे तक 55.99 फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

पहले दो घंटे में जिले के पांचों ब्लॉकों में 11.05 फीसदी मतदान हुआ था। पांचों ब्लॉकों में कुल पंजीकृत 2 लाख 66 हजार 831 मतदाताओं में से शाम पांच बजे तक कुल 1 लाख 49 हजार 396 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

हवालबाग ब्लॉक के सैनार में मतदान के लिए कतार में लगे मतदाता।

खत्याड़ी बूथ में मतदान के लिए लगी महिलाओं की कतार।

डीएम और एसएसपी ने बूथों का जायजा लिया

अल्मोड़ा : दूसरे चरण के मतदान में सोमवार को डीएम आलोक कुमार पांडेय और एसएसपी देवेंद्र पींचा ने सल्ट ब्लॉक के कई पोलिंग बूथों का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने पूनाकोट, जालीखान, मौलेखाल सहित विभिन्न पोलिंग बूथों का भ्रमण किया। इस दौरान पोलिंग पार्टियों और सुरक्षा जवानों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बनबसा में बुजुर्ग महिला को मतदान के लिए लेकर जाते परिजन।

ऐसा रहा सुबह से मत प्रतिशत

ब्लॉक	8 से 10 बजे	10 से 12 बजे	12 से 2 बजे	2 से 5 बजे
हवालबाग	8.50	28.04	45.45	63.39
द्वाराहाट	9.97	27.04	40.81	56.15
सल्ट	12.29	38.58	45.93	48.01
स्याल्दे	13.08	23.53	42.61	59.98
भिकियासैंण	12.67	28.23	41.74	52.83

दूसरे चरण में भी महिलाए अव्वल

अल्मोड़ा : गांव की सरकार चुनने के लिए महिलाओं की ओर से बढ़चढ़क प्रतिभाग किया गया। दूसरे चरण में भी महिला मतदाताओं ने पुरूष मतदाताओं से अधिक संख्या में पोलिंग बूथ पहुंचे लोकतंत्र के पर्व में मताधिकार कर अपनी भागीदारी निभाई। जहां पहले चरण में महिलाएं मतदान में पुरूष मतदाताओं से आगे रही, वहीं दूसरे चरण में भी महिलाओं ने बाजी मारी।--

अल्मोड़ा के खत्याड़ी बूथ में बुजुर्ग मतदाताओं ने उत्साह से मतदान किया।

मतदान को लेकर बुजुर्गों व दिव्यांगों में दिखा उत्साह

संवाददाता, अल्मोड़ा

- गांव के विकास को मताधिकार का किया प्रयोग
- जिले के पांच ब्लॉकों में संपन्न कराई कई मतदान की प्रक्रिया

अमृत विचार : लोकतंत्र के पर्व में बुजुर्गों और दिव्यांगों ने मतदान कर हौसला दिखाया। शारीरिक लाचारी को पीछे छोड़ अपने मताधिकार का प्रयोग करने मतदान केंद्र पहुंचे और गांव के विकास को अपना मताधिकार का प्रयोग किया।

जिलेभर के पांच ब्लॉकों में सोमवार को दूसरे चरण को मतदान प्रक्रिया के बीच सुबह आठ बजे से पहले ही कई बूथों पर बुजुर्ग और दिव्यांग अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंच गए थे। उंगली में लगी स्याही देखने के बाद दिव्यांग मतदाताओं के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। बीमार मतदाता भी बूथ पर वोट डालने पहुंचे। चलने में अक्षम बुजुर्गों को उनके परिजन डोली और खच्चरों के सहारे बूथों तक लेकर पहुंचे। जहां बुजुर्गों ने उत्साह से मतदान किया। कहा कि चुनाव पांच साल बाद आते है। यही पर मतदाताओं की एहमियत होती है। इसलिए वोट देने जाते हैं, ताकि गांव की अच्छी सरकार चुन सकें।

लिस्ट से नाम गायब होने से मायूस लौटे मतदाता

संवाददाता, अल्मोड़ा

- चुनाव में मतदान को आए कई लोगों के लिस्ट से नाम मिले गायब
- अधिकारियों से निवेदन के बाद भी नहीं मिली इजाजत

अमृत विचार : गांव की सरकार चुनने पोलिंग बूथ पहुंचे कई मतदाताओं को बिना मतदान के ही वापस लौटना पड़ा। वोटर लिस्ट से इन लोगों के नाम गायब मिले। इससे उनके हाथ निराशा लगी।

सोमवार को जिले भर में लोग उत्साह के साथ मतदान के लिए घरों से निकले थे। लेकिन कई ऐसे भी रहे जो मतदान नहीं कर पाए। अल्मोड़ा जिले के हवालबाग, द्वाराहाट, भिकियासैंण, सल्ट, स्याल्दे ब्लॉकों के कई बूथों में ऐसे कई मामले सामने आए, जिन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ा। युवा अंकित सिंह ने बताया कि वह पहली बार वोट देने के लिए उत्साहित थे। यहां आकर देखा तो वोटर लिस्ट से उनका गायब मिला। निवेदन किया, लेकिन मतदान की इजाजत नहीं मिली। किशन सिंह का कहना था पिछले लोक सभा चुनाव में उन्होंने मतदातन किया था, लेकिन इस बार त्रिस्तरीय चुनाव के वोटर लिस्ट में नाम नहीं है। भिकियासैंण के कैलाश तिवारी पूरे परिवार के साथ मतदान करने अपने-अपने बूथों पर पहुंचे थे। लेकिन, मतदाता सूची में पूरे परिवार का नाम गायब था। मतदाता सूची से नाम नहीं होने से निर्वाचन आयोग के प्रति नाराजगी देखने को मिली। अन्य ब्लॉकों में भी सूची में नाम गायब होने की शिकायतें मिलीं।

शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ पंचायत चुनाव

टनकपुर/चम्पावत : दूसरे चरण के पंचायती चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2025 के द्वितीय चरण के मतदान संपन्न होने के उपरांत जिलाधिकारी मनीष कुमार ने विकासखंड चम्पावत के लिए बनाए गए गौरल चौड़ मैदान स्थित कलेक्शन सेंटर का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान डीएम ने मौके पर उपस्थित रिटर्निंग ऑफिसर, असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर एवं अन्य निर्वाचन कार्मिकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मतपेटियां एवं मतदान सामग्री प्राप्त करने की प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी, सुव्यवस्थित और समयबद्ध होनी चाहिए। मुख्य विकास अधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ.जीएस खाती, एसडीएम अनुराग आर्य, खंड विकास अधिकारी अशोक अधिकारी आदि मौजूद रहे।

प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटियों में बंद

- दूसरे चरण में जिले के पांच ब्लॉकों में चली मतदान की प्रक्रिया
- 23 जिपं सदस्यों के अलावा 580 प्रधानों के लिए हुई वोटिंग

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : जिले के पांच ब्लॉकों में सोमवार को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हो गए है। दूसरे चरण के लिए हुए चुनाव में 1881 प्रत्याशियों का भाग्य भी मतपेटियों में सील हो गया है। अब प्रत्याशियों हार जीत का फैसला आगामी 31 जुलाई को मतगणना के दिन पता चलेगा।

दरअसल, जिले के हवालबाग, द्वाराहाट, सल्ट, स्याल्दे और भिकियासैंण में दूसरे चरण में कुल 2 लाख 66 हजार 831 मतदाता पंजीकृत थे। जिसमें 129057 महिलाएं और 137774 पुरुष मतदाता शामिल थे। सोमवार को दूसरे चरण के शाम पांच बजे तक हुए चुनाव में 1 लाख 49 हजार 396 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदाताओं ने 22 जिपं सदस्य टीके 118 प्रत्याशियों के अलावा 580 प्रधान के 1198 और बीडीसी के 528 प्रत्याशियों के लिए वोट किए। जिले में दोनों चरणों के चुनाव के बाद अब 45 जिला पंचायत सदस्य, 391 क्षेत्र पंचायत और 1160 ग्राम प्रधानों के लिए प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटी में बंद हो गया है। 31 जुलाई को मतदान की मतगणना होगी।

सल्ट ब्लॉक के बूथ का निरीक्षण करते डीएम व एसएसपी। ● अमृत विचार

देर रात लौटीं पोलिंग पार्टियां

अल्मोड़ा : जिलेभर में दूसरे चरण के मतदान के लिए 580 ग्राम पंचायतों के लिए 623 पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया था। सोमवार को मतदान के बाद पोलिंग पार्टियों का ब्लॉक मुख्यालय वापसी का सिलसिला शुरू हुआ जो देर रात तक चलता रहा। जिसके बाद मतपेटियों को कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम में रख दिया गया।

मतदान केंद्र का निरीक्षण करते एसपी अजय गणपति। ● अमृत विचार

पुलिस अधीक्षक ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण, पुलिसकर्मियों को दिए निर्देश

बनबसा : त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद चंपावत के टनकपुर बनबसा क्षेत्र में शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अजय गणपति ने सोमवार को विभिन्न मतदान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बनबसा के फागपुर, भजनपुर, कैनाल कॉलोनी टनकपुर के गांव उचौलीगोठ सहित अन्य मतदान केंद्रों पर सुरक्षा प्रबंधों की गहन समीक्षा की। तैनात पुलिस बल, भीड़ नियंत्रण उपायों और अप्रिय घटनाओं की रोकथाम के लिए की गई तैयारियों का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, अव्यवस्था अथवा कानून व्यवस्था भंग करने के प्रयास को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पिथौरागढ़ में 64.92 प्रतिशत मतदान

संवाददाता, पिथौरागढ़

- चार विकासखंडों में सबसे ज्यादा विण में कुल मतदान 71.50 फीसदी हुआ
- डीएम और एसपी ने दिन भर मतदान केंद्रों और बूथों का लिया जायजा

अमृत विचार : त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2025 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद पिथौरागढ़ के विण, मूनाकोट, गंगोलीहाट एवं बेरीनाग विकासखंडों में सोमवार प्रातः 8:00 बजे से 418 मतदान केंद्रों पर आरंभ हुई मतदान प्रक्रिया देर शाम शांतिपूर्वक संपन्न हुई।

इस दौरान विण में कुल मतदान 71.50 प्रतिशत, मूनाकोट में 68.98 फीसदी, बेरीनाग में 61.14 फीसदी और गंगोलीहाट में कुल मतदान 59.48 प्रतिशत हुआ। जिला कन्ट्रोल रूम, सेक्टर मजिस्ट्रेट से प्राप्त सूचना के आधार पर चारों विकासखंडों का कुल मतदान 64.92 प्रतिशत हुआ।

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) विनोद गोस्वामी एवं पुलिस अधीक्षक रेखा यादव ने दिन भर मतदान केंद्रों और बूथों पर गहन निरीक्षण किया। उन्होंने विकासखंड मूनाकोट के बिसाबजेड़ स्थित बूथ संख्या 16 एवं 17 से निरीक्षण कार्य प्रारंभ किया गया। इसके उपरांत उन्होंने विकासखंड विण के विभिन्न बूथों– बूथ संख्या 36 व 37 (प्राथमिक पाठशाला मझेड़ा), बूथ संख्या 39 (प्राथमिक पाठशाला जगतड), बूथ संख्या 42 (आदर्श विद्यालय पाभैबल्दिया), बूथ संख्या 58 (प्राथमिक पाठशाला जाख), बूथ संख्या 82 (प्राथमिक पाठशाला धारी धमोडा) तथा बूथ संख्या 96 (प्राथमिक पाठशाला सिन्तोली) का स्थलीय निरीक्षण कर मतदान प्रक्रिया एवं व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं, जिससे लोकतंत्र के इस महापर्व में जनसहभागिता का उत्साह एवं जागरूकता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती मिली। शाम चार बजे तक जनपद में 57.37 फीसदी प्रतिशत मतदान दर्ज किया जा चुका था। डीएम व एसपी ने बताया कि, मतदान केंद्रों पर व्यापक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए गए। प्रत्येक केंद्र पर पुलिस बल की तैनाती की गई, जबकि संवेदनशील एवं अति संवेदनशील केंद्रों पर एसडीआरएफ के जवानों की भी तैनाती की गई। आयोग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक निरंतर निगरानी करते रहे।

मतदान केंद्र का निरीक्षण करते डीएम विनोद गोस्वामी और एसपी रेखा यादव।

बारिश के बावजूद मतदान के लिए कतार में खड़ीं महिलाएं। ● अमृत विचार

पिथौरागढ़ में नायल बूथ पर मताधिकार का प्रयोग करने पहुंचीं 93 वर्षीय गोपूली देवी।

भिकियासैण ब्लॉक के सिरमोली बूथ में मतदान के लिए कतार में लगे मतदाता।

आस्था

सावन के तीसरे सोमवार को शिवालयों में उमड़ी श्रद्धा, दर्शन के लिए लगी रही श्रद्धालुओं की कतार

जागेश्वर धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कराया पार्थिव पूजन

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : श्रावण के तीसरे सोमवार को शिवालय हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुखमय जीवन की कामना की। वहीं, जागेश्वर धाम में श्रावणी मेला जारी है। यहां सोमवार को पार्थिव पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। दिनभर में बड़ी संख्या में लोगों ने पार्थिव पूजन कराए।

सोमवार को जिलेभर के शिवालयों समेत जागेश्वर धाम में पूजा-अर्चना समेत पार्थिव पूजन को सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई। अटूट आस्था के लिए बड़ी संख्या में यहां पहुंचे श्रद्धालुओं ने सुबह पवित्र ब्रह्मकुंड में स्नान कर शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। जागेश्वर मंदिर पुजारी हरिमोहन भट्ट ने बताया कि सावन के सोमवार को जागेश्वर धाम में 150 श्रद्धालुओं ने पार्थिव पूजन संपन्न कराए। वहीं, बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने दर्शन किए। सुरक्षा कर्मियों ने व्यवस्था सुचारू रखने के लिए सभी श्रद्धालुओं को लाइन में लगाकर मंदिरों के दर्शन कराए। जगह-जगह भंडारे का भी आयोजन किया गया। इसमें सैड़कों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

जागेश्वर में सोमवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। ● अमृत विचार

शिव मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए लगी श्रद्धालुओं की कतार। ● अमृत विचार

शिवालयों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

रानीखेत : सोमवार को क्षेत्र के शिवालयो में सुबह से ही पूजा-अर्चना करने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। श्रावण माह के दूसरे सोमवार के दिन स्थानीय शिव मंदिर रानीखेत, चिलियानौला शिवालय सहित झूला देवी, राम मंदिर आदि मंदिरों में भक्तजनों की पूजा अर्चना के लिए लंबी कतार लगी रही। देर शाम तक लोग पूजा-अर्चना में लग रहे। भक्तजनों ने व्रत रखकर विधिवत पाठ-पूजा कर आशीर्वाद लिया।

हवालबाग के महतगांव बूथ में दिव्यांग को उनके परिजन वोट के लिए मतदान स्थल लेकर पहुंचे।

पिथौरागढ़ में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त रघुबर दत्त पन्त (87 वर्ष) ने कुंलता बूथ में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

"अपने जीवन में जोखिम उठाएं, अगर आप जीतते हैं, तो आप नेतृत्व कर सकते हैं। अगर आप हारते हैं, तो आप मार्गदर्शन कर सकते हैं।"

बच्चों में बौनापन की चिंता

देश भर की आंगनवाड़ियों में नामांकित बच्चों के बौनेपन को लेकर संसद में आई रिपोर्ट उत्तर प्रदेश के लिहाज से काफी चिंताजनक है। इसके मुताबिक 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 63 जिलों के बच्चों में बौनेपन की दर 50 फीसदी से अधिक है। इस समस्या से उत्तर प्रदेश विशेष रूप से प्रभावित है, जिसके 34 जिलों में बच्चों में बौनेपन की दर गंभीर स्थिति में है। इनमें चित्रकूट में तो बच्चों में बौनेपन की दर 59.48 फीसदी मिली है। बौनेपन से आशय उन बच्चों से है, जो अपनी उम्र के हिसाब से छोटे होते हैं। ऐसा आमतौर पर लंबे समय तक कुपोषण का शिकार रहने के कारण होता है। इसी तरह कमजोर बच्चे उनको माना जाता है, जो अपनी लंबाई के हिसाब से काफी पतले होने के कारण कम वजन वाले होते हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी द्वारा लोकसभा में जानकारी दी गई है कि 'पोषण ट्रैकर' के आंकड़ों के अनुसार देश में छह वर्ष से कम उम्र के 8.19 करोड़ बच्चों में से लगभग 36 फीसदी बच्चे बौनेपन का शिकार हैं। वहीं करीब 17 प्रतिशत बच्चों का उम्र के अनुपात में वजन कम है। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में तो बौनेपन की व्यापकता और भी ज्यादा, यानी 37 फीसदी है। आंकड़ों के अनुसार बच्चों में बौनेपन की सर्वाधिक दर 46.36 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में है।

बौनापन वास्तव में एक दीर्घकालिक कुपोषण है और पोषण केवल भोजन तक सीमित नहीं है। इसमें स्वच्छता, साफ पानी और शिक्षा जैसे कारण भी शामिल हैं। अब इसमें बढ़ता वायु प्रदूषण भी जुड़ गया है। हाल ही में केजीएमयू, लखनऊ के रेस्परेटरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष ने वायु प्रदूषण को टीबी, निमोनिया, सीओपीडी और फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियों को बढ़ाने वाला बताया था। उनके मुताबिक वायु प्रदूषण बच्चों को विभिन्न समस्याएं देने के साथ गर्भावस्था के दौरान भ्रूण पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। आज इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता कि बड़ी संख्या में बच्चे गर्भ में ही कुपोषित हो जाते हैं। पांच वर्ष की उम्र आने तक वह कम वजन के साथ कम लंबाई का शिकार हो जाते हैं। इसकी बड़ी वजह हर सर्वेक्षण में कुपोषण ही सामने आता रहा है जो बच्चों का शारीरिक विकास बाधित करने के कारण उन्हें अपनी उम्र से छोटा बना देता है। इसकी वजह विशेष रूप से प्रोटीन और ऊर्जा की कमी होती है, जिसके कारण बच्चों में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी हो जाती है और उनका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य अविकसित रह जाता है। राष्ट्रीय परिवार सर्वेक्षण के आंकड़े भी बच्चों में बौनेपन की बढ़ती समस्या पर आगाह करने के साथ इसे लेकर चिंता जता चुके हैं, कि कुपोषण से जुड़े विकार बच्चों में तमाम बीमारियों को जन्म देने के साथ मृत्यु दर भी बढ़ा रहे हैं। इन परिस्थितियों में जरूरी है कि सरकार को पोषण अभियान, मिशन सक्षम आंगनवाड़ी जैसे अभियानों से आगे बढ़कर समस्या के समाधान का एकीकृत उपाय खोजना होगा, ताकि प्रत्येक बच्चे को अच्छी शुरुआत के साथ बेहतर भविष्य तथा जीवन मिल सके।

प्रसंगवश

मेड इन इंडिया से यूके की इकोनॉमी को मजबूती

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूनाइटेड किंगडम की आधिकारिक यात्रा और दोनों देशों द्वारा मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कई मायनों में अहम साबित हुए हैं तथा व्यापार और आर्थिक संबंधों को नया आयाम मिला है। इस समझौते से द्विपक्षीय व्यापार में सालाना 34 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि होने की उम्मीद है, साथ ही वर्ष 2020 में यूरोपीय संघ से बाहर निकलने के बाद से यूनाइटेड किंगडम का यह सबसे बड़ा व्यापार सौदा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सैंड्रिंघम हाउस में किंग चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात की और किंग चार्ल्स को भारत के पर्यावरणीय जनआंदोलन 'एक पेड़ मां के नाम' से प्रेरित एक पौधा भी भेंट किया। यह अभियान प्रधानमंत्री ने ही शुरू किया था। किंग चार्ल्स को पौधा भेंट करना प्रधानमंत्री के पर्यावरण के प्रति सद्इच्छाओं को दर्शाता है। इस पौधे की खासियत उसकी सफेद पंखुड़ियों का होना है। किंग से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया-महामहिम किंग चार्ल्स तृतीय के साथ बहुत शानदार बैठक हुई। हमने भारत-ब्रिटेन संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की, जिसमें सीईटीए और 'विजन 2035' के मद्देनजर व्यापार और निवेश की जमीनी प्रगति भी शामिल थी। चर्चा के अन्य विषयों में शिक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण, विशेष रूप से योग और आयुर्वेद शामिल थे। हमने पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता पर भी बात की।

प्रकाश श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिटेन की अपनी चौथी यात्रा में दोनों देशों में विश्वास और प्रतिबद्धताओं को मजबूती दी है। इससे पहले वह 2018 में यूके गए थे। हालांकि ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीर रॉडनी स्टार्मर के सत्ता में आने के बाद यह उनकी पहली यात्रा थी। स्टार्मर ने पिछले साल जुलाई में लेबर पार्टी को भारी बहुमत से पराजित कर कंजर्वेटिव पार्टी के 14 साल के शासन का अंत किया था। तब से, दोनों नेता बहुपक्षीय बैठकों के दौरान कई बार मिल चुके हैं। पिछले साल नवंबर में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में हुए जी20 शिखर सम्मेलन में, इस साल जून में कनाडा के कनानसकीस में जी7 नेताओं के शिखर सम्मेलन में। कहने की जरूरत नहीं कि इस मुक्त व्यापार समझौते को अधिकृत रूप से व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) नाम दिया गया है। इस समझौते से भारतीय निर्यातकों को ब्रिटेन में लगभग शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। भारत को कई क्षेत्रों में लाभ होगा और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अवसर मिलेंगे। साथ ही प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और अन्य उच्च-टैरिफ वाले उत्पाद जहां भारत के पास मजबूत प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल है, के लिए भी लाभकारी होगा। सबसे बड़ी बात तो यह है कि भारत यहां जो नया निवेश और निर्यात करेगा, उससे यूके में 2,200 से ज्यादा ब्रिटिश नौकरियां उत्पन्न होंगी। भारतीय कंपनियां ब्रिटेन में अपने परिचालन का विस्तार करेंगी और ब्रिटिश कंपनियां भारत में नए व्यावसायिक अवसर हासिल करेंगी।

भारत के विकास एजेंडे के साथ रणनीतिक उद्देश्यों को जोड़ना भी समझौते की खासियत है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए 'मेक इन इंडिया' योजना शुरू की थी। इसी तरह 2020 में उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य विशिष्ट क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है। यह योजना उन कंपनियों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए है जो भारत में विनिर्माण करती हैं और बिक्री बढ़ाती हैं। इस समझौते से 'मेक इन इंडिया' और उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसी पहलों के तहत भारत के व्यापक रणनीतिक उद्देश्यों से जोड़ने, गतिशील वातावरण और एक एकीकृत दिशा बनाने में भी मदद मिलेगी। इस समझौते से ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भी उत्साहित है। उन्होंने कहा भी है-भारत के साथ हमारा ऐतिहासिक व्यापार समझौता ब्रिटेन के लिए एक बड़ी जीत है। इससे पूरे ब्रिटेन में हजारों ब्रिटिश नौकरियां उत्पन्न होंगी, व्यवसायों के लिए नए अवसर खुलेंगे और देश के हर कोने में विकास को गति मिलेगी, जिससे हमारी परिवर्तनकारी योजना साकार होगी। समझौते के तहत भारत को उन क्षेत्रों में भी बेहतर बाजार पहुंच प्राप्त होगी जहां पहले से ही उसकी निर्यात क्षमता मजबूत है, लेकिन मध्यम टैरिफ बाधाओं का सामना करना पड़ता था।

आत्मनिर्भरता के लिए कौशल दक्षता का आलाप

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार

देश में वस्तु निर्माण के पुख्ता स्तंभ बनाने के लिए कौशल दक्षता में कमी की बात कही जाती है। यहां तक कि इंजीनियर और पीएचडी डिग्रीधारी को भी अयोग्य ठहरा दिया जाता है। हाल ही में आईफोन बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एप्पल ने चेन्नई में फोन निर्माण के लिए एक संयंत्र स्थापित किया है, किंतु उसे पर्याप्त दक्ष युवा नहीं मिल रहे। इनकी प्रतिपूर्ति कंपनी ने चीन और ताइवान से की। यहां सवाल उच्च शिक्षित पेशेवरों के साथ उन शिक्षा संस्थानों पर भी खड़ा होता है कि तमाम आधुनिक संसाधनों से भरे पड़े ये पढ़ा व सिखा क्या रहे हैं? दक्षता की लक्ष्य पूर्ति के लिए अक्सर चीन से सीख लेने की बात कही जाती है। जिससे यह जान लिया जाए कि सस्ते मजदूरों के जरिए सस्ती वस्तुओं का निर्माण कैसे हो? क्योंकि इन्हीं वस्तुओं के निर्माण से चीन दुनिया की औद्योगिक व प्रौद्योगिक शक्ति बना है। उसके माल से दुनिया के बाजार भरे पड़े हैं।

> यहां प्रश्न खड़ा होता है कि क्या हम सस्ती वस्तुओं के निर्माण की तरकीब और देशज ज्ञान भारत और भारतीयों से नहीं सीख सकते? मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में एक तहसील स्तरीय कस्बा है बदरवास। संयोग से मैं यहीं का रहने वाला हूं।

यहां प्रश्न खड़ा होता है कि क्या हम सस्ती वस्तुओं के निर्माण की तरकीब और देशज ज्ञान भारत और भारतीयों से नहीं सीख सकते? मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में एक तहसील स्तरीय कस्बा है बदरवास। संयोग से मैं यहीं का रहने वाला हूं। अब से करीब पैंतालीस साल पहले बदरवास के ही बैंक से 10 हजार रुपए का ऋण लेकर रमेश अग्रवाल ने यहीं छोटी सी दुकान में जैकेट बनाने का काम प्रारंभ किया था, तब वे रोजाना 40-50 जैकेट बनवाकर बेच लेते थे। किंतु आज हजारों जैकेट बनवा कर बेच रहे हैं। मध्य प्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल समेत नेपाल तक फेरी वाले उनकी जैकेट बेचते हैं। इसे मोदी जैकेट कहा जाता है। सस्ती जैकेट का यह व्यापार समूचे देश में फैल रहा है। इस उत्पाद के शोरूम भी खुल रहे हैं और बाजार में मांग लगातार बढ़ रही है। अब जैकेट निर्माण का विकेंद्रीकरण हुआ है। करीब एक सैंकड़ा लोग जैकेट के निर्माण और व्यापार में जुटे हैं। पांच-सात हजार क्षेत्रीय ग्रामीण पुरुष और महिलाएं जैकेट की सिलाई के काम से जुड़े रहते हुए आत्मनिर्भर हुए हैं। बदरवास की गली-गली में जैकेट सिलने और बेचने का व्यापार परवान चढ़ा दिखाई देता है। बड़े कारोबारियों के कारखाने देखकर हैरानी होती है कि इतने छोटे कस्बे में जैकेट का इतने बड़े पैमाने पर उत्पादन कैसे हो रहा? इन जैकटों की कीमत न्यूनतम 80 रुपए से लेकर 300 रुपए तक है। यहां के सिले वस्त्र निर्माता इतना सस्ता उत्पाद कैसे कर पाते हैं, इस रहस्यमयी तरकीब को जानना जरूरी है, जिससे चीन की तरह भारत के माल से दुनिया के बाजार भरे जा सकें। जैकेट व्यापारी अपने ठिकानों पर विभिन्न आकार-प्रकार की जैकेटों के कपड़े की कटिंग कराते हैं। फिर इन कटे वस्त्रों को आसपास के पन्द्रह किलोमीटर तक के ग्रामों में सिलने के लिए दर्जन के हिसाब से भेज देते हैं। अतएव यहां देखने में आता है कि घर-घर और खेत-खेत महिलाएं और छात्राएं जैकेट की सिलाई में लगी हैं। इनमें ज्यादातर महिलाएं खेती-किसानी से जुड़ी होती हैं। ये घरेलू और किसानी की दिनचर्या से निपटने के बाद खेत में बने घर की दहलान में पैरों से चलने वाली सिलाई मशीन से सिलाई के काम में लग जाती हैं। सिलाई के बाद इनके घर का कोई व्यक्ति जैकेटों को साइकिल या बाइक से व्यापारी को दे आते हैं। तत्काल इन्हें प्रति जैकेट के हिसाब से मजदूरी दे दी जाती है। जैकेट की सिलाई खाली समय में की जाती है, इसलिए मजदूर को अतिरिक्त धन मिल जाता है, जो इनकी आर्थिक समृद्धि का मजबूत आधार बन गया है। सिलाई की इस कौशल दक्षता को मां या बड़ी बहन नई पीढ़ी को सिखाती चलती हैं। इस कौशल के लिए अच्छी पढ़ाई या उत्तम प्रशिक्षण की जरूरत ही नहीं पड़ती है। जैकेटों में काज-बटन लगाने का काम पुरुष या तो हाथ से करते हैं या फिर मशीनों से। जैकेट के जितने भी बड़े कारोबारी हैं, उनके कारखानों में आधुनिक व इलेक्ट्रोनिक तकनीक से जुड़ी बड़ी-बड़ी मशीनें लगी हैं। इन मशीनों को चलाना भी लोग परस्पर सीख लेते हैं। इसी तरकीब से बदरवास में प्रतिदिन लगभग दस हजार जैकेट बनाकर बेची जा रही हैं।

सस्ते श्रम से सस्ते माल के उत्पादन की इस विधि को संपूर्ण भारत समेत विदेश में भी फैलाने की जरूरत है। चीन इसी तकनीक से विश्व बाजार में औद्योगिक शक्ति बना हुआ है। लेकिन भारत जो अपनी समृद्ध ज्ञान परंपरा से वस्तुओं के निर्माण में हजारों साल से जुड़ा हुआ था, वहां के लोग और शिक्षा संस्थान पश्चिम की ओर ताक रहे हैं। भारत के शिक्षा विशेशज्ञ भी इसी विचार से प्रेरित हैं। लोगों को शेयर बाजार के सिद्धांत और ऋण से धंधे की स्थापना के जुनून का पाठ पढ़ाया जाकर सरकारी या कंपनियों की नौकरी मिल जाए। जिससे वे कुलीन की श्रेणी में आ जाएं। उच्च शिक्षा के इस लक्ष्य को साधने के लिए कर्ज की सुविधा देकर विदेशी व्यापार-प्रबंधन के संस्थानों में पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कथित कामयाबी के लिए यह प्रोत्साहन सर्वथा अनुचित है। दूसरी तरफ हमारे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। जबकि देश के सकल घरेलू उत्पाद में 29 प्रतिशत, रोजगार में 60 प्रतिशत और निर्यात में 40 प्रतिशत योगदान इन्हीं उद्योगों का है। फिर भी इन उद्योगों से लेकर ऑटोमोबाइल, कृत्रिम-मेघा और मशीन लर्निंग जैसे उद्योगों के लिए दक्ष युवाओं की कमी है। आखिर भारतीय राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन युवाओं को दक्ष करने में असफल क्यों रहा? क्योंकि इस अभियान में युवाओं को प्रशिक्षण देकर दक्ष बनाने का दायित्व जिन लोगों को सौंपा गया था, वे वही किताबी ज्ञान देते रहे, जिसे प्रशिक्षु शिक्षा संस्थानों से पढ़कर निकले थे, जबकि उन्हें उद्योग में प्रायोगिक ज्ञान की जरूरत थी। इसी ज्ञान से उत्पादकता बढ़ेगी। उत्पादकता बढ़ेगी तो आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी।

आमने-सामने

आमने: सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, "हम मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की मांग करते हैं। पिछले 20 वर्षों में गहन पुनरीक्षण की कमी के कारण, कई नाम ऐसे हैं जो मौजूद नहीं हैं। जो लोग नए पते पर चले गए हैं, उनके नाम अभी भी पुराने और नए दोनों स्थानों पर सूचीबद्ध हैं। मृतक व्यक्तियों के नाम अभी भी सूची में मौजूद हैं।"

सामने: बिहार एसआईआर मुद्दे पर टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, "हम इस बारे में सुनवाई (सुप्रीम कोर्ट में) के बाद ही कह सकते हैं, लेकिन हम विपक्ष और जनता के साथ खड़े हैं कि एसआईआर मामले में चुनाव आयोग ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है, कई एजेंसियों ने अपनी विश्वसनीयता खोदी है। यह स्पष्ट है कि वे किसकी मदद करने की कोशिश कर रहे हैं।"

मतदाता सूची मामला, विपक्ष का विरोध प्रदर्शन

डॉ. आशीष वशिष्ठ

लखनऊ

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पूरा हो चुका है। बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक एसआईआर का विरोध जारी है। हालांकि विपक्ष के तीखे विरोध के बीच चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर बिहार तक ही सीमित नहीं रहेगा। अगले साल पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिर्फ असम में भाजपा सरकार है। शेष राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वे अभी से चौकन्नी हो गई हैं और एसआईआर को एक राष्ट्रीय मुद्दा बना देना चाहती हैं।

वास्तव में विपक्ष रणनीति के तहत एसआईआर पर देशवासियों को गुमराह कर रहा है। सड़क से संसद तक वो एसआईआर का विरोध कर रहा है, और चुनाव आयोग पर अमर्यादित बयानबाजी से लेकर आरोप तक लगा रहा है। जबकि तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि बिहार में एसआईआर का विरोध कर रही पार्टियों ने भी अपने बूथ लेवल एजेंट यानी बीएलए को बढ़-चढ़कर काम में लगाया था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 23 जून को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के पहले कांग्रेस ने केवल 8586 बीएलए लगाए थे। लेकिन 25 जुलाई को प्रक्रिया समापन के वक्त कांग्रेस के 17549 बीएलए नियुक्त रहे। कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध करने के बावजूद इसके लिए 105 फीसदी बीएलए बढ़ाए।

> चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 99 .8 फीसदी यानी 7 .23 करोड़ मतदाता इस रिवीजन प्रक्रिया में कवर हो चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 61 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं।

भाजपा के 53338 बीएलए प्रकिया का हिस्सा बने। राष्ट्रीय जनता दल के 47506 बीएलए प्रक्रिया में शामिल हुए। जनता दल यूनाइटेड के 36550 बीएलए शामिल हुए। लेफ्ट पार्टियों ने एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत में दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन आखिर तक इन पार्टियों ने भी बीएलए की संख्या बढ़ाई। बिहार में 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के कुल 1 लाख 60 हजार 813 बीएलए गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बने। किसी तरह की अनियमितता होने पर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता तुरंत अपना विरोध कर सकते हैं, लेकिन अब तक एक भी ऐसा मामला सामने नहीं आया है जहां विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने इसकी शिकायत की हो। केवल विपक्ष के नेता ही इस तरह की बात कर सनसनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष का असली चेहरा और चरित्र यही है। वो एक ओर देशवासियों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं की साख को धूमिल करने का कुकृत्य करता है, तो वहीं दूसरी ओर कानून प्रक्रियाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा भी लेता है। बिहार ही नहीं देशभर में फर्जी और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय-समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 99.8 फीसदी यानी 7.23 करोड़ मतदाता इस रिवीजन प्रक्रिया में कवर हो चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 61 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 21.6 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 31.5 लाख मतदाता स्थाई तौर पर दूसरे स्थानों-शहरों में बस गए हैं। लगभग सात लाख मतदाताओं के नाम दो स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज हैं।

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव चुनाव बहिष्कार की धमकी दे रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का मुद्दा अपनी स्टाइल में उठा रहे हैं। वो केंद्र की बीजेपी सरकार पर 'वोटों की चोरी' का आरोप लगा रहे हैं। उधर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुले मंच से यह घोषणा कर चुकी हैं कि वे बंगाल में एसआईआर नहीं होने देंगी। विपक्ष के कई दूसरे नेता भी एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जो लोकसभा चुनाव के दौरान मोहब्बत की दुकान, संविधान की रक्षा और संविधान की कॉपियां लेकर देशभर में घूमते थे। और भाजपा पर संविधान विरोधी होने और संविधान बदलने का आरोप लगाते थे। यही इनका मूल चरित्र है। चुनाव आयोग ने केवल दूसरी जगह चले गए मतदाताओं, मृतकों और एक ही व्यक्ति के दो स्थानों पर मतदाता सूची में शामिल होने वाले मतदाताओं का नाम ही मतदाता सूची से हटाने की बात कही है, ऐसे में एसआईआर का विरोध पूरी तरह से अतार्किक है।

चुनाव आयोग नियम कानून के तहत वोटर लिस्ट अपडेट कर रहा है। यह उसकी डयूटी का हिस्सा है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए स्वच्छ और स्पष्ट मतदाता सूची जरूरी है। वास्तव में, मतदाता सूची पर विपक्ष का हंगामा केवल राजनीतिक स्टंट कर जनता का ध्यान अपनी ओर खींचने की कोशिश है। विपक्ष चुनावों में अपनी हार को देखकर अभी से बहाने की तलाश कर रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन और चुनाव आयोग पर बयानबाजी उसी का नतीजा है।

सामयिकी

सर्पपूजा का त्योहार नाग पंचमी

सर्पपूजा का सबसे बड़ा भारतीय त्योहार नागपंचमी है। लोकमानस में जितना प्रभाव सांपों का है वह किसी अन्य जीवजंतु का नहीं। इसका कारण सांपों से जुड़ा आदिम डर है। भय बिनु होई न प्रीति इन सांपों को लेकर भी चरितार्थ है। पुराकाल से ही सांपों के प्रति इसी भय ने अनेक मिथकों को जन्म दिया। कितनी ही लोककथाओं के केंद्र में सांप वर्णित हुआ है। नागपंचमी में प्रमुखतः फन वाले कोबरा का दर्शन पूजन शुभ और अभयदान देने वाला माना गया है। नाग और सर्प दो विभिन्न कोटियां हैं इसका भान हमारे पूर्वजों को था। श्रीमद्भगवद्गीता में कृष्ण स्वयं को अनंताश्चस्मि और सर्पाणाम अस्मि वासुकि बताते हैं। हलांकि विज्ञान सर्प परिवार को नाग और सांप में विभाजित नहीं करता। हां सांपों की भारत में पाई जाने वाली तीन सौ प्रजातियों का उल्लेख अवश्य करता है जिसमें करीब साठ प्रजातियां विषधर हैं। और चार की चौकड़ी-कोबरा (नाग), करैत, रसेल वाईपर और सा स्केल्ड तो महा विषधर हैं।

डॉ. अरविंद मिश्र

वरिष्ठ विज्ञान संचारक

प्राचीन काल में सर्पदंश के उपचार की कोई कारगर औषधि न होने और अवश्यंभावी मानव मृत्यु ने सांपों को लेकर आम लोगों में दहशत का बीजारोपण किया। इसी से सर्पपूजा सर्वव्यापी हुई और सांपों को संस्कृत साहित्य, काव्यों तक में प्रमुखता मिली। अपने पिता की तक्षक नाग के दंश से कुपित कलयुग के पहले राजा जन्मेजय ने सर्पनाश यज्ञ का आयोजन कर डाला। तथापि नाग (सर्प) समूल नाश से बच गए। मुनि आस्तीक ने मनसा, जो सर्पदेवी के रुप में आज भी पूज्य हैं, के हस्तक्षेप से तक्षक को सर्पयज्ञ की आहुति से बचा लिया। मनसा देवी के कई मंदिर भारत में हैं। सर्प आतंक से मुक्ति के लिए श्रीकृष्ण के कालिया मर्दन की कथा भला कौन नहीं जानता। मगर भयोत्पादक सर्प प्राचीन साहित्य में महिमा मंडित अधिक हुआ है। वह विष्णु की शैय्या बना है और शिव के गले का हार। योग क्रिया में तो कुंडलिनी जागरण का विशेष महत्व है जिसमें सर्प का रुपक ही इंगित है।

शिव और विष्णु के आभूषण के रुप में सर्प सदैव वंदनीय रहे हैं। इन श्लोकों में-शांताकारं भुजग शयनम...शिव के लिए नागेंद्रकुंडल, नागेंद्रहार, नागेद्रवलय, नागेंद्रचर्मधर आदि संबोधन हैं। यह भी कि गले रुंडमालम, तनौ सर्पजालम, महाकालकालं, गणेशाधिपालम।.... जटाधारी कंठे भुजगपतिहारी पशुपतिः..... भविष्यपुराण में सांपों पर व्यापक चर्चा है (प्रथम पर्व, अध्याय 33-36)। नागपंचमी महात्म्य का विशेष वर्णन है। शतानीक ऋषि प्रश्नकर्ता हैं और सुमन्तु उत्तर दे रहे हैं। प्रश्नों में सांपों के रुपों, वर्ण, पहचान, जातियों, कुल, योनि, सतयुगीन कद्रू-विनता सर्प माताओं से उनकी उत्पत्ति, विष, दंश पर प्रभूत वर्णन है। सुमन्तु ने गौतम व कश्यप ऋषि के संवाद के हवाले से तमाम सर्प जिज्ञासाओं का शमन किया है।

लोक कथाओं में बाला लखंदर की कथा बंगाली अंचल में बहुश्रुत रही है। नागपंचमी के मूल में एक किसान की कथा आती है जिसने सावन के शुक्ल पक्ष के पांचवे दिन यानि नागपंचमी को ही खेत में हल चलाकर नागिन के बच्चों को मार डाला। प्रतिशोध में नागिन ने किसान के परिवार में सभी को मार डाला और मायके चली गई बेटी को भी मारने जा पहुंची। मगर वहां पहुंच कर उसने देखा कि वह सर्पपूजा में सर्वविध तल्लीन थी। नागिन प्रसन्न हो गई और वरदान के जरिये किसान का पूरा परिवार पुनर्जीवित हो गया। उसी घटना के कृतज्ञता ज्ञापन में नागपंचमी मनाई जाने लगी। कहते हैं कालिया मर्दन भी इसी तिथि को हुआ था।

मैंने बचपन में नागपंचमी के दिन विविध रंगों में रंगे गए डंडों से बाल गोपालों को लेकर तालाबों में गुड़ियों को पीटने का खेल खूब खेला। आज भी गावों में यह आयोजन नागपंचमी को होता है। इस क्रीड़ा का उद्गम क्या है इसका कोई संतुष्टिदायक उत्तर मुझे आजतक नहीं मिला। कहते हैं कि जनमेजय सर्प विनाश अभियान से इसका संबंध है। सर्प/नाग का एक महिमामंडित स्वरुप अनंत यानि शेषनाग का है। सर्पाख्यान भी अनंत है। हरि अनंत हरिकथा अनंता की भांति ही।

सोशल फोरम

व्यवस्था की विफलता और नीति निर्धारण की सुस्ती

शिक्षक कोई भविष्यवक्ता नहीं होता, न ही वह छतों की दरारों में झांककर विधि का विधान पढ़ सकता है। लेकिन जब कोई हादसा होता है, तो सबसे पहले उस पर उंगली उठती है-जैसे उसने ही कक्षा नहीं चलाई, जैसे उसने ही छत नहीं संभाली। यह कितनी क्रूर विडंबना है कि व्यवस्था की विफलताओं का बोझ हम उस कंधे पर डाल देते हैं, जो रोज़ बच्चों के बस्ते उठाते हैं।

प्रवीण त्रिवेदी

फतेहपुर

जिस दिन हादसा हुआ, उसी दिन फाइलों से धूल झाड़ कर निकाली गईं वे सूचियां जो वर्षों से बंद दराजों में दम तोड़ रही थीं। अचानक अफसरों को याद आया कि हज़ारों स्कूल जर्जर हैं। मगर यह ज्ञान किसी आध्यात्मिक जागरण से नहीं, मौत की दस्तक से मिला। और तब शुरू होता है एक ढकोसला-निरीक्षण के नाम पर कागज़ी कसरत, जिसमें विद्यालय भवनों की सेहत कागज़ों पर जांची जाती है, बच्चों की ज़िंदगियां आंकड़ों में तौली जाती हैं।

> हमें समझना होगा कि स्कूल सिर्फ पाठशाला नहीं, बच्चों का भविष्य है। और भविष्य की सुरक्षा तात्कालिक जुगाड़ से नहीं, दीर्घकालीन सोच और नीतिगत प्रतिबद्धता से सुनिश्चित होती है।

सवाल एक इमारत का नहीं है, सवाल सोच की संरचना का है। अगर फाइलों में पहले से दर्ज था कि कौन से भवन खतरनाक हैं, तो उन्हें सुधारने की प्राथमिकता क्यों नहीं बनी? क्या किसी त्रासदी का इंतजार ज़रूरी था ताकि व्यवस्था अपनी चिर-परिचित हरकत में आ सके-मृतकों पर शोक, परिजनों को मुआवज़ा, और फिर वही गहरी नींद?

दरअसल, समस्या इतनी सतही नहीं जितनी दिखाई देती है। शिक्षक पर आरोप लगाना आसान है क्योंकि वह सबसे ज्यादा दृश्य है, सबसे नज़दीक है। लेकिन व्यवस्थागत लापरवाही, नीति निर्धारण की सुस्ती, और ज़िम्मेदार पदों पर बैठे लोगों की असंवेदनशीलता को जब तक शिक्षा के विमर्श में नहीं जोड़ा जाएगा, तब तक ऐसी घटनाएं दोहराई जाएंगी। हमें समझना होगा कि स्कूल सिर्फ पाठशाला नहीं, बच्चों का भविष्य है। और भविष्य की सुरक्षा तात्कालिक जुगाड़ से नहीं, दीर्घकालीन सोच और नीतिगत प्रतिबद्धता से सुनिश्चित होती है। जब तक शिक्षक को व्यवस्था की ढाल और बलि का बकरा बनाए रखा जाएगा, तब तक हर हादसे के बाद फाइलें ही जागेंगी, इंसान नहीं। **-फेसबुक वॉल से**

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharhld@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

इस सप्ताह के व्रत और पर्व

- **30** जुलाई को श्रीकल्कि जयंती
- **31** जुलाई को तुलसीदास जयंती
- **01** अगस्त को मासिक दुर्गा अष्टमी
- **4** अगस्त को सावन का अंतिम सोमवार
- **05** अगस्त को पुत्रदा एकादशी

सत्यम, शिवम, सुंदरम

- सावन माह अब समाप्ति की तरफ है। शिव पुराण के अनुसार भगवान शिव स्वयं ही जल हैं। जो जल सभी प्राणियों में जीवन शक्ति का संचार करता है, वह स्वयं उस परमात्मा शिव का रूप है। इसीलिए गंगाजल के अभिषेक से शिव की आराधना को उत्तम फल प्रदान करने वाला माना जाता है। इसी तरह शिव शब्द का अर्थ 'कल्याण' है। शिव की उपासना मनुष्य के जीवन में 'सत्य' को धारण करके, 'शिवम' अर्थात कल्याणकारी पथ की ओर अग्रसर करके हमारे जीवन को 'सुंदर' स्वरूप प्रदान करती है।

यूपी, उत्तरखंड में सावन के प्रमुख मेले

- सावन में अगर शिव भक्तों और कांवरियों की भारी भीड़ से सबसे बड़ा मेला अगर हरिद्वार में नजर आता है, तो काशी की छटा भी यहां लगने वाले मेले के कारण निराली ही रहती है। काशी विश्वनाथ को भगवान शिव का दूसरा घर माना जाता है। यहां मंदिर में झूला श्रृंगार देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। अयोध्या का सावन झूला मेला भी प्रदेश में बड़ी पहचान रखता है। यह मेला श्रावण मास के शुक्ल पक्ष के तीसरे दिन से शुरू होता है। लखनऊ में मोहान रोड स्थित ऐतिहासिक बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में सावन के बुधवार पर मेला लगता है। अब यहां 30 जुलाई और 6 अगस्त को मेला रहेगा। आगरा में कालिंदी के किनारे पौराणिकता को समेटे कैलाश मंदिर का मेला भी अंग्रेजों के जमाने से आसपास काफी प्रसिद्ध है। इसे लक्खी मेला भी कहा जाता है, और स्थानीय स्तर पर अवकाश घोषित रहता है। लखीमपुर जिसे छोटी काशी भी कहा जाता है, यहां भी सावन भर मेला लगता है।

होइहि सोइ जो राम रचि राखा।
को करि तर्क बढ़ावै साखा॥
अस कहि लगे जपन हरिनामा।
गईं सती जहँ प्रभु सुखधामा॥

जो कुछ राम ने रच रखा है, वही होगा। तर्क करके कौन शाखा (विस्तार) बढ़ाए। (मन में) ऐसा कहकर भोलेनाथ श्री हरि का नाम जपने लगे और सती वहां गईं, जहां सुख के धाम प्रभु श्रीराम थे। यह दोहा गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित 'रामचरितमानस' में बालकांड का है। प्रसंग उस समय का है जब माता सती ने शिव की इस बात पर विश्वास नहीं किया कि श्रीराम ही परम ब्रह्म और ईश्वर हैं और उनकी परीक्षा लेने निकल पड़ीं। शिव जो विश्वास के प्रतीक हैं, सदा सत्य बोलने वाले, त्रिकालदर्शी, देवों के देव, ज्ञानी, योगी, और सती के पति हैं और माता सती जिन्हें सारा संसार सर्वोपरि पतिव्रता के रूप में पूजता है, वही अपने पति शिव के वचनों पर विश्वास नहीं कर पाईं, तब भोलेनाथ ने यह विचार किया कि श्रीराम ने कुछ और ही रचा है और जो कुछ श्रीराम ने रच रखा है, वही होगा।

नेपाल की राजधानी काठमांडू में बागमती नदी के किनारे स्थित पशुपतिनाथ मंदिर भगवान शिव को समर्पित प्रसिद्ध हिंदू मंदिर है। पशुपति का अर्थ है, पशु मतलब 'जीवन' और पति का अर्थ है, 'स्वामी या मालिक'। इसी कारण पशुपतिनाथ को 'जीवन का देवता' या 'सभी प्राणियों का स्वामी' कहा जाता है।

पृथ्वी पर जीवन के देवता हैं पशुपतिनाथ

ऐसी मान्यता है कि जो कोई भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन करता है, उसका जन्म फिर कभी पशु योनि में नहीं होता है। इस मंदिर का इतिहास पूर्व वैदिक काल का माना जाता है। मंदिर की वास्तुकला में पैगोडा शैली और पारंपरिक नेपाली डिजाइनों का मिश्रण देखा जा सकता है। सुनहरी छत, लकड़ी की नक्काशी और पवित्र वातावरण इसे एक अद्वितीय, आध्यात्मिक और धार्मिक आभा प्रदान करता है। यह मंदिर खुले में होने वाले दाह संस्कार के लिए भी प्रसिद्ध है। काठमांडू (नेपाल) स्थित पशुपतिनाथ मंदिर दुनिया भर के हिंदू धर्मावलंबियों का प्रमुख तीर्थ स्थल है। ऐसी मान्यता है कि भगवान शंकर के देह स्थल केदारनाथ और मुख स्थल पशुपतिनाथ के दर्शन के बाद ही 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त होता है। पशुपतिनाथ मंदिर को नेपाल की धार्मिक, सांस्कृतिक विरासत के साथ आर्थिक विकास का बड़ा स्रोत माना जाता है। शिवालयों का महत्व आम तौर पर सावन और शिवरात्रि में काफी बढ़ जाता है, लेकिन पशुपतिनाथ मंदिर का दृश्य और वातावरण हर दिन खास होता है। यहां पूरे साल श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। सावन भर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता है। इस बार सावन के प्रथम सोमवार को लाखों श्रद्धालु पहुंचे थे। भारत के कोने-कोने से लोग पहुंचकर पशुपतिनाथ का जलाभिषेक करते हैं।

चतुर्मुख लिंग के रूप में हुआ प्रकटीकरण

पौराणिक कथा के अनुसार भगवान शिव यहां पर चिंकारे का भेष धारण कर निद्रा में बैठे थे। बहुत खोजने के बाद वह देवताओं को मिले। देवताओं ने उन्हें वाराणसी ले जाने का बहुत प्रयास किया। इस दौरान बागमती नदी के दूसरे किनारे तक भागते हुए उनका सींग चार टुकड़ों में टूट गया। इसके बाद भगवान पशुपति चतुर्मुख लिंग के रूप में यहां प्रकट हुए थे। पशुपतिनाथ लिंग विग्रह में चार दिशाओं में चार मुख और ऊपरी भाग में पांचवां मुख है। प्रत्येक मुखाकार के दाएं हाथ में रुद्राक्ष की माला और बाएं हाथ में कमंडल है। प्रत्येक मुख अलग-अलग महत्व के हैं। इन सभी पांच मुखाकृतियों के पूजा का अलग-अलग महत्व है।

केदारनाथ का माना जाता है आधा भाग

- पशुपतिनाथ मंदिर के प्रकटीकरण का कोई इतिहास नहीं फिर भी इसका महत्व सर्वव्यापी और सर्वविदित है। मान्यता है कि यहां आदि काल से ही शिव की उपस्थिति है। पशुपतिनाथ को शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक, केदारनाथ का आधा भाग माना जाता है।

अनवरत जारी रहता है दाह संस्कार

- पशुपतिनाथ मंदिर नेपाल की राजधानी काठमांडू से तीन किलोमीटर उत्तर-पश्चिम देवपाटन गांव में बागमती नदी के समीप स्थित है। इस नदी को मोक्षदायिनी कहा जाता है। मंदिर के पश्चिम और दक्षिण छोर पर हिंदुओं के शवों का अंतिम संस्कार होता है। यहां चिताओं का जलना अनवरत जारी रहता है।

अघोर, तत्पुरुष अर्धनारीश्वर सद्योजात और ईशान मुख

पशुपतिनाथ लिंग विग्रह में चारों दिशाओं में स्थापित चार मुखों में पहला 'अघोर' मुख है, जो दक्षिण दिशा की ओर है। पूर्व मुख को 'तत्पुरुष' कहते हैं। उत्तर मुख 'अर्धनारीश्वर' का रूप है। पश्चिमी मुख को 'सद्योजात' कहा जाता है। ऊपरी भाग 'ईशान' मुख के नाम से जाना जाता है। यह निराकार मुख है। यही भगवान पशुपतिनाथ का श्रेष्ठतम मुख माना जाता है।

रुद्राभिषेक का खास महत्व हर पूजा के लिए शुल्क

पशुपतिनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक का खास महत्व है। पहले रुद्राभिषेक या और कोई पूजा कराने के लिए पुजारियों की दक्षिणा स्वैच्छिक थी। लेकिन अब मंदिर प्रशासन ने इसके लिए सेवा शुल्क तय कर दिया है। विशेष पूजा के लिए एक अलग प्रकोष्ठ बनाया गया है। यहां चढ़ावा या पूजा शुल्क का बड़ा हिस्सा मंदिर के रखरखाव, कर्मचारियों के वेतन पर भी खर्च होता है।

पशुपतिनाथ मंदिर में कोई वीआईपी दर्शनार्थी नहीं होता। नेपाल का बड़ा से बड़ा आदमी या राजनेता भी आ जाए तो आम श्रद्धालुओं के दर्शन में कोई व्यवधान नहीं होता। यहां तक कि राष्ट्रपति के आगमन पर भी मंदिर के भीतर सब कुछ सामान्य चलता रहता है।

दक्षिण भारतीय भट्ट पुजारियों की नियुक्ति की परंपरा

नेपाल के राजाओं ने 1747 से ही पशुपतिनाथ मंदिर में भगवान की सेवा के लिए भारतीय ब्राह्मणों को आमंत्रित किया था। सर्वप्रथम दक्षिण भारतीय ब्राह्मण को 'पशुपतिनाथ मंदिर' का प्रधान पुरोहित नियुक्त किया गया। दक्षिण भारतीय भट्ट ब्राह्मण ही इस मंदिर के प्रधान पुजारी नियुक्त होते रहे हैं, और इन्हें ही मंदिर के शिवलिंग को स्पर्श करने का अधिकार है। 2009 में माओवादियों ने पशुपतिनाथ मंदिर में घुसकर भारतीय पुजारियों का विरोध करते हुए उनके साथ दुर्व्यवहार किया था। लेकिन नेपाल की तत्कालीन सरकार ने सूझबूझ से इसे संभाल लिया था। मंदिर में भारतीय भट्ट पुजारियों के नियुक्ति की परंपरा लगातार कायम है।

लेखक : यशोदा श्रीवास्तव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। कई राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्रों और पत्रिकाओं से जुड़े रहे। भारत-नेपाल मामलों के जानकार हैं।

कुदरकोट से रुक्मिणी का हरण कर ले गए थे श्रीकृष्ण

कानपुर से करीब 90 किमी दूर स्थित है औरैया जिला। यहां बिधूना विकास खंड में एक गांव है, कुदरकोट। इसे कभी कुंदनपुर नाम से जाना जाता था। इस गांव की मान्यता द्वारिकाधीश श्रीकृष्ण की ससुराल के रूप में है। पौराणिक कथा के अनुसार कुंदनपुर के राजा भीष्मक की पुत्री रुक्मिणी का विवाह श्रीकृष्ण से हुआ था। श्रीमद्भागवत पुराण में आए उल्लेख के अनुसार लगभग पांच हजार वर्ष पूर्व कुंडिनपुर (मौजूदा कुदरकोट) में धर्मप्रिय राजा भीष्मक का शासन था। उनके पांच पुत्र रुक्मी, रुक्मरथ, रुक्मबाहु, रुक्मकेस तथा रुक्ममाली के अलावा एक पुत्री रुक्मिणी थी। भीष्मक के बेटे रुक्मी की मित्रता शिशुपाल से थी। इसके चलते वह अपनी बहन रुक्मिणी का विवाह शिशुपाल से कराना चाहता था। इसके विपरीत राजा भीष्मक व पुत्री रुक्मिणी की इच्छा श्रीकृष्ण से विवाह करने की थी। लेकिन राजा भीष्मक की अपने पुत्र रुक्मी के आगे नहीं चली, विवश होकर उन्होंने बेटी रुक्मिणी का विवाह शिशुपाल के साथ तय कर दिया, किंतु रुक्मिणी ने शिशुपाल के साथ शादी करने से इंकार कर दिया और द्वारका नगरी में श्रीकृष्ण के पास एक दूत भेजकर खुद को हरण करने का आग्रह किया। श्रीकृष्ण ने रुक्मिणी का संदेश स्वीकार कर लिया। पौराणिक उल्लेख के अनुसार श्रीकृष्ण आए और पांडु नदी को पार करके रुक्मिणी का हरण करके अपने साथ द्वारका ले गए और वहां विवाह करके उन्हें अपनी रानी बनाया। श्रीकृष्ण के रुक्मिणी का हरण करने को लेकर प्रचलित कथा यह है कि कुंदनपुर में उस समय परंपरा थी कि विवाह से पूर्व कुंवारी लड़कियां किले में बने गौरी मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जाती थीं। शिशुपाल से विवाह तय होने के बाद रुक्मिणी भी गौरी मंदिर में पूजा के लिए गई थीं, इसी दौरान श्रीकृष्ण उन्हें अपने साथ ले गए थे। कहा जाता है कि मंदिर में स्थापित मां गौरी की मूर्ति रुक्मिणी के हरण के बाद अलोप हो गई थी। इसी कारण तब से यह स्थान अलोपा देवी के नाम से प्रसिद्ध हो गया। बाद में यहां अलोपा देवी का मंदिर बनाया गया। गौरी मंदिर से पश्चिम दिशा में राजा भीष्मक ने पुरहा नदी के किनारे एक शिवलिंग की स्थापना कराई थी, जो भगवान भयानक नाथ मंदिर के नाम से बिधूना-भरथना मार्ग पर मौजूद है। मान्यता है कि अज्ञातवास के समय पांडव (युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल व सहदेव) अपनी मां कुन्ती के साथ इस मंदिर पर कुछ समय के लिए रुके थे। इस दौरान उनके द्वारा राजा भीष्मक द्वारा स्थापित शिवलिंग की पूजा अर्चना भी की गई थी। इसके चलते इसे सिद्ध शिवलिंग माना जाता है और आसपास के क्षेत्र में सावन में जलाभिषेक करने पर मनोकामना पूरी होने की मान्यता है।

वर्तमान में कुदरकोट गांव जो कभी कुंडिनपुर था, बाद में कुंदनपुर के नाम से जाना गया। इतिहासकारों के अनुसार तत्कालीन कुंदनपुर कस्बे पर जब मुगलों का शासन हुआ तब इसका नाम बदलकर कुदरकोट कर दिया गया था। मुगलों ने इस स्थान का पौराणिक महत्व जानकर भौगोलिक स्थिति बदलने का प्रयास किया, लेकिन आज भी यहां राजा भीष्मक के 50 एकड़ में फैले महल के अवशेष दिखाई पड़ते हैं। आज जिस स्थान पर माध्यमिक विद्यालय स्थित है, वहां पर कभी राजा भीष्मक के महल का मुख्य प्रवेश द्वार था।

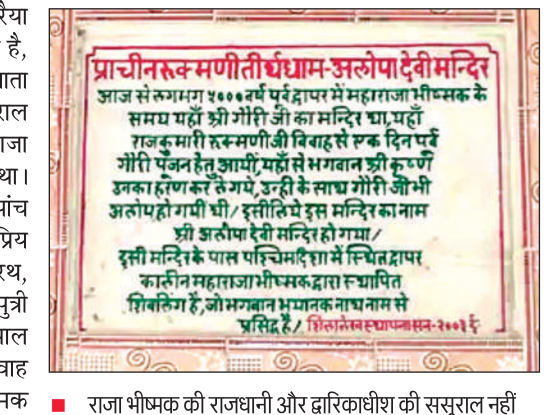

- राजा भीष्मक की राजधानी और द्वारिकाधीश की ससुराल नहीं बन पाई मथुरा और वृंदावन जैसा पौराणिक स्थल
- किला परिसर में स्थापित मां गौरी की मूर्ति रुक्मिणी हरण के बाद अलोप हो गई थी, अब यहां पर है अलोपा देवी का मंदिर
- सावन में भयानक नाथ मंदिर के शिवलिंग पर जल चढ़ाने की मान्यता, अज्ञातवास के दौरान रुके थे यहां पांडव

लेखक: समिधा मिश्रा

कानपुर, लेखिका पूर्व बैंक अधिकारी हैं और वर्तमान में कृपालु महाराज की शिष्या के रूप में समर्पित हैं।

बोध कथा

दया का महत्व

गौतम ऋषि ने मनुष्य के लिए आवश्यक संस्कारों का निर्देश देते हुए आठ आत्मगुणों पर बल दिया है। उन्होंने 'दया सर्वभूतेषु'- सभी मनुष्य मात्र पर दया को प्रथम स्थान प्रदान किया है। दया का भाव क्या है? दुःखीजनों का दुःख दूर करने की अभिलाषा को दया कहते हैं। बिना दया के इस संसार का संचालन सम्भव ही नहीं है। बालक का जन्म होते ही माता सर्वप्रथम उस पर दया करती है। माता की सदैव इच्छा रहती है कि मेरा बच्चा कभी भूखा न रहे, बीमार न पड़े, मुस्कुराता व साफ-स्वच्छ रहे। इसी दया से प्रेरित होकर वह स्वयं अनेक कष्ट सहकर बच्चे का लालन-पोषण करती है। गुरु यदि दया कर दे तो सामान्य शिष्य भी शास्त्र-पारंगत हो सकता है। दयावान के शासन में समस्त प्रजा अपने को सुखी स्वीकार करती है। हममें दया है, लेकिन वह सीमित है। मनुष्य ज्ञानवान अवश्य है, परन्तु सर्वज्ञ नहीं। अज्ञानवश मनुष्य किसी से राग और किसी से द्वेष करता है। इसीलिए संसारी मनुष्य की दया की सीमा होती है। ज्ञान के सन्दर्भ में शास्त्र का मत है कि मनुष्य का ज्ञान सीमित होने से ईश्वर का अस्तित्व सिद्ध हो जाता है। आकाश सीमा में बंधा हुआ नहीं है। कहीं भी हम आकाश के अभाव का अनुभव नहीं कर सकते। जहां पर परिपूर्ण ज्ञान सिद्ध हो, वहीं ईश्वर है ऐसा स्वीकार करना चाहिए। हमारी सीमित दया का भी कोई प्रतियोगी अवश्य है, जो अव्यक्त, नित्य एवं सर्वज्ञ है, वही समान रूप से सम्पूर्ण जीवों का हित करता है। लौकिक माता-पिता तो अपने परिवार पर ही दया करते हैं, परन्तु प्रभु तो सर्वत्र दया करते हैं।

प्रभु सारे संसार के पिता हैं। वे भक्तों के अन्तःकरण में बैठकर अपने ज्ञानदीप से हमें अकाश दे रहे हैं। हम कष्ट आने पर दूसरों से दया चाहते हैं। आचार्य गोरेलाल जी कहते हैं" भगवान शिव ! हम जैसे याचकों की कामनाएं पूर्ण करने वाले, आपके रहते हुए यदि हम याचक - मुद्रा प्रदर्शित करते हुए दूसरे का अनुसरण करते हैं, तो हमारी जैसी ही स्थिति होगी, जैसी दूध दुहने की इच्छा से कामधेनु के रहते हुए दुलत्ती मारने वाली ऊंटनी का अनुसरण करने से होती है।" प्रभु भक्ति मात्र से सन्तुष्ट होकर कष्टों का निवारण करते हैं। भगवान की भव्य-भक्ति का आश्रय लेकर उनकी दया प्राप्त करने से ही मनुष्य-जन्म सार्थक होगा।

लेखक: डॉ. विजय प्रकाश त्रिपाठी, कानपुर

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	80,891.02	24,680.90
गिरावट	572.07	156.10
प्रतिशत में	0.70	0.63

सोना : 98,020 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,13,000 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, मंगलवार, 29 जुलाई 2025
www.amritvichar.com

बिजीनेस ब्रीफ

अदाणी ग्रीन की दो परियोजनाएं रद्द

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार ने अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) की दो पंप हाइड्रो भंडारण बिजली परियोजनाओं (पीएसपी) – 1,200 मेगावाट की कुरुकुट्टी और 1,000 मेगावाट की करींवालासा – को कंपनी के अनुरोध पर स्थानीय मुद्दों के कारण रद्द कर दिया है। एक शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक सरकारी आदेश (जीओ) में मुख्य सचिव के विजयानंद ने कहा कि एजीईएल ने आंध्र प्रदेश और ओडिशा के बीच सीमा विवाद के कारण इन परियोजनाओं को रद्द करने के लिए सरकार को पत्र लिखा था।

पाकिस्तान के साइबर हमलों को किया नाकाम

श्रीनगर। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर बैंक की वेबसाइट पर पाकिस्तान से कई साइबर हमले हुए, लेकिन मजबूत सुरक्षा प्रणाली के कारण ऐसे सभी प्रयास विफल हो गए। जम्मू-कश्मीर (जेएंडके) बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताव चटर्जी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद ही पड़ोसी देशों और अन्य जगहों से साइबर हमले शुरू हो गए थे। बैंक ने एहतियाती कदम उठाए हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था बढ़ोतरी की ओर कर्ज वृद्धि में नरमी बनी चिंता का विषय

वित्त मंत्रालय ने कहा- अमेरिका में कमजोर आर्थिक वृद्धि दर निर्यात की मांग कम कर सकती

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर रुख के साथ वृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ रही है। हालांकि, कर्ज वृद्धि में सुस्ती जरूर चिंता का विषय है। मंत्रालय ने अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में घरेलू आपूर्ति और मांग की बुनियाद मजबूत दिखाई दे रहे हैं।

मुद्रास्फीति लक्ष्य के दायरे में रहने और मानसून में अच्छी प्रगति के साथ घरेलू अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत मजबूती के साथ वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में प्रवेश की है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर तनाव और नहीं बढ़ा है, लेकिन वैश्विक नरमी, विशेष रूप से अमेरिका में कमजोर आर्थिक वृद्धि दर भारतीय निर्यात की मांग को और कम कर सकती है। अमेरिकी की आर्थिक वृद्धि दर 2025 की पहली तिमाही में 0.5 प्रतिशत घटी है। मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया, अमेरिकी शुल्क के मोर्चे पर जारी अनिश्चितता आने वाली तिमाहियों में भारत के व्यापार प्रदर्शन पर भारी पड़ सकती है। धीमी ऋण वृद्धि और निजी निवेश आर्थिक गति में तेजी को सीमित कर सकता है। इसके अलावा, थोक मूल्य सूचकांक में गिरावट के रुख को देखते हुए, बाजार मूल्य पर आर्थिक गति पर गौर करने की जरूरत होगी। स्थिर मूल्य पर आर्थिक गतिविधियां वास्तविकता से कहीं अधिक बेहतर दिखाई दे सकती हैं।

समीक्षा में कहा गया, कुल मिलाकर, जहां तक वित्त वर्ष 2025-26 का सवाल है, अर्थव्यवस्था स्थिर रुख के साथ वृद्धि के रास्ते पर अपनी गति को बनाये हुए है। मंत्रालय ने कहा कि मौद्रिक नीति के स्तर पर नरमी और बैंकों के मजबूत बही-खातों के बावजूद, कर्ज वृद्धि धीमी हुई है। यह स्थिति कर्ज लेने वालों की सतर्क भावना और संभवतः कर्ज देने वालों के जोखिम से बचने के रुख को बताती है। मासिक समीक्षा के अनुसार, कम उधारी लागत के कारण कंपनियों के बीच बॉन्ड बाजार, विशेष रूप से वाणिज्यिक पत्रों के प्रति बढ़ती रुचि भी इस बदलाव का कारण हो सकता है।

3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहित करना है

मंत्रालय ने कहा कि रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना जैसे उपायों के साथ, अब समय आ गया है कि कंपनियां इस दिशा में कदम बढ़ाएं। कुल 99,446 करोड़ रुपये के व्यय के साथ, ईएलआई योजना का उद्देश्य विनिर्माण क्षेत्र पर विशेष ध्यान देते हुए, दो वर्षों की अवधि में देश में 3 .5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहित करना है। व्यापार तनाव, वैश्विक स्तर पर अस्थिरता और बाहरी अनिश्चितताओं जैसी वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, भारत की वृहद आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है।

एफटीएः पेटेंट नियमों में बदलाव न होने से जेनेरिक दवा क्षेत्र को बड़ी राहत

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच पिछले सप्ताह हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में पेटेंट अवधि बढ़ाने या डेटा की विशिष्टता को अनिवार्य नहीं किया गया है। वाणिज्य मंत्रालय के एक दस्तावेज से यह जानकारी सामने आई है। इस कदम से भारत के घरेलू जेनेरिक दवा उद्योग के हितों को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। ब्रिटेन एफटीए में डेटा की विशिष्टता का प्रावधान शामिल करने की लगातार मांग कर रहा था। लेकिन भारत ने इस मांग को मानने से इनकार कर दिया है।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि एफटीए में पेटेंट अवधि के विस्तार या डेटा की विशिष्टता को अनिवार्य नहीं किया गया है। छोटे-मोटे बदलावों के साथ उत्पाद का पेटेंट अपने पास रखने के लिए दवा कंपनियां ये दोनों तरीके अपनाती हैं। भारत और ब्रिटेन के बीच 24 जुलाई को लंदन में मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। हालांकि, इस समझौते को लागू होने में एक साल का समय लग सकता है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि भारतीय पेटेंट अधिनियम की धारा 3(डी) के तहत पेटेंट पात्रता मानकों पर भारत के पेटेंट कानून प्रावधान पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि 10 माह के निचले स्तर पर

- जून में सुस्त पड़कर 1.5 प्रतिशत पर पहुंची, खनन और बिजली क्षेत्रों में कमजोर प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

खनन और बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन के कारण देश के औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि इस साल जून महीने में सुस्त पड़कर 10 महीने के निचले स्तर 1.5 प्रतिशत पर रही। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ें में यह जानकारी दी गई। मानसून के जल्दी आने से खनन और बिजली क्षेत्र की गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के रूप में मापा जाने वाला औद्योगिक उत्पादन बीते साल जून में 4.9 प्रतिशत की दर से बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने मई के औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर के आंकड़े को भी संशोधित कर 1.9 प्रतिशत कर दिया है, जबकि पहले इसके 1.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। अगस्त, 2024 के बाद औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सबसे कम है। उस समय इसकी वृद्धि स्थिर रही थी। एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन वृद्धि जून, 2025 में मामूली रूप से बढ़कर 3.9 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 3.5 प्रतिशत थी। खनन उत्पादन में 8.7 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी।

बिजली उत्पादन में जून, 2025 में 2.6 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में इसमें 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन में दो प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में इसमें 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 572 अंक लुढ़का

- भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चतता के बीच बाजार में गिरावट आई

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में सोमवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। बीएसई सेंसेक्स जहां 572 अंक लुढ़क गया, वहीं एनएसई निफ्टी 156 अंक के नुकसान में रहा। कोटक महिंद्रा बैंक में भारी बिकवाली और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चतता के बीच बाजार में गिरावट आई।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 572.07 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,891.02 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 686.65 अंक तक लुढ़क गया था। पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 156.10 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,680.90 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर नुकसान में जबकि 15 बढ़त में रहे। विश्लेषकों के अनुसार, निराशाजनक तिमाही नतीजों और एफआईआई की लगातार बिकवाली से शेयर बाजार में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट आई। इस दौरान निफ्टी दो प्रतिशत यानी 539 अंक से ज्यादा लुढ़क गया, जबकि सेंसेक्स 1,835 अंक यानी 2.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ लगभग दो महीने के निचले स्तर पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में 7.31 प्रतिशत की गिरावट आई।

टीसीएस में छंटनी पर सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की नजर

- 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा के बाद से लगातार कंपनी के संपर्क में मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी किए जाने की घोषणा के बाद की स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि मंत्रालय टीसीएस मामले में पूरी स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहा है और लगातार कंपनी के संपर्क में है।

सूत्रों के मुताबिक, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इस घटनाक्रम को लेकर चिंतित है और इस फैसले के पीछे की असली वजह को समझने के लिए इसकी जांच करेगा। सरकार का यह रुख इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टीसीएस ने इस साल 12,261 कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है जो उसके कुल वैश्विक कार्यबल का दो प्रतिशत है। इस कदम का सबसे ज्यादा असर मध्यम और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों पर पड़ेगा। कुल कर्मचारियों की संख्या 30 जून, 2025 तक 6,13,069 थी। हाल ही में समाप्त जून तिमाही में इसने अपने कर्मचारियों की संख्या में 5,000 की बढ़ोतरी की थी।

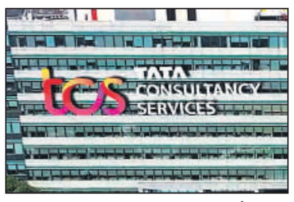

भारतीय कंपनियों की राजस्व वृद्धि पहली तिमाही में 4-6 प्रतिशत रहने का अनुमान

- क्रिसिल इंटेलिजेंस ने लगाया अनुमान, यह आंकड़ा पिछली दो तिमाहियों से लगभग सात प्रतिशत से कम

नई दिल्ली, एजेंसी

चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में भारत के कॉरपोरेट क्षेत्र की राजस्व वृद्धि दर मामूली रूप से 4-6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने यह अनुमान लगाया है। यह आंकड़ा पिछली दो तिमाहियों से लगभग सात प्रतिशत से कम है। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने बयान में कहा कि विश्लेषण में शामिल 600 से अधिक कंपनियों के राजस्व में बिजली, कोयला, आईटी सेवाओं और इस्पात क्षेत्रों की हिस्सेदारी एक-तिहाई है।

पांच क्षेत्रों - दवा, दूरसंचार सेवाएं, संगठित खुदरा, एल्युमीनियम और एयरलाइन - ने पहली तिमाही में भारतीय कंपनियों की राजस्व वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। क्रिसिल इंटेलिजेंस के निदेशक पुशन शर्मा ने कहा, मानसून के जल्दी आने और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण अप्रैल-जून में कुछ क्षेत्रों पर गहरा प्रभाव पड़ने का अनुमान है। बारिश के कारण पड़ी हल्की गर्मी ने बिजली की मांग को कम कर दिया। इसके चलते बिजली क्षेत्र के राजस्व में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत की गिरावट देखी जा रही है। शर्मा ने कहा कि कम मांग ने बिजली की हाजिर कीमतों को भी नीचे ला दिया, और कोयले की मांग में 2-3 प्रतिशत की कमी आई। उन्होंने कहा, ''दूसरी ओर, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने आईटी सेवा क्षेत्र को प्रभावित किया है। इस क्षेत्र में शुल्क संबंधी चिंताओं के कारण परियोजनाओं में देरी के कारण राजस्व वृद्धि सालाना आधार पर स्थिर देखी जा रही है, जिससे गतिविधियों में सुस्ती आई है। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने कहा कि इस्पात क्षेत्र के राजस्व में सालाना आधार पर 1-3 प्रतिशत की मामूली वृद्धि होने की उम्मीद है।

राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा, नहीं चल पाई कार्यवाही

बिहार में मतदाता सूचियों के एसआईआर सहित विभिन्न मुद्दों पर गतिरोध जारी

मानसून सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण राज्यसभा में पिछले सप्ताह से जारी गतिरोध सोमवार को बरकरार रहा और बैठक को दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बज कर दो मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया। हंगामे की वजह से उच्च सदन में आज भी शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो पाया।

संसद के मानसून सत्र के दौरान बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते विपक्षी नेता।

गत सप्ताह 21 जुलाई से शुरू हुए मानसून सत्र के दौरान विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण उच्च सदन में कोई कामकाज सामान्य ढंग से नहीं हो पाया है। इससे पहले, अपराह्न 11 बजे बैठक शुरू होने पर तमिलनाडु से अन्नाद्रमुक के दो सदस्यों एन धनपाल तथा आई एस इनबादुरै को राज्यसभा की सदस्यता की शपथ दिलाई गई। धनपाल तथा इनबादुरै ने तमिल में शपथ ली। इसके बाद उप सभापति हरिवंश ने बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत नियत कामकाज स्थगित कर विभिन्न मुद्दों पर तत्काल चर्चा के लिए 26 नोटिस मिले हैं। उन्होंने बताया कि ये नोटिस एसआईआर, बंगाली प्रवासी कामगारों के साथ दूसरे राज्यों में कथित दुर्व्यवहार, उत्तर प्रदेश में सरकारी स्कूलों का विलय कर सूचना का अधिकार अधिनियम का कथित उल्लंघन और छत्तीसगढ़ में दो ननों की गिरफ्तारी के मुद्दों को लेकर हैं।

हरिवंश ने कहा कि ये सभी नोटिस पूर्व में आसन द्वारा दी गई व्यवस्था के आलोक में समुचित नहीं पाए गए, इसलिए इन्हें स्वीकार नहीं किया गया। अपने नोटिस खारिज किए जाने पर विरोध जताते हुए विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। कुछ सदस्य अपने स्थानों से आगे आ गए। उप सभापति ने सदस्यों से शांत रहने और अपने स्थानों पर लौट जाने के लिए कहा। उन्होंने शून्यकाल के तहत नाम निर्देशित सदस्य सुधा मूर्ति से अपना मुद्दा उठाने को कहा।

सत्तापक्ष के लोग मणिपुर की घटना, सैन्य अधिकारी पर टिप्पणी के खिलाफ भी खड़े होते तो अच्छा होता: डिंपल

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने अपने ऊपर एक मौलाना द्वारा आपत्तिजनक टिप्पणी करने के खिलाफ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों के प्रदर्शन को लेकर सोमवार को कहा कि अच्छा होता कि सत्तापक्ष के लोग मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई घटना और सेना की एक महिला अधिकारी पर भाजपा नेताओं की विवादित टिप्पणियों को लेकर भी इसी तरह खड़े होते। उन्होंने यह भी कहा कि अच्छी बात है कि उनके खिलाफ टिप्पणी मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। साजिद रशीदी नामक एक मौलाना ने एक टेलीविजन चैनल के कार्यक्रम में डिंपल यादव के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उनके खिलाफ लखनऊ में एक मामला दर्ज किया गया है। डिंपल यादव के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में राजग के कई सांसदों ने संसद भवन के 'मकर द्वार' के निकट विरोध प्रदर्शन किया। सत्तापक्ष के विरोध प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर डिंपल ने कहा, अच्छा होता कि मणिपुर में घटना, जिसका वीडियो सोशल मीडिया में आया था, के खिलाफ खड़े होते तो अच्छा होता। ऑपरेशन सिंदूर के समय भाजपा के कई बड़े-बड़े नेताओं द्वारा सेना की अधिकारी (सोफिया कुरैशी) के खिलाफ किस तरह से बात की गई। अगर ये (सत्तापक्ष के सांसद) उनके साथ खड़े दिखाई देते तो अच्छा होता।

कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ टिप्पणीः सार्वजनिक माफी न मांगने पर मप्र के मंत्री को सुप्रीम फटकार

- पीठ ने कहा- वह अदालत के धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह को भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ उनकी टिप्पणी को लेकर सार्वजनिक रूप से माफी न मांगने पर सोमवार को फटकार लगाई और कहा वह कोर्ट के धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि मंत्री का व्यवहार अदालत को उनकी मंशा पर संदेह पैदा करने के लिए मजबूर कर रहा है। पीठ ने कहा, इस तरह की माफी से आपका क्या मतलब है? उन्होंने पहली तारीख को ही यह बयान दे दिया था। हम एक सार्वजनिक माफी की बात कर रहे हैं। यह रिकॉर्ड में कहां है? वह हमारे धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं। शाह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता के. परमेश्वर ने कहा कि उनके मुवक्किल ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है जिसे ऑनलाइन मंच पर साझा किया गया था और इसे अदालत के रिकॉर्ड में रखा जाएगा। पीठ ने कहा, ऑनलाइन माफी क्या होती है? हमें उनकी मंशा पर संदेह होने लगा है। आप माफीनामा रिकॉर्ड में रखें। हमें इसे देखना होगा।

पीठ ने बयानों की जांच के लिए गठित एसआईटी को 13 अगस्त तक रिपोर्ट न्यायालय में दाखिल करने को कहा। एसआईटी के एक अधिकारी सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट लेकर अदालत में पेश हुए, जिसमें कहा गया कि जांच दल द्वारा पूछताछ किए गए 27 लोगों के बयानों की पड़ताल की जा रही है।

ममता ने पिछले दरवाजे से एनआरसी लाने पर भाषा आंदोलन किया शुरू

बोलपुर (पश्चिम बंगाल), एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा विरोधी अपने आक्रामक अभियान को तेज करते हुए सोमवार को 'भाषा आंदोलन' शुरू किया। ममता ने केंद्र और निर्वाचन आयोग पर एनआरसी को 'पिछले दरवाजे से' लागू करने की साजिश रचने और बांग्लाभाषी प्रवासियों के खिलाफ 'भाषाई आतंकवाद' करने का आरोप लगाया।

उन्होंने नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित सांस्कृतिक स्थल बोलपुर से राज्यव्यापी 'बांग्ला भाषा आंदोलन' की शुरुआत करते हुए घोषणा की कि वह जान दे देंगी, लेकिन अपनी भाषा नहीं छोड़ेंगी। उन्होंने मतदाता सूची संशोधन की आड़ में बंगाली अस्मिता को मिटाने, गरीबों को मताधिकार से वंचित करने या प्रवासियों को बाहर निकालने के प्रयासों के खिलाफ खड़े होने का संकल्प लिया।

पंजाब में वैन के नहर में गिरने से 8 की मौत

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना जिले में जगेरा पुल के पास एक वैन के सरहिंद नहर में गिरने से उसमें सवार आठ लोगों की मौत हो गई। यह घटना रविवार रात को हुई, जब लगभग 30 श्रद्धालुओं का एक समूह हिमाचल प्रदेश स्थित माता नैना देवी मंदिर के दर्शन करके लौट रहा था।

पुलिस ने बताया कि वैन नहर में तब गिर गई, जब उसके चालक ने एक अन्य वाहन से आगे निकलने की कोशिश करते समय गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया। पायल के पुलिस उपाधीक्षक हेमंत मल्होत्रा ने बताया कि सरहिंद नहर से दो और शव बरामद होने के साथ ही मृतकों की संख्या आठ हो गई है।

पश्चिम बंगाल ओबीसी सूची को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर रोक

- सीजेआई ने कहा- प्रथम दृष्टया आदेश त्रुटिपूर्ण प्रतीत होता है

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार को राहत देते हुए सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के 17 जून के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की संशोधित सूची के कार्यान्वयन को स्थगित कर दिया गया था।

सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई करते हुए कहा, प्रथम दृष्टया उच्च न्यायालय का आदेश त्रुटिपूर्ण प्रतीत होता है। प्रधान न्यायाधीश ने सुझाव दिया कि यदि पक्षकार इच्छुक हों तो वे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध कर सकते हैं कि वे इस मुद्दे पर छह सप्ताह के निर्धारित समय सीमा में निर्णय करने के लिए एक नई पीठ गठित करें। इससे पहले पीठ ने राज्य सरकार का पक्ष रखने के लिए पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलों पर संज्ञान लेते हुए कहा, यह आश्चर्यजनक है। उच्च न्यायालय ऐसा आदेश कैसे दे सकता है? आरक्षण कार्यपालिका के कार्य का हिस्सा है।

कोर्ट ने बांके बिहारी मंदिर समिति से कहा- पता करें सरकारों ने कितने मंदिरों को अपने अधिकार में लिया

- श्री बांके बिहारी जी मंदिर न्यास अध्यादेश-2025 के खिलाफ दायर याचिका पर पीठ ने की सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा स्थित ऐतिहासिक बांके बिहारी मंदिर की प्रबंधन समिति से कहा कि वह पता करे कि भारत में कितने मंदिरों का प्रशासनिक नियंत्रण सरकारों ने कानूनों के जरिये अपने हाथ में ले लिया है। शीर्ष अदालत ने प्रबंधन समिति की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से पूछा, सरकार ने, राज्य ने, कितने सैकड़ों मंदिरों का नियंत्रण अपने हाथ में लिया है? उन्हें जो भी दान मिल रहा हो... बेहतर होगा कि आप वहां जाएं और पता करें।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसे उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर न्यास अध्यादेश-2025 के खिलाफ दायर किया गया है। मथुरा स्थित ठाकुर श्री बांके बिहारी जी महाराज मंदिर की प्रबंधन समिति की ओर से अधिवक्ता तन्वी दुबे के जरिये दायर याचिका में इस अध्यादेश को चुनौती दी गई है जिसमें मंदिर के प्रशासन का नियंत्रण राज्य सरकार को सौंप दिया गया है। जब उसे सूचित किया गया कि मंदिर से संबंधित एक अन्य आवेदन अलग पीठ के समक्ष लंबित है, तो शीर्ष अदालत ने कहा कि दोनों मामलों को एकल पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने के लिए भारत के प्रधान न्यायाधीश के आदेश की आवश्यकता है। सुनवाई की शुरुआत में पीठ ने सवाल किया कि याचिकाकर्ता इलाहाबाद हाईकोर्ट के बजाय सीधे शीर्ष अदालत क्यों गए।

वर्ल्ड ब्रीफ

ओडिशा: 20,000 रुपये में बेच दी नवजात बच्ची

भुवनेश्वर। ओडिशा के बलांगीर जिले में पुलिस ने सोमवार को एक 28 दिन की नवजात बच्ची को बचाया जिसे उसके माता-पिता ने अत्यधिक गरीबी के कारण 20 हजार रुपये के लिए बेच दिया था। टिटलागढ़ के उपमंडल पुलिस अधिकारी कल्याण बेहरा ने बताया कि पुलिस ने पड़ोसी बरगढ़ जिले के पैकामल स्थित एक दंपति के घर से शिशु को मुक्त कराया और उसे बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को सौंप दिया। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है क्योंकि कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई थी।

बांग्लादेश : विमान हादसे की जांच के लिए आयोग

ढाका। बांग्लादेश सरकार ने पिछले हफ्ते ढाका में वायुसेना के प्रशिक्षण विमान के एक स्कूल परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने की घटना की जांच के लिए नौ सदस्यीय आयोग का गठन किया है। इस हादसे में 34 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें अधिकतर विद्यार्थी शामिल थे। चीन निर्मित एफ-7 बीजीआई विमान में पिछले सोमवार को ढाका के उत्तर क्षेत्र से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी आ गई थी और वह माइलस्टोन स्कूल एवं कॉलेज की दो मंजिला इमारत से टकरा गया था।

राजकपूर, दिलीप कुमार के घरों का पुनर्निर्माण शुरू

पेशावर। पाकिस्तान के पेशावर स्थित भारतीय अभिनेता दिलीप कुमार और राज कपूर के पैतृक घरों का पुनर्निर्माण कार्य आधिकारिक तौर पर सोमवार को शुरू हो गया। पुरातत्व निदेशक डॉ. अब्दुस समद ने बताया कि यह परियोजना दो वर्षों में पूरी हो जाएगी और इसकी अनुमानित लागत सात करोड़ रुपये होगी। खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने परियोजना के लिए धनराशि जारी की। इस परियोजना में ऐतिहासिक आवासों का संरचनात्मक और सौंदर्यपरक जीर्णोद्धार शामिल है।

वीआईटी के दो छात्रों की झरने में डूबने से मौत

सीहोर। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में रविवार शाम पिकनिक मनाने के दौरान घने जंगलों में स्थित एक झरने में डूबने से वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान (वीआईटी) के दो छात्रों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि दोनों छात्रों के शव सोमवार सुबह बरामद किए गए। यह घटना रविवार शाम करीब पांच बजे इछावर थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव के पास वन क्षेत्र में स्थित भेरुखो झरने में हुई। आष्टा थाना क्षेत्र के कोठरी स्थित वीआईटी कॉलेज के पांच छात्र खेवनी अभयारण्य क्षेत्र में नहाने गए थे। इनमें से दो छात्र हेमंत राव और सिनमुक झरने में बह गए और उनका कुछ पता नहीं चल पाया।

कल अंतरिक्ष में प्रक्षेपित होगा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह निसार

चेन्नई, एजेंसी

पृथ्वी का अवलोकन करने वाले उपग्रह 'नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार' (निसार) को जीएसएलवी-एस16 रॉकेट के माध्यम से 30 जुलाई को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया जाएगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने यह जानकारी दी।

'निसार' का वजन 2,392 किलोग्राम है। पृथ्वी का अवलोकन करने वाला यह पहला उपग्रह है, जो दोहरे आवृत्ति सिंथेटिक अपर्चर रडार (नासा का एल-बैंड और इसरो का एस-बैंड) के साथ पृथ्वी का निरीक्षण करेगा। ऐसा पहली बार होगा जब यह उपग्रह 'स्वीप एसएआर' प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए 242 किमी के दायरे और उच्च स्थानिक विभेदन क्षमता के साथ पृथ्वी का निरीक्षण करेगा। किसी तस्वीर के संबंध में उच्च स्थानिक विभेदन क्षमता का उपयोग होता है, जिसमें तस्वीर में बारीक से बारीक विवरण को साफ देखा जा सकता है। इस उपग्रह को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा।

• दोहरे आवृत्ति सिंथेटिक अपर्चर रडार वाला पहला उपग्रह

देश भर में बढ़ रहा है कुत्तों का आतंक

दिल्ली में हाल ही एक छह साल की बच्ची को कुत्तों के नोंचकर मार डालने की घटना का सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया है, जिस पर अब सीजेआई बीआर गवई सुनवाई करेंगे। दरअसल, भारत में आवारा कुत्तों के हमलों की समस्या गंभीर रूप से बढ़ रही है। शहरी क्षेत्रों में यह समस्या संकट का रूप ले चुकी है और सार्वजनिक स्वास्थ्य, नागरिक सुरक्षा और प्रशासनिक चुनौती का विषय बन चुकी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के साथ देश के चुनिंदा शहर भी इस समस्या से अछूते नहीं बचे हैं। सरकारी प्रयासों की कमी और घटनाओं की अनदेखी ने लोगों को बेबस बना दिया है। हालात इस कदर विकराल हो चुके हैं कि सैकड़ों लोगों को हर साल कुत्तों के हमलों का शिकार होने के बाद जान गंवानी पड़ रही है। इनमें ज्यादातर बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। लोगों के रेबीज से ग्रस्त होने का आंकड़ा भी अप्रत्याशित रूप से बढ़ गया है और इसमें साल दर साल और वृद्धि होती जा रही है।

रेबीज : दुनिया भर में 35% मौतें भारत में

भारत में रेबीज को 100 प्रतिशत घातक लेकिन 100 प्रतिशत रोकथाम के भी योग्य रोग माना जाता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2020 में रेबीज की वजह से लगभग 125, 2021 में 113, 2022 में 150 से ज्यादा और 2023 में दो सौ से ज्यादा लोगों की मौत हुई। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि भारत में हर साल लगभग 18 हजार से 20 हजार तक लोगों की मौत रेबीज से होती है जो वैश्विक मौतों का 35 प्रतिशत है। इनमें 90 प्रतिशत से ज्यादा रेबीज के केस कुत्ते के ही काटने से होते हैं।

कुत्तों के हिंसक होने के कारण

- भूख और कुपोषण प्रमुख है। साथ ही मानव की ओर से हिंसा का शिकार होकर आक्रामक हो जाते हैं।
- संख्या में अत्यधिक वृद्धि दूसरा प्रमुख कारण हैं। झुंड में होने से आवारा कुत्तों में आक्रामकता बढ़ जाती है।
- प्रजनन के समय नर कुत्ते अधिक आक्रामक होते हैं।

सरकारी कदम

- केंद्र सरकार ने एनिमल बर्थ कंट्रोल रूल्स 2023 लागू कर आवारा कुत्तों के बधियाकरण और टीकाकरण अनिवार्य किया है।
- नगर निकायों को जिम्मेदारी दी कि वे मानक प्रक्रिया के तहत आवारा कुत्तों को पकड़ें, नसबंदी करें और वहीं छोड़े जहां से पकड़े गए थे।
- राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जागरूकता प्रसार, कुत्तों को टीके देना और हमले के शिकार लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा।

देश के प्रमुख शहरों के हालात

- आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली में वर्ष 2023 में आवारा कुत्तों ने एक लाख से ज्यादा लोगों को हमला कर घायल किया।
- मुंबई में बृहन्मुंबई म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन के अनुसार आवारा कुत्ते रोजाना दो सौ से ज्यादा लोगों को हमला कर घायल कर देते हैं।
- कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में वर्ष 2022 में आवारा कुत्तों के लोगों को काटने के 30,000 से अधिक केस रिकॉर्ड में दर्ज किए गए।
- हैदराबाद में करीब 50,000 से ज्यादा आवारा कुत्ते हैं। पटना, रांची और लखनऊ जैसे शहरों में बच्चों पर हमलों में काफी वृद्धि हुई है।

उत्तर प्रदेश में आवारा कुत्तों की स्थिति

- वर्ष 2023 के आंकड़ों के मुताबिक राज्य भर में 35 लाख से ज्यादा आवारा कुत्ते हैं। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, मेरठ, नोएडा जैसे शहरों में सर्वाधिक।
- 2021 में 1.25 लाख, 2022 में 1.5 लाख, 2023 में 1.9 लाख, 2024 में जून तक 1 लाख डॉग बाइट। 2021 की तुलना में 2023 में रेबीज से दोगुनी मौतें रिकॉर्ड हुईं।
- प्रदेश में कुत्तों की नसबंदी दर लक्ष्य से बहुत कम, ग्रामीण क्षेत्रों में एंटी रेबीज वैक्सीन की कमी, साथ ही नगर निकायों के पास प्रशिक्षित स्टाफ न होने से बढ़ रहा संकट।
- नगर निकायों को निर्देश दिए गए कि खुले कचरे के ढेर हटाएं ताकि कुत्तों को भोजन न मिले। कुत्तों की गणना के लिए सर्वेक्षण योजना लागू की गई लेकिन काम नहीं हुआ।

छत्तीसगढ़: ननों की गिरफ्तारी के बाद रायपुर से दिल्ली तक राजनीति गरम

कांग्रेस की अगुवाई में विपक्ष के सांसदों ने संसद परिसर में किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में दो कैथोलिक ननों की गिरफ्तारी पर रायपुर से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली तक राजनीति गरमा गई है। ननों की गिरफ्तारी के विरोध में सोमवारको कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल समेत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। संसद में भी इसकी गूंज सुनाई दी। दोनों नन केरल की रहने वाली हैं।

छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर कथित मानव तस्करी और जबरन धर्मांतरण के आरोप में दो ननों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। एक जीआरपी अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी थी। अधिकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई बजरंग दल के एक स्थानीय पदाधिकारी की शिकायत के बाद की गई, जिसमें आरोप लगाया गया था कि ये तीनों लोग नारायणपुर की तीन लड़कियों का जबरन धर्मांतरण और तस्करी कर रहे थे।

सोमवार को कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल, आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन और आईयूएमएल के ईटी मोहम्मद बशीर सहित यूडीएफ सांसदों ने संसद भवन परिसर के मकर द्वार के सामने प्रदर्शन किया। वे पोस्टर लिए हुए थे जिन पर 'अल्पसंख्यकों पर हमले बंद करो' लिखा था। सांसदों ने ननों की गिरफ्तारी के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, इन निर्दोष महिलाओं ने कुछ गलत नहीं किया, फिर भी हिंसक भीड़ ने उन्हें निशाना बनाया। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा-आरएसएस के तंत्र में अल्पसंख्यकों को अपराधी समझा जाता है और असामाजिक तत्वों को आस्था का पालन कर रहे नागरिकों को डराने के लिए छोड़ दिया जाता है। छत्तीसगढ़ में बजरंग दल के गुंडों और पुलिस की यह जुगलबंदी भाजपा की धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति वास्तविक मंशा को दर्शाती है।

ननों की गिरफ्तारी के खिलाफ संसद के बाहर विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन। • एजेंसी

कांग्रेस की राजनीति आपत्तिजनक : भाजपा

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने एक बयान में कहा, इस मामले में कांग्रेस की राजनीति बेहद आपत्तिजनक है। तुष्टीकरण की राजनीति के चलते कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, वेणु गोपाल और सारे कांग्रेस के नेता बस्तर की बेटियों की तस्करी के आरोपियों के पक्ष में खड़े है और तो और छत्तीसगढ़ कांग्रेस जिसे अपने छत्तीसगढ़ की बच्चियों के साथ खड़ा होना था वह भी अपने आकाओं के सुर में सुर मिला रहे हैं एक बार फिर से प्रमाणित हो गया है कि छत्तीसगढ़ के कांग्रेस के नेता अपने आकाओं के निर्देशों का ही पालन करेंगे, छत्तीसगढ़ की जनता से उनका कोई मतलब नहीं है। छत्तीसगढ़ की बेटियां उन्हें कभी माफ़ नहीं करेंगी। छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार छत्तीसगढ़ की बेटियों की सुरक्षा के लिए संकल्पित है। भाजपा ने मामले की जांच के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भी दुर्ग भेजने की घोषणा की।

राहुल गांधी ने उठाया लोकसभा में मामला

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि छत्तीसगढ़ में दो ननों को उनकी आस्था के चलते गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है वहां अल्पसंख्यकों का सुनियोजित तरीके से उत्पीड़न किया जा रहा है। धार्मिक स्वतंत्रता को संवैधानिक अधिकार बताते हुए राहुल गांधी ने दोनों ननों की तत्काल रिहाई और उनके साथ हुए अन्याय के लिए जवाबदेही तय किए जाने की मांग की। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, छत्तीसगढ़ में दो ननों को उनकी आस्था के लिए गिरफ्तार कर लिया गया। यह यह भाजपा और आरएसएस का भीड़ नियम है। यह एक खतरनाक चल का परिचायक है, इस शासन के तहत सुनियोजित उत्पीड़न है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, यूडीएफ सांसदों ने आज संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। हम चुप नहीं रहेंगे।

दिव्य दृष्टि

दूर तक देखने, हालात को समझने और तुरंत कार्रवाई करने में महारत हासिल करने के लिए भारतीय सेना ने सोमवार को पूर्वी सिक्किम में दिव्य दृष्टि सैन्य अभ्यास किया। ये अभ्यास विभिन्न सर्विलांस, ड्रोन, रडार और सेंसर पर आधारित था। एजेंसी

मैं न होता तो पाकिस्तान से अब तक युद्ध कर रहा होता भारत: डोनाल्ड ट्रंप

लंदन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को फिर दावा किया कि यदि उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया होता और व्यापार वार्ता रोकने की धमकी न दी होती तो भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध चल रहा होता। ट्रंप ने स्कॉटलैंड में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के साथ आधिकारिक वार्ता से पहले मीडिया से कहा कि उन्होंने दुनिया भर में छह बड़े युद्ध को रोकने में हस्तक्षेप किया, जिनमें भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध भी शामिल है। वह गाजा में संघर्ष समाप्त करने के लिए इजराइल पर दबाव डालने के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

दिल्ली में हर दिन कुत्तों के काटने की सैकड़ों घटनाएं ये बहुत परेशान करने वाला

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कुत्तों के काटने से रेबीज होने की घटनाओं के बारे में आई एक खबर पर सोमवार को स्वतः संज्ञान लिया और कहा कि खबर में कुछ चिंताजनक और बहुत परेशान करने वाले आंकड़े हैं। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने एक अंग्रेजी दैनिक अखबार के दिल्ली संस्करण में सोमवार को प्रकाशित उस समाचार का संज्ञान लिया जो राष्ट्रीय राजधानी में एक पागल कुत्ते के हमले में छह वर्षीय लड़की की मौत के बारे में थी।

खबर पर स्वतः संज्ञान लेते हुए पीठ ने कहा, समाचार में कुछ चिंताजनक और परेशान करने वाले आंकड़े और तथ्य हैं। इसमें कहा गया है कि हर दिन शहर और इसके बाहरी इलाकों में कुत्तों के काटने की सैकड़ों घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे रेबीज हो रहा है और अंततः बच्चे एवं बुजुर्ग इस भयानक बीमारी का शिकार हो रहे हैं। पीठ ने कहा, हम इस समाचार पर स्वतः संज्ञान लेते हैं। उसने उच्चतम न्यायालय की रजिस्ट्री को इसे जनहित में स्वतः संज्ञान याचिका के रूप में दर्ज करने को कहा। उसने कहा, उचित आदेश के लिए इस निर्णय को समाचार रिपोर्ट के साथ भारत के प्रधान न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाए।

• सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वत: संज्ञान, अखबार की रिपोर्ट को सीजेआई के समक्ष पेश करने का निर्देश

पूछा था, कुत्तों को घर में क्यों नहीं देते खाना

सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा में आवारा कुत्तों को खाना देने पर परेशान किए जाने का आरोप लगाने वाली एक याचिका पर 15 जुलाई को सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता से पूछा था, आप उन्हें अपने घर में खाना क्यों नहीं देते हैं। कोर्ट ने याची के वकील से कहा, क्या हमें इन बड़े दिल वाले लोगों के लिए हर गली, हर सड़क खुली छोड़ देनी चाहिए। इन जानवरों के लिए तो पूरी जगह है, लेकिन इंसानों के लिए कोई जगह नहीं है।

शनि शिंगणापुर मंदिर ट्रस्ट के डिप्टी सीईओ ने फंदे पर लटककर जान दी

मुंबई,एजेंसी

• कुछ समय पहले ही लगे थे मंदिर के कामकाज में भ्रष्टाचार के आरोप

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में स्थित प्रसिद्ध शनि शिंगणापुर मंदिर का प्रबंधन करने वाले न्यास के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (डिप्टी सीईओ) ने सोमवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि यह घटनाक्रम मंदिर के कामकाज में भ्रष्टाचार के खुलासे के कुछ हफ्ते बाद हुआ।

पुलिस ने बताया कि श्री शनेश्वर देवस्थान के डिप्टी सीईओ नितिन शेटे (43) मुंबई से लगभग 300 किमी दूर शनि शिंगणापुर गांव के शेटे वस्ती स्थित अपने आवास पर फंदे से लटके पाए गए। शेटे मंदिर प्रबंधन निकाय के पूर्व न्यासी भी थे, उनकी आत्महत्या के पीछे का कारण अभी तक ज्ञात नहीं है।

घटना का पता सुबह तब चला, जब शेटे ने परिवार के सदस्यों के उनके कमरे का दरवाजा बार-बार खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं दिया। अधिकारी के अनुसार, चिंतित परिवार के सदस्यों ने पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा और शेटे को रस्सी के फंदे के सहारे छत से लटका पाया।

थाईलैंड और कंबोडिया संघर्ष विराम पर सहमत

पुत्रजय (मलेशिया), एजेंसी

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने सोमवार को कहा कि थाईलैंड और कंबोडिया तत्काल और बिना शर्त संघर्ष-विराम करने पर सहमत हो गए हैं। इसे थाईलैंड और कंबोडिया के बीच पांच दिन से जारी सीमा संघर्ष को रोकने में बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

अनवर ने आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन) क्षेत्रीय समूह के प्रमुख के रूप में वार्ता की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर आम सहमति बन गई है। अनवर ने एक संयुक्त बयान पढ़ते हुए कहा कि कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट और थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथाम वेचायाचाई 28 जुलाई की मध्यरात्रि से तत्काल और बिना शर्त संघर्ष-विराम पर सहमत हो गए हैं। यह शांति बहाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दोनों देश यह बैठक तब करने के लिए तैयार हुए जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी रहा तो अमेरिका किसी भी देश के साथ व्यापार समझौते पर आगे नहीं बढ़ेगा।

• मलेशिया के प्रधानमंत्री ने की घोषणा, तत्काल और बिना शर्त लागू होगा संघर्ष विराम

गाजा पर इजराइल के हमले से 36 फलस्तीनियों की मौत

दीर अल-बलाह। इजराइल द्वारा सोमवार को गाजा के विभिन्न स्थानों पर किए गए हमलों में कम से कम 36 फलस्तीनी मारे गए। इस हमले से एक दिन पहले ही इजराइल ने क्षेत्र में गंभीर होते मानवीय संकट के मद्देनजर प्रतिबंधों में ढील दी थी। नासेर अस्पताल के अनुसार, मृतकों में एक नवजात भी शामिल है, जिसका जन्म मां की हमले में मौत के बाद एक जटिल सर्जरी से हुआ था। मध्य गाजा स्थित अवदा अस्पताल के मुताबिक सात शव उसके पास लाए गए है। अस्पताल का दावा है कि इन लोगों की मौत सोमवार को अमेरिका और इजराइल समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फ़ाउंडेशन द्वारा संचालित एक सहायता केंद्र के पास इजराइली गोलीबारी में हुई। अस्पताल ने बताया कि घटनास्थल के पास 20 अन्य लोग घायल भी हुए हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 29 जुलाई, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 30 जुलाई 12.46 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

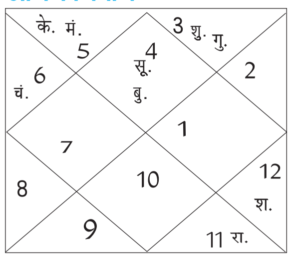

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वर्षा।

चन्द्रबल-मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।

ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-उत्तराफाल्गुनी 19.27 तक तत्पश्चात हस्त।

मेष — आज दिनचर्या अव्यवस्थित रहने वाली है। दूसरों से अधिक सलाह न लें। चलते हुए कार्य अटक सकते हैं। आज गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। छोटी-छोटी समस्याओं की उपेक्षा इस समय न करें वरना ये बाद में बड़ी बन सकती हैं।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर काम का काफी दबाव रहेगा। इस दबाव के कारण घर में झगड़ा हो सकता है। बातचीत करते हुए शब्द चयन सही तरह से करें। अपने व्यवहार में पारदर्शिता रखें। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

मिथुन — आज रक्तचाप और शुगर के रोगियों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। वाहन में खराबी आ सकती है। दोपहर के बाद आपका मन कुछ अप्रसन्न हो सकता है। जल्दबाजी के कार्यों के कारण आपको परेशानी हो सकती है।

कर्क — आपका स्वास्थ्य बेहतरीन रहने वाला है। अपनी प्रतिभा का बखूबी प्रयोग करेंगे। विद्यार्थियों को आशा के अनुरूप परिणाम मिलेंगे। उच्चाधिकारियों के साथ आपके संबंध मधुर रहने वाले हैं। छोटी दूरी की यात्रा करने के विचार बना सकते हैं।

सिंह — आज पैतृक संपत्ति को लेकर कुछ निर्णय हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ मिलकर घर के कार्यों में हाथ बटायेंगे। घर में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। स्वभाव में विनम्रता बनाए रखें।

कन्या — आज धर्म-कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। अविवाहित लोगों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। घर में मनपसंद भोजन का आनंद ले सकते हैं। नए व्यवसाय की शुरुआत करना चाह रहे हैं तो सफलता मिलेगी।

तुला — आज नकारात्मक विचारों का प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। शाम के समय आप काफी अच्छा महसूस करेंगे। इसीलिए सकारात्मक बने रहें। प्रेम संबंधों में कुछ अनबन हो सकती है। सहकर्मियों का आपके प्रति व्यवहार खराब हो सकता है।

वृश्चिक — आज नए विचारों को अपनाने में आप संकोच नहीं करेंगे। वैवाहिक संबंध काफी मधुर रहने वाले हैं। प्रेम संबंधों को लेकर भावनात्मक रहेंगे। उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है। आपकी छवि में काफी सुधार आयेगा। संतान की शिक्षा पर आप काफी ध्यान देंगे।

धनु — आज किसी पुराने मामले का निपटारा हो सकता है। आप में प्रतिस्पर्धा की भावना रहेगी। विदेश में जॉब कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। धन और करियर के मामले में दिन बहुत शुभ रहने वाला है। नई योजनाओं में आप काम शुरू कर सकते हैं।

मकर — आज अधूरे कार्यों को समय पर पूरा करेंगे। परिस्थितियों का समझदारी से मुकाबला करेंगे। आर्थिक मामलों के लिये दिन बहुत ही शुभ रहने वाला है। अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से निभायेंगे। दाम्पत्य सम्बन्धों में मधुरता बढ़ेगी।

कुंभ — आज का दिन उठापटक से भरा हुआ रहेगा। आलस्य और प्रमाद में समय व्यर्थ न करें। आज आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिये। लोग आपकी भावनाओं का निरादर कर सकते हैं। दूसरों पर अधिक निर्भर होकर काम न करें।

मीन — आज विदेश में व्यापार कर रहे लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की कुछ चिंता रहेंगी। नौकरीपेशा जातकों को आज सम्मान मिल सकता है। आज आप काफी चुस्त-दुरुस्त रहेंगे। किसी विवाह समारोह में भाग लेने के लिए यात्रा कर सकते हैं।

सुडोकू -53

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	5			7		3		
8			2				7	4
		7		1		6		
6								9
	7	2				8		
				6				1
		3		2		5		
9	4				7			2
		6		9			8	

सुडोकू - 52 का हल

2	5	3	8	4	1	6	9	7
6	4	8	2	9	7	3	5	1
1	7	9	3	6	5	4	8	2
8	2	6	7	5	4	1	3	9
9	3	4	6	1	2	8	7	5
5	1	7	9	8	3	2	4	6
4	8	2	1	7	9	5	6	3
7	6	1	5	3	8	9	2	4
3	9	5	4	2	6	7	1	8

"अगर शुभमन गिल ने वैसा प्रदर्शन नहीं भी किया होता जैसा उन्होंने किया, तब भी हमें उनकी प्रतिभा पर पूरा भरोसा होता। मायने यह रखता है कि वह अपनी उम्मीदों और क्षमता पर खरे उतर रहे हैं। वह कप्तान नहीं, बल्लेबाज के रूप में खेलते हैं। –गौतम गंभीर

स्टेडियम

हल्द्वानी, मंगलवार, 29 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

इनियान ने डोल ओपन शतरंज खिताब जीता

नई दिल्ली : भारतीय ग्रैंडमास्टर पी इनियान ने पोलैंड के यान मालेक को टाइब्रेकर में हराकर दूसरा डोल ओपन अंतर्राष्ट्रीय शतरंज खिताब जीत लिया। फ्रांस में हुए टूर्नामेंट में दोनों खिलाड़ियों के 7.5 अंक रहने के बाद विजेता का निर्धारण टाइब्रेकर के आधार पर हुआ। तमिलनाडु के इरोड के रहने वाले इनियान पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहे। उन्होंने उज्बेकिस्तान, मेडागास्कर, तुर्की, फ्रांस और पोलैंड के अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स को हराने के अलावा तीन ड्रॉ खेले। टूर्नामेंट में 43 देशों के 39 ग्रैंडमास्टर्स समेत 276 खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

भारतीयों में अटवाल शीर्ष स्थान पर रहे

लंदन : अर्जुन अटवाल छह बर्डी लगाने के बावजूद आईएसपीएस एचएएनडीए सीनियर ओपन गोल्फ के आखिरी दौर में एक अंडर 69 का कार्ड खेल कर संयुक्त 24वें स्थान पर रहे। अटवाल ने छह बर्डी के मुकाबले पांच बोगी कर दिये जिसमें दो बोगी आखिरी के पांच होल में आये। वह चार दौर में 67-72-69-71 के कार्ड के साथ प्रतियोगिता में खेल रहे तीन भारतीयों में शीर्ष स्थान पर रहे। जीव मिल्खा सिंह (69) संयुक्त 56वें और ज्योति रंधावा (73) संयुक्त 61वें स्थान पर रहे।

वेस्टइंडीज टीम पर लगा जुर्माना

बासेटेयर : वेस्टइंडीज की टीम पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी-20 मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। वेस्टइंडीज को 26 जुलाई को खेले गये चौथे टी-20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धीमी ओवर गति के उल्लंघन का दोषी पाया गया। वेस्टइंडीज ने आईसीसी आचार संहिता 2.22 का उल्लंघन किया। उसने तय समय में दो ओवर कम फेंके। कप्तान शाई होप ने आईसीसी मैच अधिकारियों द्वारा प्रस्तावित जुर्माना स्वीकार कर लिया। इसलिये इस पर औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं है।

गोल्फर दीक्षा संयुक्त 39वें स्थान पर रहीं

आयरशर (स्कॉटलैंड) : भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के चौथे दौर में एक अंडर 71 का कार्ड खेलने के बाद नीचे स्थान के सुधार के साथ संयुक्त 39वें पायदान पर रहीं। दीक्षा दूसरे दौर में लचर प्रदर्शन के बाद तीसरे और चौथे दौर में अच्छी वापसी करते हुए 'मेजर' स्तर के टूर्नामेंट एआईजी महिला ओपन के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करने में सफल रहीं। दीक्षा एक अंडर (69-76-71-71) के स्कोर के साथ शीर्ष 40 में जगह हासिल करने में सफल रहीं। दीक्षा ने अपना आखिरी राउंड बैक नाइन (10 वां होल से) से शुरू किया। वह 12 होल में बेवर करने के बाद 13 होल में डबल बोगी कर बैठी। वह 18वें होल में बर्डी के साथ वापसी करने में सफल रहीं।

काफा नेशंस कप खेल सकता है भारत

नई दिल्ली : भारतीय फुटबॉल टीम ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में 28 अगस्त से आठ सितंबर के बीच काफा नेशंस कप खेल सकती है। चूंकि मलेशिया के विकल्प के तौर पर मध्य एशियाई फुटबॉल संघ ने भारत को खेलने का न्योता दिया है। आठ टीमों के टूर्नामेंट से मलेशिया ने खिलाड़ियों की उपलब्धता और लॉजिस्टिक्स का हवाला देकर 15 जुलाई को नाम वापिस ले लिया था। यह टूर्नामेंट फीफा की अंतर्राष्ट्रीय विंडो में नहीं पड़ता जो एक से नौ सितंबर के बीच है।

विश्व तैराकी में 43वें स्थान पर रहे साजन

सिंगापुर : भारत के अनुभवी तैराक साजन प्रकाश सोमवार को यहां विश्व तैराकी चैंपियनशिप में पुरुषों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रहे। इस 31 वर्षीय बटरफ्लाई विशेषज्ञ ने 1:51.57 सेकंड का समय निकालकर अपनी हीट में चौथा और कुल मिलाकर 43वां स्थान हासिल किया। शीर्ष 16 तैराक सेमीफाइनल में पहुंचे। रोमानिया के डेविड पोपोविसी ने 1:45.43 सेकंड के साथ हीट में सबसे तेज समय निकाला जबकि इटली के कार्लोस डी 'अम्ब्रोसियो (1:46.67 सेकंड) सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले अंतिम तैराक रहे।

हम्पी को हराकर दिव्या बनीं शतरंज की वर्ल्ड चैंपियन

बातुमी (जॉर्जिया), एजेंसी

भारत की युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने अपने करियर की सबसे बड़ी सफलता हासिल करते हुए सोमवार को यहां हमवतन और अपने से कहीं अधिक अनुभवी कोनेरू हम्पी को टाइब्रेकर में हराकर फिडे महिला विश्व कप का खिताब जीता। इस जीत से 19 साल की दिव्या ने ना सिर्फ यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता बल्कि ग्रैंडमास्टर भी बन गईं जो टूर्नामेंट की शुरुआत में असंभव लग रहा था।

वह ग्रैंडमास्टर बनने वाली सिर्फ चौथी भारतीय महिला और कुल 88वीं खिलाड़ी हैं। नागपुर की इस खिलाड़ी ने शनिवार और रविवार को खेले गए दो क्लासिकल मुकाबलों के ड्रॉ होने के बाद टाइब्रेकर में जीत दर्ज की। दो क्लासिकल बाजी ड्रॉ होने के बाद टाइब्रेकर का पहला समूह निर्णायक साबित हुआ जिसमें हम्पी ने अपना संयम खो दिया। विश्व कप और महिला विश्व चैंपियनशिप को छोड़कर हम्पी ने अंतर्राष्ट्रीय शतरंज में सब कुछ जीता है लेकिन किस्मत या फिर अपने धैर्य के कारण विश्व कप खिताब जीतने में नाकाम रही हैं। दिव्या ने सोमवार को दृढ़ निश्चय दिखाया और इस जज्बे का बोनस ग्रैंडमास्टर खिताब था जो इस प्रतियोगिता के चैंपियन के लिए आरक्षित था। सोमवार को समय नियंत्रित टाइब्रेकर की पहली बाजी में सफेद मोहरों से खेलते हुए दिव्या ने हम्पी को फिर से ड्रॉ पर रोका लेकिन दूसरी बाजी में काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन को हराकर जीत दर्ज की। दिव्या अब हम्पी, डी हरिका और आर वैशाली के साथ देश की ग्रैंडमास्टर बनने वाली महिलाओं की सूची में शामिल हो गई हैं। हम्पी 38 साल की हैं और 2002 में ग्रैंडमास्टर बनीं जबकि दिव्या का जन्म 2005 में हुआ। दिव्या ऊर्जा से भरी थीं और उन्होंने शुरुआती

भारतीय शतरंज खिलाड़ी कोनेरु हम्पी और विजेता दिव्या देशमुख (दाएं)। एजेंसी

● फाइनल में दोनों भारतीय महिला खिलाड़ियों ने दिखाया जलवा

38 साल की कोनेरु हम्पी 2002 में ग्रैंडमास्टर बनी थीं, जबकि दिव्या का जन्म 2005 में हुआ और वह सिर्फ 19 वर्ष की हैं

40 वीं चाल में हम्पी ने अपना आपा खोया, प्यादों को गंवाकर विरोधी खिलाड़ी पर आक्रमण करने की नाकाम कोशिश की

टाइब्रेकर में हम्पी पर दबाव बनाए रखा और अपनी दिग्गज प्रतिद्वंद्वी को थका दिया और फिर दूसरे टाइब्रेकर में जीत दर्ज की। पेट्रॉफ डिफेंस का इस्तेमाल करते हुए दिव्या ने हम्पी को पहली टाइब्रेक बाजी में बेहतर स्थिति में होने का मौका दे दिया था। हम्पी ने हालांकि समय के दबाव में गलती की और जल्द ही वह ऐसी स्थिति में पहुंच गईं जहां उनके पास दिव्या की रानी के खिलाफ एक रूक (हाथी), बिशप (ऊंट) और एक पॉन (प्यादा) था। हालांकि स्थिति लगभग बराबरी की रही और अंत में हम्पी ने आसानी से ड्रॉ कर लिया। दूसरी बाजी में हम्पी ने कैटलन ओपनिंग का इस्तेमाल किया और दिव्या फिर से अच्छी तरह तैयार थीं। हम्पी ने 40वीं चाल में अपना आपा खो दिया और प्यादों को गंवाकर विरोधी खिलाड़ी पर आक्रमण करने की कोशिश की। दिव्या को हालांकि इससे अधिक मुश्किल नहीं हुई। यह दिव्या का दिन था क्योंकि हम्पी के पास फिर से समय की कमी थी और उन्होंने फिर से गलती की जिससे सैद्धांतिक रूप से दिव्या की जीत की स्थिति बन गई। इस बाजी में दिव्या की किस्मत लंबे समय तक बराबरी और जीत के बीच झूलती रही जिसके बाद नागपुर की इस लड़की ने बाजी मार ली। अपने से दोगुनी उम्र की प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत के बाद भावुक दिव्या अपने आंसू नहीं रोक पाईं। हम्पी ने दिव्या के खिलाफ हारने से पहले आखिर तक संघर्ष किया।

दिव्या बोलीं-अभी अविश्वसनीय लग रहा

■ दिव्या ने कहा मुझे इसे (जीत को) समझने के लिए समय चाहिए। मुझे लगता है कि यह नियति की बात थी कि मुझे इस तरह ग्रैंडमास्टर का खिताब मिला क्योंकि इस (टूर्नामेंट) से पहले मेरे पास एक भी (ग्रैंडमास्टर) नॉर्म नहीं था और अब मैं ग्रैंडमास्टर हूं। मुकाबले पर करीबी नजर रखने वाले पांच बार के पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने दिव्या की जीत की सराहना की और इसे भारतीय शतरंज के लिए महान जश्न करार दिया। आनंद ने एक्स पर लिखा दिव्या देशमुख को विश्व कप जीतने पर बधाई। ग्रैंडमास्टर बनने और कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बनाने पर। धैर्य की अद्भुत परीक्षा। कोनेरू हम्पी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और शानदार जुझारूपन दिखाया। वह एक महान चैंपियन हैं।

महिला फुटबाल में फिर इंग्लैंड यूरोपीय चैंपियन

बासेल : गत विजेता इंग्लैंड ने विश्व चैंपियन स्पेन को पेनल्टी शूट आउट में 3-1 से पराजित करके लगातार दूसरी बार महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) का खिताब जीता। इंग्लैंड ने इस तरह से स्पेन से विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार का बदलाव की चुकता कर दिया।

स्पेन खिताबी हैट्रिक पूरी करने में नाकाम रहा। उसने विश्व कप के अलावा 2024 में यूईएफए नेशंस लीग का खिताब भी जीता था। स्पेन ने मैरियोना काल्डेन्ते के 25वें मिनट में हेडर से किए गए गोल से बढ़त बनाई। इंग्लैंड की तरफ से एलेसिया रुस्सो ने 57वें मिनट में हेडर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इससे अतिरिक्त समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा। टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई स्पेन की स्टार ऐताना बोनमाटी ने कहा, "हम टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम थे, लेकिन कभी-कभी यह पर्याप्त नहीं होता।

भारत को अब भी मैच जिताऊ संयोजन की तलाश

31 जुलाई से होना है पांचवां व अंतिम टेस्ट मैच, शार्दुल और कंबोज हो सकते हैं बाहर

मैनचेस्टर, एजेंसी

इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है, लेकिन ओल्ड ट्रैफर्ड में यादगार ड्रॉ हासिल करने के बावजूद भारत तीन दिन बाद ओवल में होने वाले पांचवें और अंतिम मैच से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ एकादश, खासकर सही गेंदबाजी संयोजन की तलाश में है।

भारत ने श्रृंखला के दौरान किसी विशेषज्ञ गेंदबाज की बजाय आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने को प्राथमिकता दी जिस पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं, खासकर तब जब चोटिल नीतीश रेड्डी की जगह खेल रहे शार्दुल ठाकुर से ओल्ड ट्रैफर्ड में केवल 11 ओवर करवाए गए। लेकिन भारत ने ओल्ड ट्रैफर्ड में 2014 के बाद पहली बार 600 से अधिक रन दिए, इसलिए पिछले 40 दिन से बेंच पर बैठे हुए कुलदीप यादव जैसे विकेट लेने वाले गेंदबाज को टीम में शामिल करने का मामला पहले से कहीं अधिक मजबूत हो गया है।

अंशुल कंबोज का टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण अच्छा नहीं रहा और उनकी जगह पूरी तरह से फिट आकाशदीप या प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का सपना देख रहे होंगे। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हालांकि रविवार को ड्रॉ के बाद अपने चिरपरिचित आक्रामक लहजे में सभी तेज गेंदबाजों को फिट घोषित कर दिया, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि तेज गेंदबाज, विशेषकर जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज पर अब थकान हावी हो रही है। ऋषभ पंत के चोटिल होने के कारण चौथे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में वाशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा भारत के शीर्ष छह बल्लेबाजों में शामिल थे और इन दोनों ने अपने धैर्य का शानदार नमूना पेश करते हुए शतक लगाए और मैच को ड्रा कराने में अहम भूमिका निभाई। यदि ओवल में भी यही तरीका अपनाया जाता है तो ध्रुव जुरेल सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आएंगे और भारत शार्दुल ठाकुर को बाहर करके चार विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ खेल सकता है। शार्दुल का वैसे भी एक गेंदबाज के रूप में पर्याप्त उपयोग नहीं किया जा रहा है। चौथे गेंदबाज के रूप में कुलदीप यादव को शामिल किया जा सकता है क्योंकि पिच से स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद है या फिर एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को भी शामिल किया जा सकता है। भारतीय टीम प्रबंधन ने स्वयं स्वीकार किया है कि वह कुलदीप को अंतिम एकादश में शामिल करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन आठवें नंबर तक बल्लेबाज रखने की रणनीति के कारण वह ऐसा नहीं कर पा रहा है। पहले की योजना के अनुसार बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत इस श्रृंखला के तीन टेस्ट मैच में ही खेलना है।

भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर व मुख्य चयनकर्ता अजित आगरकर। एजेंसी

हमने यह दिखाया, भारत महान टीम क्यों है: गिल

■ **मैनचेस्टर :** भारतीय कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के आखिरी दिन ऐतिहासिक प्रदर्शन से हार टालने का विश्वास लोकेश राहुल के साथ उनकी साझेदारी से उपजा है और टीम ने ऐसा करके यह जता दिया वे महान टीम क्यों है। भारतीय टीम ने पहली पारी में 311 रन से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में बिना कोई रन बनाये दो विकेट गंवा दिए थे लेकिन गिल, रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने शानदार शतक जड़कर अपनी टीम को हार से बचाया। गिल ने कहा 140 ओवर तक एक ही मानसिकता बनाए रखना बहुत चुनौतीपूर्ण है। एक अच्छी टीम और एक महान टीम में यही अंतर होता है। मुझे लगता है कि हमने आज यह दिखाया कि हम एक महान टीम हैं। शून्य रन पर दो विकेट गंवाने के बाद मुझे लगता है कि मेरे और केएल (राहुल) भाई के बीच की साझेदारी ने उम्मीद जगा दी थी कि हम इस काम को कर सकते हैं। मैं बेहद, बेहद खुश हूं। जिस स्थिति में हम कल थे, वहां से ड्रॉ हासिल करना बेहद संतोषजनक है।

रणनीतिक रूप से सही नहीं दिखे गंभीर

■ पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि गौतम गंभीर को शायद थोड़ा शांत रहने की जरूरत है। राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के कुछ कमजोर रणनीतिक फैसलों के बावजूद भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में सम्मानजनक ड्रॉ हासिल किया। बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज गंभीर लाल गेंद के प्रारूप में रणनीतिक रूप से सही नहीं रहे हैं। रविवार को कड़े मुकाबले में ड्रॉ के बावजूद भारत श्रृंखला में 1-2 से पीछे है और अब सिर्फ एक मैच बाकी है। मांजरेकर ने कहा, "मुझे लगता है कि उनके (गंभीर) कुछ रणनीतिक फैसलों के बावजूद भारत ने अच्छा प्रदर्शन किया है। यह नहीं भूलें कि भारत न्यूजीलैंड से अपने घर में 0-3 से हारा और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी सरजमीं पर आसानी से हार गया। इस टीम में हमने जो संघर्ष देखा है? वह खिलाड़ियों की वजह से है। उन्होंने कहा क्योंकि रणनीतिक तौर पर गंभीर ने हमेशा चीजों को आसान नहीं बनाया है, विशेषकर चयन से जुड़े अपने कुछ फैसलों के साथ।

शुभमन की प्रतिभा पर कोई संदेह नहीं : गंभीर

■ गंभीर ने मैच के बाद कहा शुभमन गिल की प्रतिभा पर कभी कोई संदेह नहीं था। अगर किसी को संदेह था तो शायद उन्हें क्रिकेट की समझ नहीं है। कुछ खिलाड़ियों को जमने में समय लगता है। इस दौरे पर उसने कप्तान के रूप में काम किया उससे इस ड्रेसिंग रूम में कोई भी हैरान नहीं है।

बुमराह पांचवें टेस्ट में खेलते हैं तो हमारे लिए बड़ी बात होगी

■ **मैनचेस्टर :** भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि अगर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला के निर्णायक पांचवें टेस्ट मैच में खेलने में सफल रहते हैं तो यह टीम के लिए बड़ी बात होगी, क्योंकि टीम की मूल योजना उन्हें तीन मैचों तक सीमित रखने की थी। बुमराह को अपने कार्यभार प्रबंधन के तहत इस टेस्ट श्रृंखला के केवल तीन मैच में खेलना था। वह एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाए, लेकिन बाकी तीन टेस्ट मैचों में खेले। मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट मैच ड्रॉ रहने के बाद इंग्लैंड श्रृंखला में 2-1 से आगे है और इस तरह से भारत को पांच मैचों की श्रृंखला को बराबर करने के लिए 31 जुलाई से ओवल में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में जीत हासिल करनी होगी। गिल ने कहा अगर उन्हें लगता है कि वह पूरी तरह से फिट हैं और हमारे लिए उपलब्ध हैं, तो मुझे लगता है कि यह हमारे लिए बहुत बड़ी बात होगी। उन्होंने कहा अगर वह नहीं खेल पाते हैं तो मुझे तब भी लगता है कि हमारे पास अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है। बुमराह ने ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट में 33 ओवर गेंदबाजी की।

अश्विन ने इंग्लैंड के दोहरे मापदंड की आलोचना की

■ **नई दिल्ली :** पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने चौथे टेस्ट को निर्धारित समय से पहले खत्म करने की इंग्लैंड की कोशिशों के लिए उनके दोहरे मापदंड की आलोचना की जबकि क्रिकेट जगत ने घरेलू टीम के ड्रॉ के प्रस्ताव को स्वीकार करने के बजाय रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर को उनके शतक पूरे करने देने के भारत के फैसले का व्यापक समर्थन किया। रविवार को मैच के आखिरी घंटे की शुरुआत के दौरान उस समय अजीब स्थिति हो गई जब मेजबान टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने भारतीय बल्लेबाजों को ड्रॉ की पेशकश की क्योंकि किसी टीम की जीत संभव नहीं दिख रही थी। जडेजा और वाशिंगटन उस समय क्रमशः 89 और 80 रन बनाकर खेल रहे थे और उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया जिससे इंग्लैंड के कप्तान निराश हो गए। स्टोक्स ने बाद में कहा कि उन्होंने यह प्रस्ताव इसलिए दिया था क्योंकि वह अपने थके हुए मुख्य गेंदबाजों के चोटिल होने का जोखिम नहीं उठाना चाहते थे। अश्विन ने कहा उन्होंने पूरे दिन आपके गेंदबाजों को खेला, उनका सामना किया और अचानक जब वे शतक के करीब पहुंचते हैं तो आप बाहर चले जाना चाहते हैं? उन्हें ऐसा क्यों करना चाहिए? उन्होंने कड़ी मेहनत की, आप चाहते हैं कि वे अपना शतक पूरा नहीं करें?

सात्विक और चिराग की निगाहें खिताब पर

मकाऊ, एजेंसी

● मकाऊ ओपन में लक्ष्य और प्रणय फॉर्म में वापसी करना चाहेंगे

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने अच्छे प्रदर्शन को जारी रखते हुए सत्र का पहला खिताब जीतने के इरादे से कोर्ट पर उतरेगी।

एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग ने पिछले सप्ताह चाइना ओपन सुपर 1000 में एक बार फिर सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उन्हें मलेशिया के दूसरे वरीय आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा। दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी ने इस सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन वह अभी तक खिताब नहीं जीत पाए हैं। उन्होंने इंडिया ओपन, सिंगापुर ओपन और मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के अलावा इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी जगह बनाई। मकाऊ ओपन के शुरुआती दौर में उनका सामना लो हैंग यी और एनजी इंग चियोंग की मलेशियाई जोड़ी से होगा। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन विश्व चैंपियनशिप से पहले अपनी लय फिर से हासिल करने की उम्मीद करेंगे। सेन का पहला मुकाबला कोरिया के जियोन ह्योक जिन से होगा। इस बीच 2023 के विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय चाइना ओपन के दूसरे दौर में बाहर होने के बाद वापसी की कोशिश करेंगे। वह अपने अभियान की शुरुआत क्वालीफायर के खिलाफ करेंगे।

उच्चतम न्यायालय ने लक्ष्य सेन के खिलाफ दायर प्राथमिकी रद्द की

नई दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने जन्म प्रमाण पत्र जालसाजी मामले में भारत के चोटी के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन, उनके परिवार के सदस्यों और कोच के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी सोमवार को रद्द कर दी। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि सेन के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही जारी रखना अनुचित है और यह अदालत की प्रक्रिया का दुरुपयोग है। उच्चतम न्यायालय ने इससे पहले कर्नाटक सरकार और शिकायतकर्ता एम जी नागराज को नोटिस जारी किया था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि लक्ष्य सेन और उनके भाई चिराग सेन के जन्म प्रमाण पत्र जाली थे। शीर्ष अदालत कर्नाटक उच्च न्यायालय के 19 फरवरी के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। उच्च न्यायालय ने सेन, उनके परिवार के सदस्यों और कोच विमल कुमार द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

मेहनत का फल

फिटनेस की चाह ने बदल दी किस्मत, बन गए विश्व कप पदक विजेता

वजन कम करने को हितेश बने मुक्केबाज

नई दिल्ली, एजेंसी

एक दशक पहले, एक अधिक वजन का स्कूली छात्र झज्जर के एक स्थानीय स्टेडियम में अपने परिवार के कहने पर कुछ किलो वजन कम करने और फिटनेस बेहतर करने आया था। आज 21 वर्षीय हितेश गुलिया (70 किग्रा) अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी सर्किट में सबका ध्यान खींच रहे हैं।

उन्होंने ब्राजील और कजाकस्तान में आयोजित विश्व कप में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। हितेश को वह पल अच्छी तरह याद है जब उनकी यात्रा की शुरुआत हुई थी। हितेश ने पीटीआई से कहा जब हम 2015 में अपने पैतृक गांव (जहांगीरपुर) से झज्जर शहर आए तो वहां एक स्थानीय स्टेडियम था। मेरे माता-पिता ने मुझे वहां जाने, थोड़ा दौड़ने और फिट रहने के लिए कहा क्योंकि मैं चौथी कक्षा में था लेकिन मेरा वजन 50-55 किग्रा था। इस मुक्केबाज ने कहा कि उस समय उन्हें पेशेवर रूप से इस खेल को अपनाने की कोई इच्छा नहीं थी।

उन्होंने कहा स्टेडियम में मैं वहां गया जहां मुक्केबाजी हो रही थी और फिट होने के लिए ट्रेनिंग में शामिल हो गया। मेरा मुक्केबाजी में करियर बनाने का कोई इरादा नहीं था। लेकिन फिर एक दिन कोच ने मुझे दस्ताने दिए और मुकाबला करने के लिए कहा। मुक्केबाजी की ट्रेनिंग के शुरुआती चरणों में बहुत कम या बिल्कुल भी अभ्यास नहीं होता क्योंकि मुक्केबाज मुख्य रूप से रिंग से दूर सहनशक्ति बढ़ाने और लचीलेपन को बेहतर करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

हितेश ने कहा मैंने अपने विरोधी को मुक्के जड़े और कोच को मेरे अंदर क्षमता नजर आई। उसके बाद मुझे अपने राज्य के लिए एक जिला-स्तरीय टूर्नामेंट के लिए चुना गया। मैं पहले मुकाबले में हार गया लेकिन मेरे परिवार को लगा कि मैं मुक्केबाजी कर सकता हूं।

अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाज हितेश गुलिया। एजेंसी (फाइल फोटो)

पिता ने टैक्सी चलाकर किया पैसे का इंतजाम

■ एक निजी ट्रैवल कंपनी में टैक्सी ड्राइवर के रूप में काम कर चुके हितेश के पिता सत्यप्रकाश ने अपने बेटे की सफलता में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। कम आय के बावजूद पांच भाई-बहनों में सबसे छोटे हितेश ने कभी अपने परिवार के संघर्षों का बोझ महसूस नहीं किया और चुपचाप संघर्ष करने के लिए अपने पिता को श्रेय देते हैं। हितेश ने कहा पापा एक कंपनी के लिए कैब चलाते थे। मेरे पास इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि हम पैसों का प्रबंधन कैसे करते थे, बस इतना है कि मेरे पिता ने बहुत त्याग किया है। घुटने की समस्या होने के बावजूद वह डबल शिफ्ट में काम करते थे। उन्होंने मुझे कभी कुछ नहीं बताया और ना ही पैसों की चिंता करने दी।